

किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0:

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 5 अंकः 45 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) बुधवार 25 नवम्बर 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

नीतीश की नीतियों पर ही चलेगी बिहार सरकार, संजय झा के बयान के क्या हैं सियासी मायने ?

समाज जागरण संवाददाता

पटना। बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद भी पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत और उनकी कार्यशैली जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की राजनीति के केंद्र में बनी हुई है। मंगलवार को पटना स्थित जदयू कार्यालय में आयोजित सुशासन दिवस कार्यक्रम के दौरान पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने स्पष्ट किया कि जदयू अपनी विचारधारा और राजनीतिक सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी। पार्टी नीतीश कुमार के विकास और सुशासन के मॉडल को आगे बढ़ाएगी। उनके बयान को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में जदयू की राजनीतिक भूमिका के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संजय झा के बयान के पांच प्रमुख सियासी मायने

1. नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत बरकरार रखने का संदेश
2. भाजपा के सामने अपनी अलग पहचान का संकेत
3. सम्राट सरकार के लिए नीतिगत निरंतरता का संदेश
4. जदयू कार्यकताओं को एकजुट रखने की कोशिश
5. एनडीए में जदयू की भूमिका का संकेत

वैभव सूर्यवंशी का विश्व क्रिकेट में महाधमाका, 53 गेंदों में 204 रन ठोक रच दिया इतिहास

28 गेंदों में शतक, 40 गेंदों में 150 और 52 गेंदों में दोहरा शतक; 15 वर्षीय बल्लेबाज ने एक पारी में 28 छक्के जड़कर तोड़े कई विश्व रिकॉर्ड

समाज जागरण संवाददाता

दोहा। भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिल गया है। महज 15 वर्ष की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया है। यूएई के खिलाफ भारत-ए की ओर से खेलते हुए इस युवा सलामी बल्लेबाज ने महज 53 गेंदों में 204 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। उनकी इस पारी में 28 छक्के और कई चौकों की बरसात देखने को मिली। वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से लिस्ट-ए क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक को पूरी तरह बदल दिया।

मंगलवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत-ए ने यूएई को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई की टीम ने हरप्रीत सिंह भाटिया के 130 रनों की शानदार शतकीय पारी के सहारे निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट खोकर 249 रन बनाए। भारत की ओर से अरशद खान ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी ने ऐसी तूफानी शुरूआत दिलाई कि यूएई के गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। भारत-ए ने महज 14.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के सबसे बड़े नायक वैभव रहे, जिन्होंने मैदान के चारों ओर छक्कों और चौकों की बरसात कर दी।



52 गेंदों में दोहरा शतक, क्रिकेट जगत स्तब्ध

वैभव ने महज 52 गेंदों में 200 रन पूरे कर लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के चैड बोवेस के नाम था, जिन्होंने 2024 में 103 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था। वैभव ने इस रिकॉर्ड को 51 गेंद कम खेलकर तोड़ दिया।

एक ओवर में 30 रन, छक्कों की लगाई झड़ी

मुकाबले के सातवें ओवर में वैभव ने गेंदबाज पर ऐसा हमला बोला कि एक ही ओवर में 30 रन बटोर लिए। उन्होंने ओवर की छह गेंदों पर क्रमशः 6, 4, 4, 6, 6 और 4 रन बनाए। उनकी इस बल्लेबाजी ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

भारतीय क्रिकेट के भविष्य का चमकता सितारा

महज 15 वर्ष की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने जिस तरह विश्व क्रिकेट के स्थापित रिकॉर्ड ध्वस्त किए हैं, उसने भारतीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर नई उम्मीदें जगा दी हैं। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता, आत्मविश्वास और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता साफ दिखाई देती है। अब क्रिकेट प्रेमियों की नजर इस युवा प्रतिभा के अगले मुकाबलों पर टिकी है।

28 गेंदों में शतक, दुनिया के दिग्गज पीछे

वैभव ने महज 28 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का नया रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के जेक फ्रेजर-मैकगर्क का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने वर्ष 2023 में तस्मानिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक लगाया था। इससे पहले एबी डिविलियर्स ने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 31 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास रचा था।

40 गेंदों में 150 रन, अपना ही रिकॉर्ड ध्वस्त

वैभव की बल्लेबाजी की रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने केवल 40 गेंदों में 150 रन पूरे कर लिए। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले वर्ष 2025 में बिहार की ओर से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने 59 गेंदों में 150 रन बनाए थे।

एक पारी में 28 छक्के, नया विश्व कीर्तिमान

वैभव ने अपनी 204 रनों की पारी में कुल 28 छक्के लगाकर एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। उन्होंने डार्सी शॉर्ट के 23 छक्कों और बेवन जैकब्स के 21 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि के साथ वह पेशेवर क्रिकेट में एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

21 लाख दीपों से जगमगाई काशी

देव दीपावली पर घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



समाज जागरण संवाददाता

वाराणसी। धर्म और आध्यात्म की नगरी काशी में मंगलवार को देव दीपावली का पर्व भव्यता के साथ मनाया गया। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगा के घाट लाखों दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। घाटों पर 21 लाख दीप जलाए जाने के आयोजन ने काशी की सुंदरता को अद्भुत रूप दे दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने पहुंचे।

देव दीपावली के आयोजन का शुभारंभ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने किया। इस दौरान गंगा घाटों पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ लेजर शो और ड्रोन शो का भी आयोजन किया गया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी और गंगा की लहरों पर झिलमिलाते दीपों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

देव दीपावली को लेकर वाराणसी में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। दशाश्वमेध, अस्सी, राजघाट और अन्य प्रमुख घाटों पर भारी भीड़ देखने को मिली। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए। शहर में यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन भी लागू किए गए।

कार्तिक पूर्णिमा पर देशभर में आस्था का उत्सव

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, बरेली, कानपुर, मेरठ और उन्नाव सहित विभिन्न शहरों में श्रद्धालुओं ने नदियों और सरोवरों में स्नान कर पूजा-अर्चना की।

वहीं काशी में देव दीपावली के आयोजन ने धार्मिक उत्सव को विशेष भव्यता प्रदान की। गंगा के घाटों पर दीपों की जगमगाहट और श्रद्धालुओं की आस्था ने एक बार फिर काशी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को जीवंत कर दिया।

गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर बोले मुख्यमंत्री, मानवता, समानता और सेवा का संदेश अपनाने का किया आह्वान

सिख गुरुओं के बलिदान ने भारत की संस्कृति और पहचान को सुरक्षित रखा : योगी आदित्यनाथ

समाज जागरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान ने भारत की संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रीय पहचान को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश और धर्म की रक्षा के लिए सिख गुरुओं ने जो बलिदान दिया, वह भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। उनकी परंपरा ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध खड़े होने का साहस दिया है। मुख्यमंत्री मंगलवार को ऐशबाग रोड स्थित डीएवी पीजी कॉलेज मैदान में श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने सिख समाज को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी ने 'एक ओंकार' का संदेश देकर मानवता, समानता और भाईचारे की राह दिखाई। उनका मानना था कि सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं और प्रत्येक व्यक्ति समान सम्मान का अधिकारी है।



नाम जपो, कीरत करो और वंड छको का दिया संदेश

योगी आदित्यनाथ ने गुरु नानक देव जी के तीन प्रमुख सिद्धांतों 'नाम जपो, कीरत करो और वंड छको' का उल्लेख करते हुए कहा कि ईश्वर का स्मरण, ईमानदारी से मेहनत और अपनी कमाई में दूसरों को भागीदार बनाना ही सार्थक जीवन का आधार है। गुरुद्वारों में संचालित लंगर व्यवस्था इसका जीवंत उदाहरण है, जहां बिना किसी भेदभाव के सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं।

चार साहिबजादों का बलिदान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों का त्याग और बलिदान देश की युवा पीढ़ी को धर्म, राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आवास में पिछले सात वर्षों से 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की परंपरा जारी है।

ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब जाने की जताई इच्छा

योगी आदित्यनाथ ने कामना की कि लखनऊ के श्रद्धालुओं को ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिले। उन्होंने कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली के महत्व का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर सिख समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र, तलवार और गुरु नानक देव जी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख सहित सिख समाज के अनेक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पंजाब में फिर खिला भाजपा-अकाली गठबंधन का फूल, 2027 चुनाव से पहले दो पुराने साथी आए साथ

छह साल बाद फिर मिले पुराने साथी, पंजाब में भाजपा-अकाली दल का गठबंधन

"2027 के विधानसभा चुनाव से पहले दोनों दलों ने मिलाया हाथ, अमित शाह ने किया ऐलान; पीएम मोदी बोले- जनता की पहली पसंद बनेगा गठबंधन"

समाज जागरण संवाददाता

नई दिल्ली। पंजाब की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल ने एक बार फिर गठबंधन का ऐलान कर दिया है। करीब छह साल बाद दोनों पुराने राजनीतिक सहयोगी फिर साथ आए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में इसकी घोषणा की।

अमित शाह ने कहा कि आगामी 2027 का पंजाब विधानसभा चुनाव दोनों दल मिलकर लड़ेंगे।



मोदी बोले- स्वाभाविक गठबंधन है भाजपा-अकाली दल का साथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गठबंधन का स्वागत करते हुए कहा कि शिरोमणि अकाली दल की एनडीए परिवार में वापसी खुशी की बात है। पंजाब और पंजाबियों का कल्याण सर्वोपरि है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा-अकाली दल का स्वाभाविक गठबंधन पंजाब को जनहितैषी शासन और विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। यह गठबंधन जनता की पहली पसंद बनेगा। अमित शाह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने गठबंधन की जानकारी मिलने पर सुखबीर सिंह बादल को फोन कर खुशी जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि अकाली दल के साथ आने से एनडीए पूरा होता है।

अकाली दल अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी के रूप में काम करेगा। उन्होंने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर पुराने सहयोगी की वापसी को खुशी का विषय बताया।

कृषि कानूनों पर टूटा था गठबंधन

गौरतलब है कि भाजपा और अकाली दल का गठबंधन वर्ष 2020 में कृषि कानूनों को लेकर टूट गया था। अब करीब छह साल बाद दोनों दलों की वापसी ने पंजाब की राजनीति में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव में यह गठबंधन आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के सामने कितनी चुनौती पेश करेगा, इस पर राजनीतिक हलकों की नजरें टिकी हैं।

एआई उत्पादों के विकास और कर्मचारियों के कौशल प्रशिक्षण पर जोर, एमएसएमई के लिए साइबर सुरक्षा कार्यक्रम शुरू करने की सिफारिश

बजट 2027-28 में एआई ट्रांसफॉर्मेशन फंड और कर सुधारों की मांग, नैसकॉम ने सरकार को सौंपे सुझाव

समाज जागरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2027-28 से पहले देश के तकनीकी उद्योग ने सरकार के सामने कई अहम सुझाव रखे हैं। आईटी उद्योग के संगठन नैसकॉम ने बजट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा, कर सुधार और रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की मांग की है। संगठन का कहना है कि तेजी से बदलती तकनीक के दौर में भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रखने के लिए नीतिगत सुधार जरूरी हैं।

तीन साल की एआई परिवर्तन योजना का प्रस्ताव

नैसकॉम ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से तीन साल की एआई सेवा परिवर्तन एवं नवाचार योजना शुरू करने का सुझाव दिया है। इसके तहत एआई आधारित उत्पादों और सेवाओं के विकास तथा व्यावसायीकरण को प्रोत्साहन देने की मांग की गई है। साथ ही कंपनियों के कर्मचारियों को नई तकनीकी जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित करने पर जोर दिया गया है।



एमएसएमई की साइबर सुरक्षा मजबूत करने की मांग

संगठन ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए विशेष साइबर सुरक्षा कार्यक्रम शुरू करने की सिफारिश की है। नैसकॉम के अनुसार, छोटी कंपनियां भी वैश्विक तकनीकी कारोबार से जुड़ रही हैं। ऐसे में उनके डिजिटल ढांचे और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना आवश्यक है।

ईएसओपी और कर व्यवस्था में बदलाव का सुझाव

नैसकॉम ने गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में कर्मचारियों को मिलने वाले शेयरों यानी ईएसओपी पर कर भुगतान के नियमों में बदलाव की मांग की है। संगठन चाहता है कि शेयर आवंटित होते ही कर लगाने के बजाय उनकी बिक्री या कंपनी के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने तक कर भुगतान टालने की सुविधा मिले।

इसके अलावा जीसीसी में विदेशी विशेषज्ञों के कराधान को स्पष्ट करने, कॉरपोरेट पुनर्गठन को कर के लिहाज से सरल बनाने और लंबित कर विवादों के शीघ्र निपटारे का सुझाव दिया गया है।

वैश्विक टेक्नोलॉजी केंद्र बने भारत

नैसकॉम का मानना है कि इन सुधारों से देश में एआई नवाचार को गति मिलेगी, नए रोजगार पैदा होंगे और विदेशी निवेश आकर्षित होगा। संगठन ने सरकार से बजट में तकनीकी क्षेत्र को दीर्घकालिक समर्थन देने की अपील की है, ताकि भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर सके।

इश्क, इस्तीफा और 125 करोड़!

ट्रंप ने खुलकर एनवीडिया सीईओ जेन्सेन हुआंग की वापसी का क्रेडिट लिया है. अगले ही दिन, अमेरिकी शेयर बाजार में दिलचस्प कनेक्शन सामने आ गया. फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, हुआंग की वापसी के बाद एनवीडिया के शेयर 30 फीसदी से ज्यादा चढ़े. इससे ट्रंप को उनके संभावित निवेश के आधार पर 11 से 125 करोड़ रुपये तक का फायदा हुआ हो सकता है.

ट्रंप ने खुद हुआंग की वापसी में अपनी भूमिका स्वीकार की है. अब सवाल है कि क्या राष्ट्रपति के सरकारी फैसलों और निजी निवेश के बीच हितों का टकराव है?

विश्व पटल पर भारत की बढ़ती धमक



विश्व पटल पर भारत का दबदबा लगातार बढ़ रहा है, ऐसा आस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित थिंक टैक लोवी इंस्टीट्यूट के के एशिया पावर इंडेक्स- 2026 की रिपोर्ट कह रही है। रिपोर्ट में भारत को प्रमुख शक्ति का दर्जा दिया गया है। भारत को इस सूचकांक में 100 में से 40.5 अंक मिले हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.5 अधिक है। लोवी इंस्टीट्यूट (Lowy Institute) के एशिया पावर इंडेक्स 2026 में भारत तीसरे स्थान पर है, जो अमेरिका और चीन के बाद आता है। जापान 38.6 अंको के साथ चौथे स्थान पर है जबकि रूस 32.2 अंको के साथ पांचवें स्थान पर है । रिपोर्ट के अनुसार भारत ने वर्ष 2026 में आर्थिक और घरेलू चुनौतियों के बाद भी एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाया है। क्षेत्रीय रक्षा सहयोग, कूटनीतिक सक्रियता और सांस्कृतिक पहुँच ने भारत की स्थिति मजबूत करने में सहयोग दिया है।

लोवी इंस्टीट्यूट ह्लएशिया पावर इंडेक्सह्व इस क्षेत्र में देशों की शक्ति और प्रभाव का आकलन करता है। इसमें आर्थिक क्षमता, सैन्य ताकत, लचीलापन, भविष्य के संसाधन, आर्थिक संबंध,रक्षा नेटवर्क, कूटनीतिक प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव जैसे पहलुओं को शामिल किया जाता है। लोवी की रिपोर्ट के अनुसार भारत और चीन के बीच समग्र शक्ति का अंतर 2018 में इस सूचकांक की शुरूआत के बाद सबसे कम स्तर पर पहुँच गया है। चीन की कुल शक्ति अब भी भारत से करीब 80 प्रतिशत अधिक आंकी गई है। भारत की सबसे मजबूत स्थिति भविष्य के संसाधनों के क्षेत्र में रही जहां उसे तीसरा स्थान मिला है इस श्रेणी में भारत को 56.2 अंक प्राप्त हुए। आर्थिक क्षमता में भी भारत तीसरे स्थान पर बना हुआ है रिपोर्ट में भारत के कूटनीतिक प्रभाव को उसकी प्रमुख ताकत बताया गया है इस श्रेणी में भारत को 70.3अंक मिले हैं और यह चौथे स्थान पर है।

रक्षा नेटवर्क के मामले में भारत ने दो अंकों की छलांग लगाई है और नवें स्थान पर पहुंच गया है। दक्षिण -पूर्व एशियाई देशों के साथ बढ़ते रक्षा सहयोग और ब्रह्मोस मिसाइलों की ऐतिहासिक मांग व बिक्री को इस सुधार का प्रमुख कारण बताया गया है। आर्थिक संबंधों के मामलों में भी भारत की स्थिति बेहतर हुई है और इस श्रेणी में भारत दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंचा है। क्षेत्रीय व्यापार और निवेश संबंधों में अपेक्षाकृत स्थिरता ने इसमें योगदान दिया है।

रिपोर्ट में भारत की आर्थिक स्थिति को मिला-जुला बताया गया है और आर्थिक क्षमता का स्कोर थोड़ा घटकर 26.4 अंक रह गया।रिपोर्ट में रुपए की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की अर्थव्यवस्थाओं के आंकलन की पद्धति में बदलाव का असर भारत की सापेक्ष जीडीपी स्थिति पर पड़ा। रिपोर्ट में भारत के सांस्कृतिक प्रभाव में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। संस्कृति सूचना के आदान - प्रदान और लोगों के संपर्क में सुधार हुआ है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि भारत ने क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने की दिशा में प्रगति की है। वैश्विक उथल -पुथल आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे में चुनौतियों के बावजूद रक्षा सहयोग, क्षेत्रीय संबंधों और भविष्य की संभावनाओं ने एशिया में भारत की स्थिति मजबूत की है। रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया का दूसरा सबसे शक्तिशाली व लोकप्रिय नेता बताया गया है जबकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहले स्थान पर कायम हैं।

अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में भारी पराजय के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के स्वर भी भारत के प्रति बदल रहे हैं। कुछ समय पूर्व ही उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को ह्लडेड इकोनामीह्व कहकर भारत का मजाक बनाया था और राहुल गांधी के नेतृत्व वाले विपक्ष ने उसे लपक लिया था। अब ट्रम्प भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए अपनी फेडरल बैंक को भारत से सीखने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि भारत की ब्याज दरें बहुत कम हैं तथा जीडीपी 7 प्रतिशत है।

वर्तमान में वैश्विक उथल- पुथल के भयावह दौर में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थ व्यवस्था बना हुआ है।अप्रैल जून 2026 में भारत की जीडीपी विकास दर 7.8 दर्ज की गई थी। 2014 के बाद भारत में हर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर उन्नति देखने को मिल रही है। वर्तमान समय में वैश्विक अस्थिरता के समय में भी भारत की स्थिति बेहतर हो रही है।

इस रिपोर्ट पर विपक्ष मौन है। जब विश्व के किसी कोने से भारत विरोधी कोई बयान या रिपोर्ट आ जाती है तब भारत का विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सरकार कोसने लगता है किंतु जब भारत के पक्ष में कोई रिपोर्ट आती है तब बगलें झांकने लग जाता है।

प्रेषक - मृत्युंजय दीक्षित

दिल से दुआ निकलती अमन के लिए।

मन भटकता रहा मिलन के लिए,
पंछी ने उड़ान भरी गगन के लिए।

रात भर चाँद से बातें करता रहे,
दिल तरसता रहा इक किरण के लिए।
फूल खिलते रहे राह में मगर,
भँवर भटकता चमन के लिए।

आँख में अश्क, होंठ पर मुस्कान,
दिल जलता रहा अगन के लिए।

उम्र भर धूप में चलते रहे हम,
छाँव ढूँढ़ते रहे अपने वतन के लिए।

लाम पर गया परदेस, युवक गांव का,
दिल से दुआ निकलती अमन के लिए।

संजीव ठाकुर, रायपुर छत्तीसगढ़

जलवायु न्याय के सवाल पर बँटी दुनिया



पृथ्वी का बढ़ता तापमान अब केवल वैज्ञानिकों की चिंता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। क-हीं भीषण गर्मी जनजीवन को प्रभावित कर रही है, कहीं बाढ़ और चक्रवात बस्तियों को उजाड़ रहे हैं तो कहीं सूखे के कारण खेतों में खड़ी फसलें नष्ट हो रही हैं। हिमनदों का पिघलना, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि और मौसम के असामान्य व्यवहार ने दुनिया को चेतावनी दे दी है कि प्रकृति के साथ मनुष्य का असंतुलित व्यवहार अब भारी पड़ने लगा है। ऐसी परिस्थितियों में विश्व के देशों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने मतभेद भुलाकर पृथ्वी को बचाने के लिए साझा रास्ता तैयार करें। लेकिन तुर्किये के अंताल्या में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन का परिणाम बताता है कि पर्यावरण की चिंता और राष्ट्रीय हितों के बीच अभी भी गहरी खाई मौजूद है।

नौ से बीस नवंबर 2026 तक निर्धारित यह सम्मेलन दो दिन अतिरिक्त चलने के बाद 22 नवंबर को समाप्त हुआ। तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में लगभग दो सौ देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दुनिया को उम्मीद थी कि यहां जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कोई ठोस राजनीतिक सहमति बनेगी। विशेष रूप से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने, विकासशील देशों को आर्थिक सहायता देने और तापमान वृद्धि को सीमित रखने के उपायों पर महत्वपूर्ण निर्णय होने की संभावना थी। लेकिन अंतिम क्षणों में देशों के बीच मतभेद इतने गहरे हो गए कि सम्मेलन की मुख्य राजनीतिक घोषणा पर सहमति नहीं बन सकी। इसे अंताल्या समझौते का नाम दिया गया था, लेकिन यह घोषणा स्वीकृत नहीं हो पाई।

इस गतिरोध का सबसे बड़ा कारण कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के भविष्य को लेकर देशों के अलग-अलग दृष्टिकोण थे। इन ईंधनों के जलने से बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जित होता है, जो पृथ्वी के तापमान में वृद्धि का प्रमुख कारण है। वर्ष 2023 में दुबई में आयोजित जलवायु सम्मेलन में देशों ने ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधनों से न्यायपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से दूर जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। अंताल्या में अपेक्षा थी कि उस प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए व्यावहारिक दिशा और समयबद्ध प्रयासों पर सहमति बनेगी।

शुरूआती मसौदे में जीवाश्म ईंधनों से दूरी बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराने की बात शामिल थी। लेकिन बाद के मसौदों में इस भाषा को कमजोर किया गया और अंतिम प्रस्ताव से जीवाश्म ईंधन का उल्लेख ही हटा दिया गया। इसके स्थान पर कार्बन को पकड़कर सुरक्षित रखने वाली तकनीकों को अधिक महत्व दिया गया। यही बदलाव विवाद का केंद्र बन गया। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, नॉर्वे, पनामा और कई छोटे द्वीपीय देशों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि जिस समझौते में जलवायु संकट के प्रमुख कारण का उल्लेख तक नहीं है, वह पृथ्वी को बचाने की दिशा में विश्वसनीय कदम नहीं हो सकता।

दूसरी ओर, जीवाश्म ईंधन उत्पादक देशों और अनेक विकासशील देशों की चिंताएं अलग थीं। उनका तर्क था कि ऊर्जा परिवर्तन की प्रक्रिया प्रत्येक देश की आर्थिक स्थिति, संसाधनों और विकास की जरूरतों के अनुसार तय होनी चाहिए। विकासशील देशों के लिए बिजली, उद्योग, परिवहन और रोजगार का विस्तार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि उन्हें पर्याप्त आर्थिक सहायता और आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराए बिना जीवाश्म ईंधन का उपयोग अचानक कम करने के लिए बाध्य किया जाता है, तो इसका सबसे अधिक असर गरीब आबादी पर पड़ेगा। सऊदी अरब और रूस जैसे देशों ने जीवाश्म ईंधन के विरुद्ध कठोर भाषा का विरोध किया। इस प्रकार सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा सु रक्षा और आर्थिक विकास का प्रश्न भी प्रमुख बन गया।

इस पूरे विवाद में भारत का पक्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए यह स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर विकासशील देशों के विकास के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। भारत का आग्रह था कि विकसित देशों को अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। औद्योगिक विकास के लंबे दौर में उन्होंने वातावरण में बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जित किया है। आज जब विकासशील देश अपनी आबादी को बिजली, रोजगार, परिवहन और बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे हैं, तब उन पर समान शर्तें थोपना न्यायसंगत नहीं होगा।

भारत ने समान लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर दिया। इसका आशय है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी सभी देशों की है, लेकिन उनकी ऐतिहासिक भूमिका और आर्थिक क्षमताओं के अनुसार दायित्व अलग-अलग होने चाहिए। भारत की ओर से वार्ता में यह सवाल भी उठाया गया कि जब दुनिया तापमान वृद्धि की सीमा पार करने के खतरे का सामना कर रही है, तब यह भी तय होना चाहिए कि वातावरण में जमा कार्बन के लिए ऐतिहासिक रूप से कौन अधिक जिम्मेदार रहा है और भविष्य के परिवर्तन का आर्थिक भार कौन उठाएगा।

जलवायु वित्त का प्रश्न भी सम्मेलन में विवाद का बड़ा कारण बना। विकासशील देशों को समुद्र के बढ़ते जलस्तर, सूखे, बाढ़, चक्रवात और कृषि संकट से निपटने के लिए बड़ी धनराशि की आवश्यकता है। उन्हें ऐसी तकनीक और संसाधन चाहिए जिनसे वे अपने शहरों, गांवों, कृषि व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं को जलवायु के अनुकूल बना सकें। लेकिन आर्थिक सहायता के वादों और वास्तविक उपलब्धता के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। भारत सहित अनेक देशों ने चिंता जताई कि विकसित देश पर्याप्त और सुनिश्चित आर्थिक सहायता देने के प्रश्न पर गंभीर बातचीत से पीछे हट रहे हैं। केवल उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य निर्धारित कर देना पर्याप्त नहीं है। उन लक्ष्यों को पूरा करने के साधन भी उपलब्ध कराने होंगे।

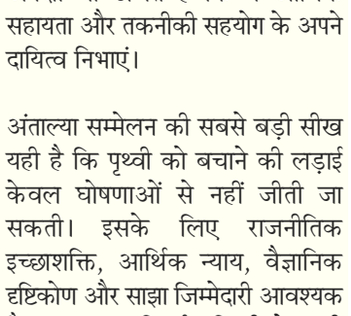
चीन ने भी सम्मेलन के परिणाम पर निराशा व्यक्त की, लेकिन बहुपक्षीय सहयोग जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इससे स्पष्ट हुआ कि विकासशील देशों की चिंताएं केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। हालांकि सभी देशों के हित और प्राथमिकताएं समान नहीं हैं, फिर भी ऐतिहासिक जिम्मेदारी, आर्थिक सहायता और न्यायपूर्ण ऊर्जा परिवर्तन जैसे प्रश्नों पर उनकी चिंताओं में समानता दिखाई देती है।

यह कहना उचित नहीं होगा कि अंताल्या सम्मेलन पूरी तरह निष्फल रहा। मुख्य राजनीतिक घोषणा पर सहमति नहीं बन सकी, लेकिन न्यायपूर्ण परिवर्तन, अनुकूलन और जलवायु वित्त से जुड़े कुछ अलग निर्णय हुए। इन निर्णयों के माध्यम से प्रभावित समुदायों, श्रमिकों और विकासशील देशों की जरूरतों पर आगे काम करने का रास्ता बना रहा। फिर भी इन प्रयासों को मुख्य राजनीतिक गतिरोध की भरपाई नहीं माना जा सकता। जब तक जीवाश्म ईंधनों से दूरी, आर्थिक सहायता और जिम्मेदारियों के बंटवारे पर स्पष्ट सहमति नहीं बनती, तब तक वैश्विक जलवायु प्रयास अधूरे रहेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने सम्मेलन के परिणाम पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ता कक्ष में सहमति नहीं बन पाने के बावजूद विज्ञान के निष्कर्षों में कोई अस्पष्टता नहीं है। उनका संदेश था कि जलवायु संकट किसी राजनीतिक समझौते की प्रतीक्षा नहीं करेगा। पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसके प्रभाव पहले से अधिक गंभीर होते जा रहे हैं।

अंताल्या का घटनाक्रम दुनिया के सामने एक बुनियादी सवाल छोड़ गया है। क्या आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी मानकर ही आगे बढ़ा जाएगा, या इनके बीच न्यायपूर्ण संतुलन स्थापित किया जा सकता है? भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां बड़ी आबादी की ऊर्जा आवश्यकताएं, कृषि, उद्योग और रोजगार की चुनौतियां एक साथ मौजूद हैं। हमें स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार, सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग, सार्वजनिक परिवहन तथा ऊर्जा दक्षता पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही विकसित देशों से यह अपेक्षा भी उचित है कि वे आर्थिक सहायता और तकनीकी सहयोग के अपने दायित्व निभाएं।

अंताल्या सम्मेलन की सबसे बड़ी सीख यही है कि पृथ्वी को बचाने की लड़ाई केवल घोषणाओं से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, आर्थिक न्याय, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और साझा जिम्मेदारी आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन किसी देश की सीमा, भाषा, धर्म या राजनीतिक विचारधारा को पहचानकर अपना प्रभाव नहीं डालता। इसका संकट पूरी मानवता का संकट है। इसलिए समाधान भी पूरी मानवता की साझी कोशिश से ही निकलेगा। यदि शक्तिशाली देश अपने आर्थिक हितों को सर्वोपरि रखते रहे और कमजोर देशों की आवाज अनसुनी होती रही, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। पृथ्वी किसी एक देश की संपत्ति नहीं, बल्कि हम सबकी साझा विरासत है। इसे सुरक्षित रखना केवल सरकारों का दायित्व नहीं, बल्कि वर्तमान पीढ़ी का भविष्य के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है।



महेन्द्र तिवारी

तरक्की के तमाशे में प्यासे नागरिकों का भविष्य नीलाम

[शहरी महत्वाकांक्षाओं ने निगल लिया जल का भविष्य]

[नलों में सन्नाटा, टैंकरों में कारोबार और विकास के दावे]

शहर में एक नई उपलब्धि दर्ज हुई है। सड़कें चौड़ी हो गई हैं, इमारतें ऊँची हो गई हैं, बाजार जगमगा रहे हैं और विकास के विज्ञापनों में शहर की तस्वीर पहले से खूबसूरत दिखाई देने लगी है। बस एक छोटी-सी कमी रह गई है—नलों में पानी नहीं आता। नगर निगम ने शायद इसे भी विकास का हिस्सा मान लिया है। नागरिकों को अब सुबह नल खोलने के बजाय टैंकर का इंतजार करना चाहिए, बाल्टियाँ संभालनी चाहिए और गर्व करना चाहिए कि वे एक विकसित शहर में रहते हैं। विडंबना यह है कि हमने ऐसे शहर बना लिए हैं, जहाँ आलीशान मकान हैं, गाड़ियों के लिए पार्किंग है, मनोरंजन के लिए मॉल हैं, लेकिन जीवन की बुनियादी जरूरत पानी की कोई गारंटी नहीं। विकास की परिभाषा लिखने वालों से सवाल है कि क्या प्यासे नागरिक भी स्मार्ट सिटी की पहचान होते हैं?

भारत के शहरों में जल संकट अब गर्मियों की अस्थायी परेशानी नहीं, बल्कि शहरी नियोजन की गंभीर विफलता बन चुका है। बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली और हैदराबाद सहित अनेक शहर इसका सामना कर रहे हैं। कहीं भूजल स्तर गिर रहा है, कहीं जलाशय सि-ाकुड़ रहे हैं और कहीं नदियों का पानी प्रदूषण के कारण उपयोग योग्य नहीं बचा। आबादी बढ़ने का अनुमान तो लगाया गया, लेकिन उसके अनुरूप जल संसाधनों की व्यवस्था नहीं हुई। नई कॉलोनियाँ बसाने, औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने और ऊँची इमारतें खड़ी करने में जितनी तत्परता दिखाई गई, उतनी पानी के इंतजाम में नहीं। लगता है विकास की योजनाओं में पानी को ऐसा विषय मान लिया गया है, जो उद्घाटन के बाद अपने आप उपलब्ध हो जाएगा। लेकिन प्रकृति सरकारी फाइल नहीं है कि आदेश जारी होते ही अपनी स्थिति बदल ले।

इस संकट ने पानी के इर्द-गिर्द एक नया आर्थिक वर्ग भी खड़ा कर दिया है। एक तरफ वे लोग हैं जिनके घरों में पानी की कमी का अर्थ केवल आरओ का फिल्टर बदलवाना है, दूसरी तरफ वे परिवार हैं जिनकी सुबह बाल्टियों और डिब्बों के हिसाब से शुरू होती है। किसी के बगीचे की हरियाली बचाने के लिए पानी उपलब्ध है, तो किसी के घर में पीने के पानी का इंतजाम मुश्किल है। निजी टैंकरों का कारोबार इसी असमानता का उ-दाहरण है। पानी अब केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, कमाई का अवसर भी बनता जा रहा है। जिसके पास पैसा है, उसके दर-वाजे पर टैंकर पहुँच जाता है; जिसके पास नहीं, वह सरकारी नल की कृपा पर निर्भर रहता है। सवाल है कि जीवन की अनिवार्य जरूरत बाजार में खरीदने की क्षमता से क्यों तय होने लगी है?

शहरों की इस प्यास के पीछे विकास की हमारी समझ भी जिम्मेदार है। हमने तालाबों को अतिक्रमण के लिए खाली जमीन, नालों को कचरा फेंकने की जगह और खुले मैदानों को कंक्रीट से ढकने योग्य भूखंड समझ लिया। बारिश आती है तो शहर डूब जाते हैं और बारिश गुजरती है तो वही शहर पानी के लिए तरसते हैं। प्रकृति पानी देती है, लेकिन हमने उसके ठहरने की जगह छीन ली। कभी जिन तालाबों और बावड़ियों से शहरों की प्यास बुझती थी, उनमें से कई आज अतिक्रमण, कचरे और उपेक्षा के नीचे दबे हैं। बारिश का पानी सड़कों से बहकर नालों में चला जाता है और कुछ महीनों बाद उसी पानी के लिए टैंकरों की कतार लगती है। इससे बड़ा नियोजन संबंधी मजाक क्या होगा कि जिस शहर में पानी बरसता है, वहीं पानी की किल्लत बनी रहती है!

भूजल के साथ हमारा व्यवहार उस कर्जदार जैसा है, जो मूलधन की चिंता किए बिना लगातार उधार ले रहा हो। हर नई इमारत के साथ बोरवेल, हर नए परिसर के साथ पानी खींचने की व्यवस्था और हर संकट के साथ पहले से ज्यादा गहरा बोरवेल। जमीन के नीचे जमा पानी को हमने ऐसा संसाधन मान लिया है, जिसका कोई अंत नहीं। केंद्रीय भूजल बोर्ड के आकलन भी देश के अनेक क्षेत्रों में भूजल दोहन और पुनर्भरण के बीच गंभीर असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। हम धरती से पानी निकालते जा रहे हैं, लेकिन उसे लौटाने की जिम्मेदारी से बचते हैं। यह कैसी विकासशील मानसिकता है, जो आने वाली पीढ़ियों के हिस्से का पानी आज ही खर्च कर रही है? शायद हम उन्हें ऐसे शहरों की विरासत देना चाहते हैं, जहाँ रहने के लिए मकान तो होंगे, मगर प्यास बुझाने के लिए पानी नहीं।

सरकारी स्तर पर जल संरक्षण के नारे, अभियान और योजनाएँ कम नहीं हैं। वर्षा जल संचयन, अमृत सरोवर, जल शक्ति अभियान और नदियों के पुनर्जीवन जैसी पहलें महत्वपूर्ण हैं। लेकिन सवाल योजनाओं की संख्या का नहीं, उनके परिणामों का है। कितने शहरों ने पुराने जलस्रोतों को अतिक्रमण से मुक्त कराया? कितनी इमारतों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था वास्तव में काम कर रही है? कितने स्थानीय निकाय भूजल पुनर्भरण और पानी की बबार्दी रोकने की निगरानी करते हैं? केवल जागरूकता अभियान से जल संकट हल नहीं होगा। नागरिकों को जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाने वाली व्यवस्था को भी अपनी जवाबदेही तय करनी होगी। जल संरक्षण भाषणों का विषय नहीं, शासन की प्राथमिकता और प्रशासनिक ईमानदारी की कसौटी होना चाहिए।

जल संकट का प्रभाव घरों के नलों तक सीमित नहीं है। इसका सीधा असर खेती, उद्योग, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। शहरों की बढ़ती पानी की मांग आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और कृषि संसाधनों पर दबाव डालती है। उद्योगों को पानी चाहिए, किसानों को सिंचाई और अस्पतालों तथा विद्यालयों को स्वच्छ जल। जब जरूरतें बढ़ती हैं और पानी कम पड़ता है, तब सबसे कमजोर वर्ग को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। जलवायु परिवर्तन, अनियमित मानसून और बढ़ता तापमान इस संकट को और गंभीर बना रहे हैं। इसलिए जल प्रबंधन को केवल नगर निगम की जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं। यह राष्ट्रीय विकास नीति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय से जुड़ा प्रश्न है।

अब समय है कि विकास की सफलता मापने के पैमाने बदले जाएँ। कितने फ्लाईओवर बने, कितने मॉल खुले और कितनी ऊँची इमारतें खड़ी हुईं, इसके साथ यह भी पूछा जाए कि कितने तालाब पुनर्जीवित हुए, कितना वर्षा जल संरक्षित हुआ, भूजल स्तर में कितना सुधार आया और कितने नागरिकों को नियमित स्वच्छ पानी मिल रहा है। जलस्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, उपचारित पानी का पुनः उपयोग, पाइपलाइन से होने वाली बबार्दी पर रोक और भूजल पुनर्भरण शहरी नीतियों का अनिवार्य हिस्सा बनने चाहिए। नई निर्माण परियोजनाओं की अनुमति भी पानी की उपलब्धता और पर्यावरणीय क्षमता को ध्यान में रखकर दी जानी चाहिए।

आखिर किसी शहर की तरक्की उसकी इमारतों की ऊँचाई से नहीं, नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता से तय होती है। जिस शहर में प्यास बुझाने के लिए लोगों को रोज संघर्ष करना पड़े, वहाँ विकास के बड़े-बड़े दावे अपनी चमक खो देते हैं। हमें तय करना होगा कि शहर पानी की उपलब्धता के अनुसार बसेंगे या पानी को अपनी मनमानी के अनुसार चलाने की कोशिश करेंगे। क्योंकि पानी के बिना विकास का हर मॉडल अधूरा है। इतिहास शायद हमारी इमारतें याद रखे, लेकिन आने वाली पीढ़ियाँ जरूर पूछेंगी कि जब पानी बचाने का अवसर था, तब हमने तालाबों की जगह इमारतें और जलस्रोतों की जगह कंक्रीट क्यों चुना?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे। न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

दादरी में पुलिस मुठभेड़, पैर में गोली लगने से शातिर बदमाश घायल

नौ मोबाइल, पांच चोरी की मोटरसाइकिल, तमंचा और चांदी जैसे धातु के दो सिक्के बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। दादरी थाना पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश के कब्जे से चोरी और झपटमारी के नौ मोबाइल फोन, दो सफेद धातु के सिक्के तथा अवैध तमंचा बरामद किया है। उसकी निशानदेही पर चोरी की चार अन्य मोटरसाइकिल भी बरामद की गई हैं।

पुलिस के अनुसार, 23 नवंबर को बौड़ाकी कट के पास चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा किया गया। दोनों भागने लगे। पीछा करने पर फोरमी कंपनी गोलचक्कर के पास उनकी मोटरसाइकिल झाड़ियों



में फंस गई। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में लोकेश पुत्र रामकुमार निवासी खवासपुर, थाना चोला, बुलंदशहर के पैर में गोली लगी।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपने साथियों के साथ ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग स्थानों से राहगीरों के मोबाइल छीनता था। सेक्टर जू-3 के ए ब्लॉक में बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना में भी उसकी संलिप्तता बताई गई है। पुलिस फरार साथी की तलाश और अन्य घटनाओं की जांच कर रही है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए विशेष अभियान तेज करें अधिकारी : नवदीप रिणवा

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने गौतमबुद्धनगर में की समीक्षा, युवा और महिला मतदाताओं के पंजीकरण पर विशेष जोर

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत मतदाता पंजीकरण अभियान को गति देने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने मंगलवार को नोएडा में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सेक्टर-27 स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि 18 और 19 वर्ष के युवाओं तथा पहली बार मतदाता



बनने वाले नागरिकों पर विशेष ध्यान दिया जाए। महिलाओं के पंजीकरण के लिए आशा, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, एएनएम और सखी समूहों का सहयोग लिया जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ऑनलाइन प्राप्त फॉर्म-6 का शीघ्र निस्तारण करने और किसी भी एईआरओ के लॉगिन पर आवेदन एक दिन से अधिक लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवेदन प्राप्त होते ही संबंधित बूथ लेवल अधिकारी को भेजा जाए और स्थलीय सत्यापन के बाद समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष कैंप आयोजित करने और इलेक्टोरल लिटरेसी क्लबों को सक्रिय करने पर भी जोर दिया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत कुमार सिंह सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

जेवर में चिकित्सा उपकरण इकाई लगाएगी रूसी कंपनी फार्मस्टैंडर्ड

प्रस्तावित परियोजना के लिए यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में भूखंड का किया निरीक्षण, निवेश की संभावनाएं तलाशी

समाज जागरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। रूस की प्रमुख दवा कंपनियों में शामिल फार्मस्टैंडर्ड जेएससी के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नजदीक यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तावित चिकित्सा उपकरण निर्माण इकाई के लिए भूखंड की उपयुक्तता का प्रारंभिक आकलन किया।

इससे पहले 23 नवंबर को



प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश शासन, पुलिस और इन्वेस्ट यूपी के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। बैठक में प्रस्तावित परियोजना और प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को प्रदेश सरकार की नीतियों के अनुरूप परियोजना के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में फार्मस्टैंडर्ड और टीजेडएमओआई के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

29 नवंबर को फलैदा कट पर किसानों की महापंचायत, नोएडा से जुटेंगे किसान

आबादी, 10 प्रतिशत भूखंड और यमुना प्राधिकरण की समस्याओं को लेकर आंदोलन तेज करने की तैयारी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति ने 29 नवंबर को जेवर के फलैदा कट पर प्रस्तावित महापंचायत की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में नोएडा महानगर कार्यालय पर संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जेवर क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा हुई।

संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि आबादी, 10 प्रतिशत भूखंड,



यमुना एक्सप्रेसवे के आवासीय प्लॉट और यमुना प्राधिकरण से जुड़ी समस्याओं को लेकर पिछले 17 माह से अनिश्चितकालीन धरना जारी है। किसानों की मांगों पर सुनवाई नहीं होने से उनमें नाराजगी है।

राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान ने कहा कि जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि नोएडा महानगर से बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता महापंचायत में पहुंचेंगे।



कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया सतेंद्र शर्मा और यतेन्द्र शर्मा का जन्मदिन

सेक्टर-2 कार्यालय पर केक काटकर दी शुभकामनाएं, संगठन की मजबूती का लिया संकल्प

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-2 स्थित कांग्रेस कार्यालय पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्टेट कोऑर्डिनेटर सतेंद्र शर्मा और प्रदेश सदस्य यतेन्द्र शर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महानगर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने सतेंद्र शर्मा को पगड़ी पहनाकर और फूल-मालाओं से सम्मानित किया। केक काटकर दोनों नेताओं को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं।

महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव सहित उपस्थित नेताओं ने संगठन के प्रति



उनके योगदान और सक्रियता की सराहना की। सतेंद्र शर्मा ने सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना और संगठन को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में लियाकत चौधरी, कुलदीप शर्मा, दयाशंकर पांडेय, प्रताप चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अलख पांडेय ने पूरी की जनगणना-2027 की स्व-गणना प्रक्रिया

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। जनगणना-2027 को लेकर नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से प्रसिद्ध शिक्षक, यूट्यूबर और एडटेक कंपनी फिजिक्स वाला के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलख पांडेय ने स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की। यह प्रक्रिया 23 नवंबर 2026 को नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रीति जायसवाल की मौजूदगी में उनके कार्यालय में संपन्न हुई। स्व-गणना पूरी करने के बाद अलख पांडेय ने अपने संबोधन में नोएडा के सभी नागरिकों से जनगणना में पंजीकरण कराने और इस राष्ट्रीय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

कार्तिक पूर्णिमा पर 200 श्रद्धालुओं को कराया गंगा स्नान

मुकेश शर्मा की पहल पर नोएडा से गढ़मुक्तेश्वर के लिए रवाना हुईं चार निःशुल्क बसें

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं उद्यमी मुकेश शर्मा के सौजन्य से नोएडा से गढ़मुक्तेश्वर के लिए निःशुल्क बस यात्रा आयोजित की गई। मंगलवार सुबह चार बसों में करीब 200 श्रद्धालुओं को गढ़मुक्तेश्वर के लिए रवाना किया गया। श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर स्नान कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

इस बस सेवा का लाभ मामूरा, गढ़ी



चौखंडी, गेझा, हाजीपुर, मोरना और असगरपुर सहित आसपास के गांवों के लोगों को मिला। आयोजक मुकेश शर्मा ने कहा कि आर्थिक स्थिति अथवा परिवहन की व्यवस्था नहीं होने के कारण कोई भी व्यक्ति धार्मिक आयोजनों में शामिल होने से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य से यह पहल की गई है।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों से प्रत्येक शुक्रवार नोएडा से खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए भी निःशुल्क बस सेवा संचालित की जा रही है।

टीएमयू की नर्सिंग छात्राओं ने गांवों में जगाई स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण की अलख

सिबौरा में जल संरक्षण और वृक्षारोपण का बताया महत्व, शाहपुरा में नुक्कड़ नाटक से मधुमेह के प्रति किया जागरूक

समाज जागरण संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य एवं जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अमरोहा जिले के सिबौरा और शाहपुरा गांवों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान नुक्कड़ नाटक, पोस्टर गतिविधियों और संवाद के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं, स्कूली बच्चों तथा अन्य लोगों को महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग के कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग विभाग की ओर से आयोजित इस अभियान में पर्यावरण संरक्षण, नवजात शिशु की देखभाल और मधुमेह से बचाव को प्रमुख विषय बनाया गया। कार्यक्रम फैकल्टी ऑफ नर्सिंग की डीन प्रो. एसपी सुभाषिनी, प्रधानाचार्या प्रो. जेसलीन एम., उपप्रधानाचार्य प्रो. रामनिवास और विभागाध्यक्ष डॉ. रामकुमार गर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए।



बच्चों को बताया पर्यावरण संरक्षण का महत्व

सिबौरा गांव के कंपोजिट स्कूल में छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक और पोस्टर गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण का महत्व समझाया। उन्होंने वायु, जल और भूमि प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से होने वाले नुकसान बताए। इसके साथ ही जल संरक्षण और अधिक से अधिक पौधे लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। छात्राओं ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

नवजात शिशु की देखभाल के बताए तरीके

इसी गांव में आयोजित नवजात शिशु देखभाल जागरूकता कार्यक्रम में एएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं और एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने ग्रामीण महिलाओं को शिशु के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा से जुड़ी जानकारियां दीं। छात्राओं ने जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू कराने, मां के पहले गाढ़े दूध कोलोस्ट्रम का महत्व और छह माह तक केवल स्तनपान कराने की सलाह दी।

उन्होंने शिशु को गर्माहट देने, स्वच्छता बनाए रखने, नाभि की देखभाल, समय पर टीकाकरण और संक्रमण से बचाव के उपाय भी बताए। साथ ही नवजात में सांस लेने में कठिनाई, तेज बुखार, दूध पीने में परेशानी और अत्यधिक सुस्ती जैसे खतरे के लक्षणों की पहचान कर समय पर अस्पताल पहुंचने की जानकारी दी।

मधुमेह के लक्षणों से कराया परिचित

अमरोहा के शाहपुरा गांव में एएनएम द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मधुमेह के कारणों, लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, अधिक भूख लगना, थकान और अचानक वजन कम होने जैसे लक्षणों के बारे में बताया। छात्राओं ने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित भोजन, व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। नवजात देखभाल कार्यक्रम में क्रिस्टिना आर. सिंह, ट्रेसा मसीह तथा छात्राएं मीनू पाल, मीनू, अंकी, अंशु, गायत्री, निधि शर्मा, मीनाक्षी, मोहिनी, मोनिका और मतिसाख्यिया मौजूद रहीं। मधुमेह जागरूकता कार्यक्रम में पायल सिंह और उज्मा खानम ने सहभागिता की।

साकीपुर में राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन, 100 से अधिक लोगों ने लिया भाग

वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन के विवेकानंद प्रतिभा विकास केंद्र में वैदिक मंत्रोच्चार और संस्कार कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को साकीपुर स्थित विवेकानंद प्रतिभा विकास केंद्र में राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन किया गया। केंद्र संरक्षक लेखपाल भाटी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में 100 से अधिक अभिभावकों, समिति सदस्यों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में भारतीय संस्कृति, वैदिक परंपराओं तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र संचालिका भारती ने संस्कार पक्ष संपन्न कराया। उन्होंने उपस्थित बालकों और प्रतिभागियों को ब्रह्मनाद, गायत्री मंत्र,



महामृत्युंजय मंत्र, पुरुषार्थ जागरण मंत्र, त्रिदेव नवग्रह स्तुति मंत्र, भारत वंदन मंत्र और सरस्वती मंत्र का उच्चारण कराया। इसके साथ ही प्राणायाम और आसन का अभ्यास भी कराया गया।

इस अवसर पर पूर्वी संभाग प्रमुख भारत जी ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि सनातनी संस्कारों को केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में भी आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आस्थाओं पर अडिग रहने तथा आने वाली पीढ़ी को भारतीय परंपराओं से जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में साकीपुर गांव सहित आसपास के अन्य गांवों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने फाउंडेशन की गतिविधियों में आगे भी सहयोग देने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

राष्ट्र रक्षा यज्ञ में दुली चंद नागर, शिव नरेश पांडे, राजेंद्र सोनी, नरवीर बिष्ट, प्रोफेसर विवेक कुमार, डॉ. नीरज कौशिक और राजकुमार चौरसिया सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मेरठ के होटल में युवती को बंधक बनाने का आरोप, भागने पर बीच बाजार पकड़ा

राहगीरों के हस्तक्षेप से युवती को छुड़ाया गया, पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी के फरार होने का दावा

समाज जागरण संवाददाता

मेरठ। शहर के एक पॉश बाजार स्थित होटल में गाजियाबाद की एक युवती को कथित तौर पर बंधक बनाकर रखने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती को होटल में लाने वाले सलमान को बिना पहचान पत्र दिखाए कमरा उपलब्ध कराया गया था।

बताया गया है कि युवती ने होटल से निकलकर भागने की कोशिश की तो सलमान ने उसे बीच बाजार में दौड़ाकर पकड़ लिया। आरोप है कि वह युवती को जबरन उठाकर दोबारा होटल ले जाने लगा। इस दौरान मौके पर मौजूद राहगीरों ने हस्तक्षेप किया और युवती को उसके चंगुल से छुड़ाया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस के पहुंचने से पहले ही होटल स्वामी और प्रबंधक द्वारा आरोपी



सलमान को होटल से फरार करा दिए जाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उधर, घटना के बाद हिंदूवादी संगठनों ने आरोपी की गिरफ्तारी और उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। कुछ संगठनों ने आरोपी का मुठभेड़ में सफाया करने की मांग भी उठाई है।

फिलहाल मामले में युवती के बयान, होटल के अभिलेख और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच महत्वपूर्ण होगी। पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही घटना के सभी पहलुओं की पुष्टि हो सकेगी।

योगी प्रवीण आर्य ने वैदिक यज्ञ के साथ मनाया 69वां जन्मदिन

व्यापारियों ने शाल, पीतवस्त्र और मोतीमाला पहनाकर किया सम्मानित, गौसेवा कर गुरुकुल के ब्रह्मचारियों को बांटे फल

समाज जागरण संवाददाता

गाजियाबाद। केंद्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष योगी प्रवीण आर्य ने अपना 69वां जन्मदिन वैदिक परंपराओं और सादगी के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने अपने निवास पर सपरिवार वैदिक यज्ञ का आयोजन किया। यज्ञ में दैनिक अग्निहोत्र के मंत्रों के साथ दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य और बुद्धि की प्राप्ति के लिए विशेष वैदिक मंत्रों से आहुतियां अर्पित की गईं।

इसके बाद योगी प्रवीण आर्य शंभु दयाल वैदिक संन्यास आश्रम, दयानंद नगर पहुंचे। यहां उन्होंने गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाकर गौसेवा की और गुरुकुल के ब्रह्मचारियों को फल वितरित किए।

इस अवसर पर घंटाघर स्थित सब्जी मंडी मार्केट के प्रिंस कुर्ती कलेक्शन में व्यापारियों ने उनका स्वागत किया। व्यापारियों ने उन्हें शाल और पीतवस्त्र ओढ़ाकर तथा मोतीमाला पहनाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना की।

प्रातःकाल संत निवास, नेहरू नगर में योगाभ्यास के बाद योग शिक्षिकाओं वीना वोहरा, वीनस गुप्ता, सुमन बंसल और विभा भारद्वाज ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर योगी प्रवीण आर्य ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि बीते वर्ष के कार्यों का मूल्यांकन करने और जीवन में अच्छे संकल्प लेने का दिन भी है। प्रत्येक व्यक्ति को दुगुणों का त्याग कर विद्या, स्वास्थ्य, माता-पिता की सेवा और परोपकार के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम में व्यापारी नेता प्रमोद गुप्ता, समाजसेवी प्रवीण बत्रा, मनोज गुप्ता, डॉ. प्रमोद सक्सेना, योगाचार्य नेतराम, संजय खंडेलवाल, चौधरी मंगल सिंह, सुभाष शर्मा, त्रिपेश गौतम, अशोक खुराना, अशोक मदान, संजय कटारिया, मुकेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अमेठी में 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते कानूनगो गिरफ्तार

समाज जागरण संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन टीम ने एक कानूनगो को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी कानूनगो की पहचान संतराम के रूप में हुई है। वह मुसाफिरखाना तहसील में तैनात था।

जानकारी के अनुसार, कानूनगो पर आरोप है कि उसने जमीन की पैमाइश करने के बदले एक किसान से रिश्वत की मांग की थी। 65 वर्षीय किसान अयोध्या प्रसाद ने रिश्वत मांगे जाने की शिकायत एंटी करप्शन हेल्पलाइन पर दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने कानूनगो को 10 हजार रुपये लेते हुए पकड़ लिया। इस कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। जमीन की पैमाइश, दाखिल-खारिज और अन्य राजस्व संबंधी कार्यों में रिश्वत मांगने की शिकायतें अक्सर सामने आती रहती हैं। हालांकि, किसी पूरे विभाग को भ्रष्टाचार में सबसे ऊपर बताने के लिए आधिकारिक आंकड़ों की आवश्यकता होगी।

मेडिकल कॉलेज में मतदाता जागरूकता एवं स्वगणना अभियान पर हुआ संवाद

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने छात्र-छात्राओं को मतदान के अधिकार और स्वगणना के महत्व की दी जानकारी।

समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद । स्थानीय मेडिकल कॉलेज में मतदाता जागरूकता एवं स्वगणना अभियान को लेकर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शिक्षकों (संकाय सदस्यों) एवं छात्र-छात्राओं से संवाद कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने और आगामी जनगणना अभियान के तहत स्वगणना अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता पर निर्भर करती है। मतदान प्रत्येक पात्र नागरिक का महत्वपूर्ण अधिकार है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराना चाहिए। जिन छात्र-छात्राओं का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। जिलाधिकारी ने प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर के रूप में जनगणना



की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जनगणना देश की भावी नीतियों एवं विकास योजनाओं का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने स्वगणना की प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि नागरिक ऑनलाइन माध्यम से अपनी गणना स्वयं कर सकते हैं तथा प्राप्त यूनिक आईडी को सुरक्षित रख सकते हैं। प्रगणक के घर पहुंचने पर यह आईडी उपलब्ध कराने से आंकड़ों के मिलान एवं सत्यापन की प्रक्रिया आसान होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान एकत्रित की जाने वाली जानकारी पूर्णतः गोपनीय एवं सुरक्षित रखी जाती है। इसका उपयोग किसी भी प्रकार के कानूनी साक्ष्य अथवा प्रमाण के रूप में नहीं किया जाता। इसलिए सभी नागरिक बिना किसी संकोच के सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने के साथ अपने परिवार और समाज के लोगों को भी मतदान एवं स्वगणना अभियान के प्रति जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दुबई के अंतरराष्ट्रीय फूड सेफ्टी सम्मेलन में फिरोजाबाद का बढ़ा मान, चन्दन पाण्डेय ने दी महत्वपूर्ण प्रस्तुति

विश्व के 103 विशेषज्ञों ने लिया हिस्सा, शिकोहाबाद से जुड़े तीन विशेषज्ञों की भी रही सहभागिता

समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जनपद फिरोजाबाद के लिए गौरव की बात है कि सहायक आयुक्त (खाद्य)-2 चन्दन पाण्डेय ने दुबई में आयोजित 20वें अंतरराष्ट्रीय फूड सेफ्टी कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग कर भारत की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था और उसे वैश्विक स्तर पर और प्रभावी बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। 16 से 18 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विश्व के विभिन्न देशों के 103 विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में चन्दन पाण्डेय को ऑनलाइन प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने 'भारत की फूड सेफ्टी को विश्व स्तरीय कैसे बनाया जाए' विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने, आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग, नवाचारों को बढ़ावा देने तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्य करने पर विशेष जोर दिया। उनकी प्रस्तुति में ब्राजील, मिस्त्र, लेबनान और कतर सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने रुचि दिखाई



और भारतीय खाद्य सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े अनुभवों की सराहना की।

इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी फिरोजाबाद संतोष कुमार शर्मा ने चन्दन पाण्डेय की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त अनुभवों का उपयोग स्थानीय समस्याओं के समाधान और नए नवाचार विकसित करने में किया जाना चाहिए। इससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। सम्मेलन में शिकोहाबाद से पुराना संबंध रखने वाले विश्वविख्यात फूड सेफ्टी विशेषज्ञ बॉवीकृष्णा भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। वह वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नागरिक हैं। सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े सत्रों में डॉ. जूलियन, डॉ. बेरा, डॉ. सना सिद्दीकी और स्टीफन रीटज ने सहभागिता की। वहीं माइक्रो बायोलॉजी और इंटेलिजेंट फूड सिस्टम से संबंधित सत्रों में डॉ. लायल करम एवं रान्स बेकर ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर फिरोजाबाद के खाद्य सुरक्षा विभाग की इस सहभागिता से जनपद को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है।

स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों और तीमारदारों ने भी की स्व-गणना

जनगणना-2027 के विशेष स्वास्थ्य दिवस पर चला अभियान, स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को किया जागरूक।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। जनगणना-2027 के तहत चल रहे स्व-गणना जागरूकता सप्ताह के नौवें दिन मंगलवार को जिलेभर के स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष अभियान चलाया गया। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उपचार कराने पहुंचे मरीजों और तीमारदारों ने भी ऑनलाइन स्व-गणना की।

सीएमओ डॉ. राम बदन राम के निर्देशन में सीएचसी खैरगढ़ सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज की। इसके साथ ही अस्पताल पहुंचे मरीजों और तीमारदारों को भी स्व-गणना की प्रक्रिया समझाकर उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में चिकित्सा



अधिकारी, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों से अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी स्व-गणना के प्रति जागरूक करने की अपील की। सीएमओ ने सभी चिकित्सा अधीक्षकों और प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की स्व-गणना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही इसकी प्रगति रिपोर्ट शाम पांच बजे तक कार्यालय में उपलब्ध कराने को कहा। सीएमओ ने जनपदवासियों से अपील की कि वे जनगणना-2027 में भागीदारी करते हुए आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर अपनी स्व-गणना करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

अग्रबंधु सेवार्थ संस्थान के वार्षिकोत्सव में पांच विभूतियां सम्मानित।

अग्र समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मदद का लिया संकल्प, समाजसेवा में योगदान के लिए दिए गए अलंकरण।

समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। अग्रबंधु सेवार्थ संस्थान का द्वितीय वार्षिकोत्सव सोमवार को फिरोजाबाद क्लब में धूमधाम से मनाया गया। समारोह में अग्र समाज की पांच प्रमुख विभूतियों को उनके सामाजिक योगदान के लिए विभिन्न सम्मानों से नवाजा गया। वक्ताओं ने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया। राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष भारतेन्द्र अग्रवाल (राजू) और राष्ट्रीय सचिव आनंद अग्रवाल (अल्फा) के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने सामाजिक एकजुटता और जरूरतमंद परिवारों की सहायता पर जोर दिया। समारोह में बृजेश्वर प्रसाद



बंसल को अग्र शिरोमणि, झब्बू लाल को अग्र गौरव, डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल को अग्र रत्न, मोर मुकुट बंसल को समाज रत्न और प्रदीप टंडन को अग्र विभूति सम्मान प्रदान किया गया। इस दौरान पुष्पेंद्र गोयल, गोपाल बंसल, विकास बंसल, सुधीर अग्रवाल (पटना), मदन मोहन मित्तल, मोहित अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सीए नितिन अग्रवाल, कृष्ण मुरारी लाल अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, अमित गुप्ता, अंकित अग्रवाल, अंकुश बंसल, अनुज गर्ग, अर्जुन मित्तल, दीपक अग्रवाल, संजय मित्तल, सतीश अग्रवाल, शरद मित्तल, संजय सिंघल, विपुल बंसल, विशाल गोयल, कपिल अग्रवाल, पंकज गोयल और गोविंद अग्रवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

अश्वनी जैन को मिली सिरसागंज गौरव की उपाधि

राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलने पर नगर पालिका और ट्रस्ट ने किया सम्मानित, शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारों की सराहना

समाज जागरण

सिरसागंज। राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित होने पर श्री महावीर दिगंबर जैन इंटर कॉलेज के नागरिक शास्त्र प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन को नगर पालिका परिषद और हीरा निर्मल खंडेलवाल ट्रस्ट की ओर से ह्यसिरसागंज गौरवह्व की उपाधि से विभूषित किया गया। जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के दौरान आयोजित समारोह में अतिथियों ने उन्हें पटका पहनाकर, माला और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष अतुल प्रताप सिंह ने कहा कि अश्वनी जैन ने राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त कर सिरसागंज का मान बढ़ाया है। नगर पालिका अध्यक्ष रंजना गुरुदत्त सिंह ने कहा कि जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग से यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले शिक्षक होना नगर के लिए गौरव की बात है।अमेजिंग वर्ल्ड के निदेशक अंशुल खंडेलवाल ने बताया कि



अश्वनी जैन ने नागरिक शास्त्र विषय को रुचिकर बनाने के लिए कई नवाचार किए। इनमें नागरिक शास्त्र मेला, भारतीय संसद का मॉडल, संविधान की प्रस्तावना का पाठ, संविधान क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों के नामांकन बढ़ाने, शैक्षिक भ्रमण कराने और डिजिटल माध्यम से पढ़ाई को बढ़ावा देने में भी उनकी अहम भूमिका रही। वह नगर पालिका के स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्वच्छता और पौधरोपण कार्यक्रमों में भी सक्रिय रहे हैं। सम्मान से अभिभूत अश्वनी कुमार जैन ने कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह, जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका, ट्रस्ट और नगरवासियों का आभार जताया। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, पत्नी पूनम जैन, बच्चों अर्चित और पावनी, शिक्षक साथियों, विद्यालय प्रबंध समिति और समस्त विद्यालय परिवार को दिया। कार्यक्रम में ट्रस्ट अध्यक्ष कृष्ण कुमार खंडेलवाल, सिरसागंज क्लब अध्यक्ष अजय गुप्ता, भारत विकास परिषद अध्यक्ष संजीव अग्रवाल, सचिव राहुल रावत, स्कूल एसोसिएशन अध्यक्ष दिलीप जादौन, सत्यकाम सिंह, डॉ. रुचि खंडेलवाल, अंजू यादव, दीपक जादौन, रजनीश यादव और गिर्राज सिंह जादौन सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर भारत विकास परिषद ने वृद्धाश्रम में वितरित की खाद्य सामग्री, बुजुर्गों के साथ बिताए आत्मीय पल

समाज जागरण

संभल/चन्दौसी।कार्तिक पूर्णिमा एवं श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर शाश्वत शाखा चंदौसी भाविप द्वारा सेवा, संवेदना एवं मानवीय सरोकारों के प्रति समर्पण भाव से रामबाग रोड (कैथल रोड) स्थित वृद्धाश्रम में सायंकाल भोजन सामग्री पकोड़े, समोसे ,फल, मेवा मीठा,बिस्कुट आदि अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर वृद्धजनों के प्रति आत्मीयता एवं सम्मान प्रकट करते हुए उनके साथ कुछ स्नेहपूर्ण पल व्यतीत किए गए। यह सेवा कार्य इस भावना का प्रतीक रहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है। शाखा अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने कहा कि भारत विकास परिषद का मूल उद्देश्य समाज में सेवा, संस्कार



एवं समर्पण की भावना को सुदृढ़ करना है। जरूरतमंदों एवं वृद्धजनों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, अपितु हमारा नैतिक एवं मानवीय कर्तव्य भी है। शाखा सचिव डॉ. दुर्गा टंडन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा वृद्धजनों की सेवा और सम्मान से बढ़ती है आयु, विद्या, यश और बल। जीवन की सार्थकता केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में स्नेह, संवेदना और प्रसन्नता के कुछ पल जोड़ने में है। वृद्धजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके प्रति सम्मान, आत्मीयता और सेवा का भाव ही हमारी संस्कृति के वास्तविक संस्कार हैं। इस अवसर पर सचिन गुप्ता, डॉ दुर्गा टंडन, अभिषेक गुप्ता, गिरीन्द्र अग्रवाल,पियूष बंसल, मुकेश गुप्ता, दगपाल सिंह, उपस्थित रहे।

गंगा स्नान पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

मंडावर। मंगलवार को बालावाली गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर पित्रों का तर्पण किया। गंगा स्नान पर गंगा तट पर लगने वाले मेले में महिलाओं व बच्चों ने जमकर



खरीदारी की इस दौरान मेले में भारी पुलिस बल तैनात रहा। कार्तिक पूर्णिमा पर बालावाली गंगा घाट पर लगने वाले गंगा स्नान मेले में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर अपने पितरों का तर्पण विधि विधान के साथ किया। इस दौरान गंगा घाट पर लगने वाले मेले में महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीदारी की व चाट पकौड़ी का भरपूर आनंद लिया। मेले में सुरक्षा दृष्टि को लेकर मंडावर कार्यभार थाना प्रभारी यशपाल आर्य अपनी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर राजघाट गंगा आरती स्थल पर श्रद्धालुओं ने जलाए दीप, मां गंगा का किया गुणगान

दीपदान कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

(दैनिक समाज जागरण राज यादव)

गुन्नौर कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार शाम को बबराला थाना क्षेत्र के गंगा घाट राजघाट स्थित गंगा आरती स्थल पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस दौरान महिला श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ दीप प्रज्वलित कर मां गंगा को समर्पित किए। महिलाओं ने दीपदान करने के बाद दीपों को गंगा की पवित्र



धारा में प्रवाहित किया। इस दौरान मां गंगा की महिमा और कार्तिक पूर्णिमा के धार्मिक महत्व का गुणगान किया गया। गंगा में प्रवाहित होते दीपों से घाट का दृश्य मनमोहक हो गया। श्रद्धालुओं ने मां गंगा से परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर नूतन वार्ष्णेय, नम्रता वार्ष्णेय, नमिता, शिल्पी, ममता, सोनम, मंजू वार्ष्णेय समेत अन्य महिला श्रद्धालु मौजूद रहीं।

जनपद संभल में अवैध मिट्टी खनन के विरुद्ध खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 01 एक्सकेवेटर-कम-लोडर सहित 05 वाहन पकड़े गए।

समाज जागरण

बहजोई / संभल । जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं अपर जिला धिकारी सत्यप्रिय सिंह के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जनपद संभल में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी है। खनन निरीक्षक संभल शिवम कुमार द्वारा अपनी टीम के साथ ग्राम चिमियावली में औचक छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर अवैध रूप से मिट्टी का खनन करते हुए 01 एक्सकेवेटर-कम-लोडर एवं 04 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों सहित कुल 05 वाहनों को पकड़ा गया।मौके पर की गई कार्रवाई के दौरान सभी वाहनों को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु संबंधित थाने में सुपुर्द किया गया है। उक्त कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी महोदय के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनपद में किसी भी दशा में अवैध खनन एवं खनिजों का अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनन विभाग द्वारा रात्रि एवं प्रातःकालीन समय में भी लगातार निगरानी एवं औचक प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। खनन निरीक्षक संभल शिवम कुमार ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध खनन के विरुद्ध अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का ट्रायल मई 2027 में संभव, सूरत-बिलिमोरा के बीच ट्रैक पर तैयारी तेज

भारत की पहली बुलेट ट्रेन 508 किलोमीटर लंबे मुंबई-अहमदाबाद मार्ग के एक छोटे से हिस्से पर मई 2027 तक अपना परीक्षण शुरू कर सकती है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह बात कही। गुजरात में बिलिमोरा और सूरत के बीच लगभग 50 किलोमीटर के खंड का पूर्ण विद्युतीकरण हो चुका है और सिग्नलिंग का काम पूरा होने के बाद जनवरी तक ट्रैक परीक्षण के लिए तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ह्यट्रेन अप्रैल या मई तक परीक्षण के लिए उपलब्ध हो जाएगी। इन ट्रेनों का विकास सरकारी स्वामित्व वाली निमार्ता कंपनी बीईएमएल द्वारा बेंगलूरु स्थित संयंत्र में किया जा रहा है। बी28 ट्रेन 280 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम होगी। ट्रैक पर वर्तमान में जर्मन निमार्ता सीमेंस एजी और भारतीय डेवलपर डीआरए इन्फ्राकॉन के संयुक्त उद्यम द्वारा लेवल-2 यूरोपीय ट्रेन नियंत्रण प्रणाली (ईटीसीएस) लगाई जा रही है, जिसे लगभग 4,100 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। सरकार का लक्ष्य अगस्त 2027 तक हाई स्पीड रेल कॉरिडोर को हरी झंडी दिखाना है। यह परियोजना देरी और लागत में वृद्धि को लेकर विवादों में घिरी



हुई है, जिसका कारण रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पहले राजनीतिक मुद्दे, विशेष रूप से महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण से संबंधित बताया था। परियोजना की लागत बढ़कर लगभग 2 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो शुरूआती अनुमानित लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये से लगभग दोगुनी है, जबकि 2022 की निर्धारित समय सीमा लगभग पांच साल पहले ही चूक गई थी। जापान सरकार के एक पूर्व मंत्री द्वारा देरी के लिए भारत को दोषी ठहराए जाने के बाद भारत-जापान समन्वय को लेकर चिंताएं भी उभरने लगी थीं। माल ढुलाई सुधारों का फल मिल रहा है। मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय परिवहन कंपनी द्वारा शुरू किए गए माल ढुलाई सुधारों, जिनमें वस्तुओं का कंटेनरीकरण और माल ढुलाई दरों का युक्तिकरण शामिल है, के कारण अप्रैल से अक्टूबर तक माल ढुलाई की मात्रा में 10 से 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अधिकारी ने कहा, इस वृद्धि के परिणामस्वरूप उन वस्तुओं की श्रेणियों में 1,078 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है

जिनमें सुधार किए गए थे। रेलवे, जो ऐतिहासिक रूप से कोयला और लौह अयस्क यातायात (माल ढुलाई की मात्रा का 60 प्रतिशत) पर अत्यधिक निर्भर रहा है, अन्य वस्तुओं के परिवहन बाजार पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। अब तक, इसने नमक, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट और कंटेनर जैसी प्रमुख वस्तुओं में नियमों को सरल बनाया है और स्लैब आधारित दर प्रणालियों से दूरी बनाई है।

खेत में लगे लोहे के तार में फंसा गुलदार वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर पकड़ा

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद । विधान सभा क्षेत्र के ग्राम अकबर पुर चोंगावा में रात्रि के दौरान खेत मे लगे पेड़ की जड़ में लोहे की तार में गुलदार का पैर फंस गया रात भर छटपटाने के बावजूद भी गुलदार तार की पकड़ से छूट नहीं पाया सुबह तड़के ही खेत पर काम करने जा रहे ग्रामीणों ने गुलदार को फंसा देखा तो ग्रामीणों में हड़कंप मच गया साथ ही ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम को सूचित किया । बता दे की नजीबाबाद विधान सभा क्षेत्र के ग्राम अकबर पुर चोंगावा में रामसिंह व रामवतार दो भाइयों के खेत में खड़े पेड़ की जड़ में गुलदार एक तार में फंस गया सुबह ग्रामीणों ने गुलदार को फंसा देखा तो ग्रामीणों में हड़कंप



मच गया ग्रामीणों ने गुलदार फसने की सूचना वन विभाग को दी सूचना पाकर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचे साथ ही गंग नहर चौकी से पुलिस कर्मी भी मौके पर पहुंचे इस दौरान गुलदार फसने की सूचना पर भारी संख्या में नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से लोग खेत में जमा हो गए हालांकि दिन भर गुलदार पिंजरे में फंसा रहा जिससे खेतों में चारों और लोग जमा हो गए और वीडियो बनाने के चक्कर में धीरे धीरे गुलदार के करीब पहुंचते दिखाई दिए इस दौरान गंग चौकी पर तैनात हैडकांस्टेबल सचिन ने ग्रामीणों को जमकर फटकार लगाई साथ ही गुलदार के करीब ना आने की सख्त हिदायत दी जबकि गुलदार की दहाड़ देख लोगो के रोंगटे खड़े हो रहे थे गुलदार काफी छाटपहट करने के बावजूद भी तार में उसका पैर फंसा रहा पिंजरे के साथ पहुंची वन विभाग की टीम रेंजर हरगोविन्द,प्रकाश सिंह,तेजपाल, मो अनीस,विकास कुमार, मो0 यामीन, मो0 उमर,आदि ने रेस्क्यू कर गुलदार को अपने कब्जे लेकर पिंजरे में बंद कर दिया हालांकि गुलदार पकड़ने मे वन विभाग की टीम के पसीने छूट गए कई घंटों तक रेस्क्यू के बाद गुलदार को पिंजर कैद कर लिया गया । रेंजर हरगोविन्द ने जानकारी देते हुए बताया की गुलदार मादा है जो फिलहाल तार में पैर फंसने से उसका पैर घायल हो चुका है गुलदार मादा की उम्र करीब 5 वर्ष हैं उन्होंने बताया की गुलदार मादा का पहले उपचार कराया जाएगा । गुलदार पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली साथ ही ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम की प्रशंसा कर उनका आभार व्यक्त किया

प्रभात फेरी का एक माह पूर्ण होने पर खेकड़ा में हुआ भव्य यज्ञ

समाज जागरण

बागपत। खेकड़ा नगर में लगातार हो रही अकाल मृत्यु की घटनाओं से व्यथित होकर नगर की सुख-शांति, समृद्धि, आरोग्यता एवं सर्वकल्याण की मंगलकामना के साथ प्रारंभ की गई प्रभात फेरी का एक माह पूर्ण होने पर भव्य धार्मिक अनुष्ठान एवं यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरा वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य यजमान के रूप में पंडित नरेश शर्मा, चौधरी सर्व खाप 360 ब्राह्मण समाज ने यज्ञ में विधि-विधान के साथ आहुतियां प्रदान कीं। वहीं मुख्य पुरोहित की महत्वपूर्ण भूमिका आचार्य पंडित अम्बे प्रसाद जिला अध्यक्ष विप्र विद्वत परिषद बागपत ने निभाई।आचार्य जी ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं शास्त्रोक्त विधि से यज्ञ संपन्न कराया।

यज्ञ के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आहुतियां देकर नगर में सुख, शांति, सद्भाव एवं सकारात्मक वातावरण बनाए रखने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में चेयरमैन प्रतिनिधि इंजीनियर सुनील धामा की गरिमामयी उपस्थिति रही।



कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक मंडल के सदस्यों मनोज धामा, सुनील रुहेला, जयंत शर्मा, मनोज जैन, अरुण बड़वाल एवं सचिन रुहेला का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर मुख्य यजमान पंडित नरेश शर्मा ने कहा कि खेकड़ा नगर में लगातार हो रही असामयिक मृत्यु की घटनाओं से प्रत्येक नगरवासी चिंतित और व्यथित था। इसी पीड़ा को महसूस करते हुए नगर की सुख-शांति और सर्वकल्याण की भावना से प्रभात फेरी प्रारंभ करने का संकल्प लिया गया था। मुख्य पुरोहित आचार्य अम्बे प्रसाद ने यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डाला। यज्ञ में अनुज शर्मा, नेतराम रुहेला, पंडित उमेश कौत्स, अतुल रूहेला, विकास रुहेला, विकास जैन, मनीष शर्मा, अरविंद शर्मा, निलेश पंडित, पुष्पेंद्र पंडित, दिनेश, पंकज शर्मा, सतीश कुमार, अंकित जैन, अर्पित जैन, सुनील मित्तल, सुनील अग्रवाल, दीपक शर्मा, मुकेश शर्मा, ओमप्रकाश धामा, पुनीत जैन, राजकुमार वर्मा, पुनीत शर्मा, विकास शर्मा, अरुण धामा, नरेश धामा, अभिषेक जैन, अरविंद शर्मा, मनोज कुमार, आनंद यादव आदि सैंकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

28 नवंबर को बड़का आएंगे केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, किसानों व कोल्हू संचालकों से करेंगे संवाद

समाज जागरण

बड़ौत। बड़का गांव में 28 नवंबर को केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी पहुंचेंगे। इस दौरान वे बड़ौत विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बड़का में किसानों और कोल्हू संचालकों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों पर चर्चा करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोकदल युवा जिला अध्यक्ष रवि तोमर बड़ौली ने कहा कि हम सब लोगों को मिलकर राष्ट्रीय लोकदल सुप्रीमो जयंत चौधरी के हाथों को मजबूत बनाना है। चौधरी चरण सिंह की नीतियों को लेकर गांव-गांव जाकर उनके बताए मार्ग पर चलना है।कोल्हू संचालकों पर लगी पाबंदियों और कोल्हुओं के बीच दूरी संबंधी नियमों को लेकर किसान एवं संचालक लंबे समय से परेशान थे। जयंत चौधरी ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए इन प्रतिबंधों और नियमों को निरस्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे कोल्हू संचालकों को राहत



मिली।जनसभा स्थल का निरीक्षण राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव सुखबीर सिंह गठीना ने किया। इस दौरान नीरज पंडित, ग्राम प्रधान ब्राह्मण पुट्टी, रवि तोमर बड़ौली, युवा जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल बागपत, राहुल प्रधान ढिकाना, जिला अध्यक्ष छात्र सभा राष्ट्रीय लोकदल बागपत, मौजूदा प्रधान विजय सिंह व पूरन सिंह प्रधान बड़का, कोल्हू संचालक सुनील कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जयंत चौधरी के आगमन को लेकर क्षेत्र के किसानों, कोल्हू संचालकों और कार्यकताओं में उत्साह है। बैठक में युवा जिला अध्यक्ष बागपत रवि तोमर ने राष्ट्रीय लोकदल नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं, वर्तमान विधायक, पूर्व विधायक व सम्मानित सदस्यों से कार्यक्रम में पहुंचने के लिए सभी को प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से भी आह्वान किया कि सभी युवा अपनी टीम के साथ बड़का पहुंचकर उनके विचारों को सुनें।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हुआ बैठक का आयोजन

समाज जागरण

बागपत। ग्राम जोहड़ी में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एवं सहयोगी संस्था ग्रामीण समाज विकास केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का संचालन ग्रामीण समाज विकास केंद्र की ओर से अनमोल गुप्ता के द्वारा किया गया। बैठक में ग्राम प्रधान श्री सोहनपाल तोमर सहित लगभग 25



महिलाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रतिभागियों को आगामी 27 नवंबर को मनाए जाने वाले बाल, शीघ्र एवं जबरन विवाह के उन्मूलन हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह, शीघ्र एवं जबरन विवाह के दुष्परिणामों तथा बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अधिकारों पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मोमबत्तियाँ जलाकर बाल विवाह उन्मूलन का संदेश दिया गया तथा सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने के लिए प्रेरित किया गया।

भूमिया मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का हवन एवं विशाल भंडारे के साथ हुआ समापन

समाज जागरण

बागपत। नगर स्थित भूमिया मंदिर में 16 नवंबर से चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का मंगलवार को विधि-विधान के साथ हवन एवं विशाल भंडारे के आयोजन के साथ भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर कथा व्यास रासविहारी महाराज एवं साध्वी नेहा दीदी ने यज्ञ की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि कलियुग में यज्ञ करने से देवता प्रसन्न होते हैं तथा मनुष्य के इस लोक और परलोक का जीवन भी पुण्य एवं दिव्यता से परिपूर्ण होता है। धार्मिक अनुष्ठान हमारी सनातन संस्कृति और संस्कारों को मजबूत करने का माध्यम हैं। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष कुलदीप भारद्वाज ने हवन में आहुति अर्पित कर सभी के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि



श्रीमद्भागवत कथा जैसे धार्मिक आयोजन समाज में धर्म, संस्कार, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं।

ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। कार्यक्रम में मंदिर समिति अध्यक्ष बबली चौहान, ब्रजमोहन भारद्वाज, टीटू भारद्वाज, अंकुर कश्यप, नीरज कुमार, सौराज मणि, शिखर भारद्वाज, शिवम भारद्वाज, ओम सिंह चौहान, अधिराज, शर्मिला, सरिता भारद्वाज, रेखा, अंजली, शगुन मणि, सोनिया सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।अंत में विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया तथा आयोजन के सफल समापन पर सभी का आभार व्यक्त किया।

बिजली के तार टूटने से गन्ने के खेत में लगी आग, 6 बीघा फसल जलकर राख

समाज जागरण

बड़ौत । बड़का गांव में विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण बिजली के तार टूटकर गन्ने के खेत में गिर गए, जिससे आग लग गई। आग में राम



भजन प्रधान का 6 बीघा गन्ना जलकर राख हो गया।ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत विभाग को पहले भी शिकायत की गई थी कि कभी भी बिजली के तार टूटने के कारण किसानों का नुकसान हो सकता है। उन्होंने पोल के तार बदलवाने की भी मांग की थी, मगर विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण किसानों की खड़ी गन्ने की फसल बर्बाद हो गई। किसानों ने नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजे की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि अवगत कराए जाने के बाद भी जर्जर हालत के तार विद्युत विभाग नहीं बदलवा रहा है। अगर समय रहते किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया तो तहसील परिसर में किसान धरने पर बैठेंगे। इस मौके पर मधुसूदन शास्त्री, राम भजन सिंह, अजय चौहान, वरिष्ठ समाजसेवी आनंद कश्यप आदि मौजूद रहे।

बड़का गांव में गोवंश पर तेजाब डालने का आरोप, हिंदू संगठनों ने की कार्रवाई की मांग

समाज जागरण

बड़ौत। बड़का गांव में किसानों के खेतों में घूम रहे आवारा गोवंशीय पशुओं पर अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा रात के समय तेजाब डालकर गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। घटना का संज्ञान लेते हुए हिंदू जागरण मंच के संयोजक आचार्य मधुसूदन शास्त्री ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ प्रशासन को संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना से कहीं भी बड़ा झगड़ा न हो। उन्होंने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग प्रशासन से की है। वहीं विश्व हिंदू महासंघ बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शौकेंद्र खोखर बदरखा ने पुलिस प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि अगर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो धरना दिया जाएगा। हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष बागपत आलोक शास्त्री ने कहा कि पुलिस प्रशासन तुरंत कार्रवाई करे और ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर उनकी गिरफ्तारी करे। उन्होंने कहा कि अगर गोवंशीय पशुओं पर तेजाब डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो तहसील परिसर में धरने पर बैठा जाएगा। आलोक शास्त्री ने कहा कि ऐसी घटनाएं पहले भी इसी गांव में हो चुकी हैं, यह साजिश के तहत काम किया जा रहा है। हिंदू युवा वाहिनी इसकी कड़े शब्दों में निंदा करता है।

स्वगणना सुविधा है, कर्मचारियों के लिए सजा नहीं : डॉ सन्दीप कुमार शर्मा

समाज जागरण

बागपत। विधि विशेषज्ञ एवं पूर्व सहायक प्रोफेसर विधि बडौत डॉक्टर संदीप कुमार शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना को लेकर जिस प्रकार अनावश्यक भय, भ्रम और पैनिक का वातावरण बनाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। जिस प्रक्रिया का उद्देश्य नागरिकों को अपनी सुवि धानुसार ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने का विकल्प देना है, उसे अनावश्यक दबाव और परेशानी का विषय क्यों बनाया जा रहा है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि स्वगणना नागरिकों को दी गई एक सुविधा है। भारत सरकार के अनुसार उत्तर प्रदेश में स्वगणना की अवधि 16 से 30 नवंबर है तथा 1 दिसंबर से 4 जनवरी 2027 तक घर-घर जाकर जनगणना का कार्य किया जाना है। जो परिवार स्वगणना नहीं करेंगे, उनकी जानकारी भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत जनगणना कार्मिकों द्वारा प्राप्त की जाएगी। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब यह एक सामान्य राष्ट्रीय जनगणना प्रक्रिया है, तो



इसके नाम पर कर्मचारियों और आम नागरिकों के बीच अनावश्यक तनाव एवं भय का वातावरण क्यों पैदा हो रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश में अत्यधिक कार्यभार और कथित प्रशासनिक दबाव के बीच कुछ कार्मिकों की दुखद मृत्यु की घटनाएं सामने आई थीं। इन घटनाओं ने कार्यप्रणाली, मानवीय संवेदनशीलता और अधिकारियों की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। उन घटनाओं से सबक लेने के बजाय यदि फिर वही दबावपूर्ण कार्यसंस्कृति दोहराई जा रही है, तो यह अत्यंत चिंताजनक है। यह आशंका भी नजरअंदाज नहीं की जा सकती कि कुछ प्रशासनिक स्तरों पर अनावश्यक दबाव और अव्यवस्थित क्रियान्वयन के कारण ऐसी परिस्थितियां बन रही हों, जिनसे प्रदेश सरकार की छवि प्रभावित हो। आखिरकार सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली सरकार की जनहितकारी मंशा को नुकसान पहुंचा रही है। सरकार को चाहिए कि वह इस पूरे मामले का संज्ञान लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करे। स्वगणना को नागरिकों की सुविधा के रूप में प्रचारित किया जाए, न कि कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव बनाने के माध्यम के रूप में। किसी भी कार्मिक को अव्यावहारिक लक्ष्य, अनुचित समय-सीमा या दंडात्मक कार्रवाई की धमकी के माध्यम से मानसिक तनाव में डालना स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। जन गणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, इसे भय और दबाव नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवेदनशील प्रशासन के माध्यम से सफल बनाया जाना चाहिए। अब समय है कि शासन प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करे और यह भी जांचे कि कहीं कुछ अधिकारियों की कार्यशैली ही सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाने का कारण तो नहीं बन रही है।

कार्तिक पूर्णिमा पर यमुना तट पर उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

-श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से गुलजार रहा कैराना का यमुना घाट, सुरक्षा और सुविधाओं के व्यापक इंतजामों के बीच श्रद्धा और भक्ति का दिखा संगम

-एएसपी सुमित शुक्ला ने यमुना घाट पहुंचकर परखे सुरक्षा इंतजाम, पुलिसकर्मियों को दिए सतर्कता बरतने के निर्देश

-स्टीमर से होती रही नदी की निगरानी, 12 गोताखोरों के साथ पीएसी और कई थानों का पुलिस बल रहा मुस्तैद

समाज जागरण

कैराना। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को कैराना का यमुना घाट श्रद्धा और आस्था के रंग में रंगा नजर आया। यमुना तट पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र यमुना नदी में पुण्य की डुबकी लगाकर धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। घाट पर सुरक्षा, साफ-सफाई, प्रकाश और अन्य मूलभूत सुविधाओं के व्यापक



इंतजाम किए गए। वहीं, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला ने स्वयं यमुना घाट पहुंचकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व के अवसर पर यमुना घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने यमुना नदी में आस्था की डुबकी लगाई। घाट पर उमड़ी भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी लगातार सक्रिय रहे। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन और सुरक्षित स्नान को लेकर प्रशासनिक अधिकारी भी व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। एसडीएम ने कराए सुरक्षा और सुविधाओं के विशेष इंतजाम उपजिलाधिकारी शिवाजी यादव के निर्देशन में स्नान पर्व को लेकर व्यापक तैयारियां कराई गईं। श्रद्धालुओं को सुरक्षित दायरे में स्नान कराने के लिए यमुना नदी में बैरिकेडिंग कराई गई। घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के साथ महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाए गए। निगरानी एवं विभागीय समन्वय के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया, जबकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए एंबुलेंस और स्वास्थ्यकर्मियों की व्यवस्था की गई। घाट परिसर तथा आसपास साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखा गया। एएसपी ने परखी व्यवस्था, पुलिस कर्मियों को दिए निर्देश पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला ने यमुना घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों से सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी ली तथा भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। एएसपी ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पूरी सतर्कता से ड्यूटी करें। आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की तैयारी भी बनाए रखने को कहा। 12 गोताखोर तैनात, स्टीमर से होती रही गश्त नदी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए स्टीमर के माध्यम से लगातार गश्त और निगरानी की गई। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति से निपटने के लिए 12 गोताखोर तैनात किए गए। इसके अलावा स्थानीय पुलिस के साथ पीएसी और अन्य थानों से बुलाया गया अतिरिक्त पुलिस बल भी मुस्तैद रहा। घाट से लेकर आवागमन के रास्तों तक पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी रहे मुस्तैद इस दौरान एसडीएम शिवाजी यादव, तहसीलदार अमन सिंह, नायब तहसीलदार आकाश चौधरी, सीओ हेमंत कुमार, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार, यमुना ब्रिज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार सहित महिला निरीक्षक, उपनिरीक्षक, कांस्टेबल, कानूनगो, लेखपाल और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे। शामली पुलिस के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा स्नान कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित हुआ।

पंजाब से चोरी हुई तीन भैंसों का कैराना से जुड़ा तार, आरोपी की निशानदेही पर एक बरामद

-दिल्ली में पकड़े गए आरोपी को रिमांड पर लेकर कैराना पहुंची पंजाब पुलिस, आलकलां मोहल्ले में छापेमारी के दौरान मिली चोरी की भैंस

-तीन अक्टूबर को पंजाब के खनौरी क्षेत्र से पिकअप में चोरी हुई थीं तीन भैंसें, सीसीटीवी फुटेज से कैराना तक पहुंची जांच

-जहानपुरा मार्ग पर आम जोहड़ तालाब के पास उतारी गई थीं भैंसें, पहले भी छानबीन कर चुकी थी पंजाब पुलिस

-छापेमारी के दौरान सादिक उर्फ काला नहीं मिला, यमुनानगर में भी आरोपी चालक की तलाश में दी गई दबिश

समाज जागरण

कैराना। पंजाब के संगरूर जिले से चोरी हुई तीन भैंसों के मामले में मंगलवार को पंजाब पुलिस ने कैराना में बड़ी कार्रवाई की। दिल्ली में गिरफ्तार आरोपी को रिमांड पर लेकर पहुंची पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से नगर के मोहल्ला आलकलां में छापेमारी की। इस



दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी की एक भैंस बरामद कर ली गई। हालांकि, जिस व्यक्ति के यहां से भैंस बरामद हुई, वह पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो गया। पंजाब पुलिस की इस कार्रवाई से पशु चोरी के मामले में कैराना का कनेक्शन एक बार फिर सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पंजाब के जनपद संगरूर के थाना खनौरी क्षेत्र से गत तीन अक्टूबर की सुबह अज्ञात चोर पिकअप गाड़ी में तीन भैंसें चोरी कर ले गए थे। घटना के बाद पशुपालकों ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों का सुराग लगाने का प्रयास किया। जांच के दौरान चोरी की भैंसों को ले जाने वाली पिकअप गाड़ी का कैराना से संबंध सामने आया। पुलिस जांच में जानकारी मिली कि भैंसों से लदी पिकअप कैराना के जहानपुरा मार्ग पर स्थित आम जोहड़ तालाब के आसपास पहुंची थी। यहां भैंसों को उतारने के बाद वाहन वापस लौट गया था। इसके बाद पशुपालक पंजाब पुलिस के साथ कैराना पहुंचे थे। पंजाब पुलिस ने स्थानीय कोतवाली पुलिस के सहयोग से क्षेत्र में छानबीन की थी, लेकिन उस समय चोरी की भैंसों का कोई सुराग नहीं लग सका था। दिल्ली में पकड़े गए आरोपी से खुला सुराग बताया गया कि पशु चोरी के एक प्रकरण में दिल्ली पुलिस ने फरमान नामक आरोपी को गिरफ्तार किया था। पंजाब पुलिस ने उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इसके बाद मंगलवार सुबह पंजाब के थाना खनौरी में तैनात उपनिरीक्षक गुरमेल राम पुलिस टीम के साथ आरोपी फरमान को लेकर कैराना कोतवाली पहुंचे। स्थानीय पुलिस के सहयोग से टीम ने नगर के मोहल्ला आलकलां निवासी सादिक उर्फ काला पुत्र जमशेद के यहां छापेमारी की। इस दौरान फरमान की निशानदेही पर चोरी की एक भैंस बरामद की गई। हालांकि, पुलिस के पहुंचने पर सादिक उर्फ काला मौके पर नहीं मिला। उसके फरार होने की बात सामने आई है। यमुनानगर में चालक की तलाश, दो भैंसों का सुराग बाकी जानकारी के मुताबिक, चोरी में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी के चालक की तलाश में हरियाणा के यमुनानगर में भी दबिश दी गई, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं लगा। फिलहाल चोरी हुई तीन भैंसों में से एक की बरामदगी की जानकारी सामने आई है,

जबकि शेष दो भैंसों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। उधर, कैराना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने पुष्टि की कि पंजाब पुलिस की टीम कोतवाली आई थी। मामले में पंजाब पुलिस की ओर से आगे की जांच और कार्रवाई की जा रही है।

डॉलर की तेजी भी नहीं रोक पाई रुपये की उड़ान, एसबीआई ने ब्याज दरों पर आरबीआई को दी सलाह

अमेरिकी डॉलर मजबूत हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद भारतीय रुपये में तेजी देखने को मिल रही है। खास बात यह है कि रुपये की मजबूती डॉलर की बढ़त से भी ज्यादा है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर 2026 से अब तक रुपये में 3.2 फीसदी की मजबूती आई है, जबकि इस दौरान डॉलर इंडेक्स 2.2 फीसदी चढ़ा है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपये को डॉलर के मुकाबले 100 के पार जाने देने की चर्चा पूरी तरह बेवजह थी। कुछ लोगों का मानना था कि रुपये को कमजोर होने देना अर्थव्यवस्था के लिए झटकों से बचने का एक तरीका हो सकता है। लेकिन एसबीआई का कहना है कि रुपये में जरूरत से ज्यादा गिरावट अर्थव्यवस्था की मुश्किलें कम करने के बजाय बढ़ा सकती है। रुपये में तेजी ने बदला पुराना रुझान एसबीआई की इकोरैप रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर 2026 से रुपये में 3.2 फीसदी की मजबूती आई है। वहीं, डॉलर इंडेक्स इस दौरान 2.2 फीसदी बढ़ा है। यह फरवरी 2025 से सितंबर 2026 के



बीच के रुझान से बिल्कुल अलग है। उस दौरान रुपये में 9.5 फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि डॉलर इंडेक्स 5.7 फीसदी कमजोर हुआ था। एसबीआई के मुताबिक, रुपये में एक सीमा से ज्यादा गिरावट अर्थव्यवस्था के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। इससे महंगाई बढ़ सकती है, कंपनियों पर कर्ज का बोझ बढ़ सकता है और निवेशकों का भरोसा भी कमजोर पड़ सकता है।

रुपया कमजोर होने से कैसे बढ़ती हैं मुश्किलें?

रुपये की कीमत गिरने का सीधा असर आयात पर पड़ता है। खासकर कच्चे तेल और ऊर्जा से जुड़ी चीजों का आयात महंगा हो जाता है। इससे कंपनियों की लागत बढ़ती है और आम लोगों के लिए भी महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है।

इसके अलावा, जिन कंपनियों ने डॉलर में कर्ज लिया है और उससे जुड़े जोखिम से बचाव का इंतजाम नहीं किया है, उनके लिए कर्ज चुकाना महंगा हो जाता है। रुपये की कमजोरी के कारण उन्हें उतनी ही रकम चुकाने के लिए ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है। साथ ही, विदेशी निवेशकों का भरोसा भी कमजोर हो सकता है। एसबीआई का कहना है कि ऐसे हालात में रुपये को कमजोर होने देना अर्थव्यवस्था को झटकों से बचाने के बजाय वित्तीय अस्थिरता बढ़ा सकता है। पहले के मुकाबले घरेलू अर्थ व्यवस्था की स्थिति बेहतर एसबीआई ने रुपये और डॉलर की चाल की तुलना अलग-अलग दौर से भी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2008 से मई 2014 के बीच भारत के कमजोर आर्थिक हालात का असर रुपये पर पड़ा था। इस दौरान रुपये में गिरावट डॉलर की मजबूती से भी ज्यादा रही। हालांकि, मई 2014 से फरवरी 2025 के बीच रुपये में गिरावट मोटे तौर पर डॉलर की मजबूती के बराबर रही। एसबीआई ने इसकी वजह घरेलू अर्थव्यवस्था की स्थिति में सुधार को बताया है।

दिसंबर में ब्याज दरों पर आरबीआई को क्या करना चाहिए?

ब्याज दरों को लेकर एसबीआई ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को वित्तीय स्थिरता को प्राथमिकता देने की सलाह दी है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण में खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र
200 रुपये रोज में।

कार्तिक पूर्णिमा पर 20 हजार दीपों से जगमगाए यमुना के घाट

विश्राम घाट से बंगाली घाट तक दिखा दीपदान का अद्भुत नजारा, नगर निगम ने सफाई और प्रकाश व्यवस्था के किए इंतजाम

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार शाम कान्हा की नगरी मथुरा में यमुना के घाट दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। देव दीपावली महोत्सव के तहत विश्राम घाट से बंगाली घाट तक हजारों दीप प्रज्वलित किए गए। यमुना की लहरों पर झिलमिलाते दीपों और घाटों पर सजी रंगोलियों ने धार्मिक वातावरण को और भी आकर्षक बना दिया।

महोत्सव के प्रमुख आकर्षण बंगाली घाट पर नगर निगम मथुरा-वृंदावन की ओर से 20 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। इसके अलावा शहर के अन्य प्रमुख घाटों पर स्थानीय समितियों और श्रद्धालुओं ने भी सामूहिक दीपदान कर यमुना महारानी का पूजन किया। शाम ढलते ही घाटों की सीढ़ियां दीपों की कतारों से रोशन हो गईं। इस मनोहारी दृश्य को देखने के लिए स्थानीय लोगों के साथ बाहर





से आए तीर्थयात्री भी बड़ी संख्या में पहुंचे।

सफाई और भीड़ प्रबंधन पर रहा जोर

आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और नगर निगम की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गईं। घाटों के संपर्क मार्गों और आसपास के क्षेत्रों में सफाई कर्मचारियों की टीमें तैनात रहीं। आवागमन को सुगम बनाने के लिए अतिरिक्त अस्थायी प्रकाश व्यवस्था भी की गई।



स्वच्छता के लिए श्रद्धालुओं से अपील

दीपदान और पूजन के बाद घाटों पर गंदगी न फैले, इसके लिए नगर निगम की सूचना, शिक्षा एवं संचार टीम ने श्रद्धालुओं से संवाद किया। लोगों से पूजन सामग्री और कचरा निर्धारित डस्टबिन में डालने की अपील की गई। श्रद्धालुओं ने भी यमुना को स्वच्छ रखने में सहयोग देने का संकल्प लिया। देर शाम तक घाटों पर दीपदान, भक्ति संगीत और आरती का क्रम चलता रहा।

इंस्पेक्टर के बेटे की गाड़ी का चालान काटने पर हेड कांस्टेबल लाइन हाजिर, कार्रवाई पर उठे सवाल

नंबर प्लेट पर कागज चिपकाकर वाहन चलाने का आरोप, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर चर्चा

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में यातायात नियमों के पालन को लेकर एक मामला चर्चा में है। सोशल मीडिया पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, एक इंस्पेक्टर का बेटा कथित तौर पर अपनी गाड़ी की नंबर प्लेट पर कागज चिपकाकर वाहन चला रहा था। यातायात पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने नियमों के उल्लंघन पर गाड़ी का चालान काट दिया। पोस्ट में दावा किया गया है कि इस कार्रवाई के बाद हेड कांस्टेबल को ही लाइन हाजिर कर दिया गया। आरोप यह भी है कि हेड कांस्टेबल ने वाहन को रोकने की कोशिश की और पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर मामले को उजागर किया। इस घटना ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली और यातायात नियमों के समान रूप से पालन को लेकर सवाल खड़े किए हैं। यदि किसी वाहन पर नंबर प्लेट छिपाकर या उसके साथ छेड़छाड़ कर वाहन चलाया जा रहा था, तो नियमानुसार कार्रवाई होना स्वाभाविक है। ऐसे में चालान काटने वाले पुलिसकर्मी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के दावे की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

हालांकि, सोशल मीडिया पोस्ट में किए गए दावों की स्वतंत्र पुष्टि और हेड कांस्टेबल को लाइन हाजिर किए जाने का आधिकारिक कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मथुरा में नौ लाख रुपये के नशीले पदार्थों के साथ महिला गिरफ्तार

313 ग्राम अल्प्राजोलम, 27 ग्राम स्मैक और 1.28 लाख रुपये नकद बरामद, पुलिस खंगाल रही तस्करी का नेटवर्क

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गोविंदनगर थाना पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और नकदी बरामद की है। बरामद मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब नौ लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, बिरला मंदिर चौकी क्षेत्र में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री की सूचना मिलने के बाद 23 नवंबर की शाम राधेश्याम कॉलोनी में एक संदिग्ध ठिकाने पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान मौके से एक महिला को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई।



तलाशी में महिला के कब्जे से 313 ग्राम अल्प्राजोलम, 27 ग्राम स्मैक और एक लाख 28 हजार 170 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब नौ लाख रुपये आंकी है।

अन्य आरोपियों के खिलाफ भी मुकदमा

पुलिस ने इस मामले में अंसार और शहजाद नाम के दो पुरुषों सहित दो अन्य महिलाओं के खिलाफ भी एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्तार महिला के आपराधिक इतिहास की जांच में उसके खिलाफ थाना जैत में पहले से एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज होने की जानकारी मिली है।

फिलहाल पुलिस महिला से पूछताछ कर नशीले पदार्थों की आपूर्ति के स्रोत और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता पुनरीक्षण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, बीएलओ को डीएम की चेतावनी

जिलाधिकारी ने सुपरवाइजरों के साथ की समीक्षा बैठक, 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के फॉर्म-6 भरवाने के निर्देश

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 में लापरवाही बरतने वाले बूथ लेवल अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को तहसील सदर सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्वाचन कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने सदर क्षेत्र के सभी सुपरवाइजरों से



अभियान की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सुपरवाइजर अपने क्षेत्र में तैनात बीएलओ के कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा करें। साथ ही क्षेत्र में भ्रमण कर उनकी उपस्थिति और कार्यप्रणाली का सत्यापन भी सुनिश्चित करें।

घर-घर सर्वे कर नए मतदाताओं को जोड़ें

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं और अब तक मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा पाए पात्र नागरिकों पर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीएलओ अपने आवंटित मतदान क्षेत्रों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण करें और पात्र नागरिकों से फॉर्म-6 भरवाएं।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध, समावेशी और अद्यतन बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित नहीं रहना चाहिए।

देव दीपावली पर पर्यटकों की प्रतिक्रिया

लोकल से ग्लोबल हुई काशी की देव दीपावली, देशभर से पहुंचे पर्यटक

गंगा आरती, लाखों दीपों, लेजर शो और ड्रोन शो ने बनाया यादगार अनुभव

वाराणसी ,24 नवंबर : आगरा से आईं रंजना कुशवाहा बोलीं–जैसा सुना था, वैसी ही दिव्य है काशी

आगरा से अपने परिवार के साथ काशी पहुंचीं रंजना कुशवाहा ने अस्सी घाट से देव दीपावली का अद्भुत नजारा देखा। उन्होंने कहा कि काशी के बारे में जैसा सुना था, यहां आकर वैसा ही अनुभव हुआ। योगी सरकार ने देव दीपावली की भव्यता देखने और गंगा आरती का आनंद लेने के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की थीं। पूरे परिवार के साथ काशी के इस महापर्व में शामिल होकर उन्हें बेहद खुशी हुई।

रायबरेली की स्वाति सिंह बोलीं–लेजर और ड्रोन शो ने उत्सव को बनाया शानदार

रायबरेली की स्वाति सिंह ने कहा कि गंगा आरती और दीपों की रोशनी के साथ लेजर शो, ग्रीन आतिशबाजी और ड्रोन शो ने देव दीपावली के उत्सव को और भी शानदार बना दिया। यहां भारतीय परंपरा और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला। योगी सरकार ने काशी की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक आकर्षणों के साथ प्रस्तुत कर इस आयोजन को यादगार बना दिया।

हैदराबाद की सुनीता यादव बोलीं–काशी की देव दीपावली देखकर खुद को धन्य महसूस किया

हैदराबाद से आईं सुनीता यादव ने देव दीपावली की भव्यता देखकर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि



पुरेंद्र पौराणिक बोले–दीपों की रोशनी और आधुनिक तकनीक के संगम ने मोहा मन

पुरेंद्र पौराणिक ने कहा कि सरकार और स्थानीय प्रशासन ने देव दीपावली पर काशी में दिव्य वातावरण तैयार किया। घाटों की आकर्षक सजावट, लाखों दीपों का एक साथ प्रज्वलन, भव्य गंगा आरती और आधुनिक तकनीक से सजे शो का तालमेल बेहद मनमोहक रहा। इस अद्भुत आयोजन ने मन प्रसन्न कर दिया। काशी की देव दीपावली अब अपनी स्थानीय पहचान से निकलकर वैश्विक आकर्षण बन चुकी है।

योगी सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की गई थीं। परिवार के साथ मंदिरों में दर्शन करने के बाद उन्होंने गंगा की महाआरती और विभिन्न शो का आनंद लिया। काशी की आध्यात्मिकता और घाटों की अद्भुत सजावट ने उनके मन पर गहरी छाप छोड़ी।

बाबा रामदेव पहले अपनी वाणी पर संयम का योग करें : सौरभ गौड़

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर टिप्पणी को लेकर धर्म रक्षा संघ में नाराजगी, सार्वजनिक माफी की मांग

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा (वृंदावन)। योग गुरु बाबा रामदेव की ओर से बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद धार्मिक संगठनों की प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। धर्म रक्षा संघ ने इस बयान की निंदा करते हुए बाबा रामदेव से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगने की मांग की है।

धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने बयान जारी कर कहा कि पूरे विश्व को योग का संदेश देने



वाले बाबा रामदेव को पहले अपनी वाणी पर संयम रखने का अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग का उद्देश्य केवल शरीर को स्वस्थ रखना नहीं, बल्कि मन, वाणी और अहंकार पर नियंत्रण रखना भी है।

संतों के सम्मान का रखा जाए ध्यान

सौरभ गौड़ ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के धार्मिक कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और धार्मिक जागरण के कार्यों में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी के विचारों से असहमति हो सकती है, लेकिन असहमति के नाम पर किसी संत का अपमान नहीं किया जाना चाहिए।

शास्त्रार्थ से रखें अपनी बात

धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष ने कहा कि यदि बाबा रामदेव को धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के किसी विचार या कथन पर आपत्ति है तो उन्हें शास्त्रों के प्रमाण के साथ शास्त्रार्थ करना चाहिए। सनातन परंपरा में संवाद और शास्त्रार्थ का विशेष महत्व रहा है।

उन्होंने कहा कि व्यावसायिक सफलता और लोकप्रियता किसी को संत समाज से ऊपर नहीं बनाती। सभी को अपने पद, प्रतिष्ठा और भगवा वस्त्रों की मयार्दा का ध्यान रखना चाहिए। धर्म रक्षा संघ ने बाबा रामदेव से सार्वजनिक माफी की मांग दोहराई।

श्रीराम की अयोध्या से माता जानकी के जनकपुर तक आस्था, संस्कृति और मैत्री की स्वर्णिम रेल यात्रा

सरयू-कमला एक्सप्रेस ने 604 किलोमीटर की दूरी को बनाया भारत-नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों का नया सेतु; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने संयुक्त रूप से दिखाई हरी झंडी; रामलला के दिव्य दर्शन और मीडिया मित्रों का साथ बना यात्रा का अविस्मरणीय अनुभव

विनोद सिंह 'तकियावाला'
स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

भारत की सांस्कृतिक चेतना में अयोध्या और जनकपुर धाम का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। अयोध्या मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है, तो नेपाल का जनकपुर धाम माता जानकी की जन्मस्थली के रूप में करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इन दोनों पवित्र स्थलों को भारतीय रेल के माध्यम से जोड़ने की पहल केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि भारत और नेपाल की सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक आत्मीयता और मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई मजबूती देने वाला ऐतिहासिक कदम है।

23 नवंबर 2026 का दिन भारत-नेपाल संबंधों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में याद किया जाएगा। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से सरयू-कमला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर नई साप्ताहिक रेल सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों और विकास परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया। यह आयोजन केवल दो सरकारों के बीच कूटनीतिक संवाद नहीं था, बल्कि साझा सभ्यता और जनभावनाओं को नई दिशा देने वाला अवसर भी था।

करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस अयोध्या से जनकपुर धाम तक धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संपर्क को नई गति प्रदान करेगी। इस रेल सेवा से श्रद्धालुओं, पर्यटकों और आम यात्रियों को दोनों देशों के बीच आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। नेपाल के श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन कर सकेंगे, वहीं भारत के श्रद्धालुओं के लिए जनकपुर धाम में माता जानकी के दर्शन की यात्रा अधिक सुगम होगी। इस प्रकार यह रेलगाड़ी रामायण सर्किट के विस्तार और धार्मिक पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

रामलला के दिव्य दर्शन से धन्य हुई यात्रा

इस ऐतिहासिक आयोजन के दौरान अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होना मेरे लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय अनुभव रहा। भव्य श्रीराम मंदिर में विराजमान रामलला के समक्ष शीश झुकाते हुए मन श्रद्धा, भक्ति और आत्मिक आनंद से भर उठा। करोड़ों भारतीयों की आस्था और लंबे संघर्ष के बाद साकार हुए इस भव्य मंदिर में दर्शन करना अपने आप में एक आध्यात्मिक अनुभूति है।

एक ओर अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दिव्य दर्शन और दूसरी ओर माता जानकी की जन्मस्थली जनकपुर को रेल संपर्क से जोड़ने की ऐतिहासिक पहल–इन दोनों अनुभवों ने इस यात्रा को मेरे लिए केवल पत्रकारिता का दायित्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा से साक्षात्कार का अविस्मरणीय अवसर बना दिया।

भारत-नेपाल मैत्री को नई दिशा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की इस मुलाकात का महत्व रेल सेवा के शुभारंभ से कहीं अधिक व्यापक है। दोनों नेताओं ने भारत और नेपाल के बीच सहयोग को



और मजबूत बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। सीमावर्ती संपर्क, ऊर्जा, व्यापार, आधारभूत संरचना और विकास परियोजनाओं से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। इन प्रयासों का उद्देश्य दोनों देशों के नागरिकों के जीवन में सुविधाओं का विस्तार और आर्थिक विकास की नई संभावनाएं पैदा करना है।

भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी का संबंध, धार्मिक आस्था, सामाजिक परंपराएं और सांस्कृतिक समानताएं सदियों से इस मैत्री की आधारशिला रही हैं। आज यही संबंध आधुनिक रेल, सड़क, ऊर्जा और व्यापारिक संपर्क के माध्यम से नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहे हैं।

मीडिया मित्रों का साथ और अधिकारियों का सराहनीय सहयोग

इस ऐतिहासिक यात्रा की एक विशेष स्मृति हमारी मीडिया मित्र मंडली की सामूहिक सहभागिता भी रही। इस अवसर पर संसद टीवी के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. पवन कुमार शर्मा, वरिष्ठ फोटो पत्रकार राकेश मिश्रा, टीबी भारतवर्ष की वरिष्ठ पत्रकार कोमल शर्मा, इंडिया पोस्ट की वरिष्ठ पत्रकार ममता चतुवेर्दी और देव पाण्डेय 'वैभव' सहित अन्य मीडिया सहयोगी उपस्थित रहे।

अपने-अपने लंबे अनुभवों और पत्रकारिता के विशिष्ट दृष्टिकोण के साथ इस ऐतिहासिक यात्रा का साक्षी बनना हम सभी के लिए गौरवपूर्ण अनुभव रहा। कैमरे में ऐतिहासिक पलों को सहेजते फोटो पत्रकार और अपनी लेखनी के माध्यम से घटनाओं को जनमानस तक पहुंचाने वाले पत्रकारों की सामूहिक उपस्थिति ने यात्रा को और भी आत्मीय बना दिया।

इस यात्रा के दौरान एक ऐसा प्रसंग भी सामने आया, जिसने हमारी थकान को पलभर में दूर कर दिया। वापसी की ट्रेन में सफर के दौरान जब हम सभी अपने-अपने स्थान पर आराम करने की तैयारी कर रहे थे, तभी टीबी भारतवर्ष के कैमरामैन ने अपने हरियाणवी अंदाज में आवाज लगाई कि कोमल मैडम ने सभी भाइयों को बुलावा भेजा है। जब हम इस आवाज को अनसुना कर रहे थे, तभी उन्होंने विशेष रूप से मेरा नाम लेते हुए कहा कि विनोद सर को भी बुलाया गया है।

बस फिर क्या था! हम भी पहुंच गए उस आत्मीय महफिल में, जहां अंताक्षरी की तैयारी पहले से ही हो चुकी थी। महफिल की कमान कोमल मैडम और ममता मैडम ने संभाल रखी थी। दोनों ने अपनी सुरीली आवाज से ऐसा समां बांधा कि संगीत और हंसी-ठिठोली के बीच कब दो घंटे बीत गए, पता ही नहीं चला। यात्रा की थकान कहीं पीछे छूट गई और सभी मीडिया साथियों के बीच अपनापन, सौहार्द और मित्रता की एक खूबसूरत स्मृति जुड़ गई।

इस पूरी मीडिया यात्रा का कुशल नेतृत्व युवा मीडिया अधिकारी वंशिता जसवाल, वाईपी (प्रेस सूचना ब्यूरो, पीआईबी, दिल्ली) ने किया। उनके बेहतर समन्वय, आत्मीय व्यवहार और सक्रिय सहयोग से मीडिया की सहभागिता सहज एवं व्यवस्थित रही। वहीं उत्तर रेलवे की ओर से परेश सारस्वत, सोबरन सिंह और अरुण कुमार का सहयोग भी अत्यंत सराहनीय रहा।

इन सभी अधिकारियों की सक्रियता, सहयोग और समर्पण ने इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़ी हमारी स्मृतियों को और भी विशेष बना दिया। निश्चित रूप से किसी ऐतिहासिक घटना का साक्षी बनना गौरव की बात है, लेकिन पत्रकार मित्रों का साथ और अधिकारियों का आत्मीय सहयोग उस अनुभव को जीवनभर की यादगार बना देता है।

आस्था, पर्यटन और आर्थिक विकास का नया अध्याय

सरयू-कमला एक्सप्रेस का महत्व केवल धार्मिक यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा। इससे अयोध्या, मिथिलांचल और नेपाल के जनकपुर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी। होटल, परिवहन, स्थानीय व्यापार, हस्तशिल्प और छोटे कारोबार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

इसके साथ ही दोनों देशों के विद्यार्थियों, परिवारों और सामाजिक संगठनों के बीच संवाद तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बल मिलेगा। आवश्यकता इस बात की है कि रेल सेवा का परिचालन नियमित और सुविधाजनक रहे तथा यात्रियों को सीमा संबंधी प्रक्रियाओं में सहजता मिले।

दूरी नहीं, दिलों को जोड़ने वाली रेल

अयोध्या की पावन सरयू से मिथिला की सांस्कृतिक धरती तक सरयू-कमला एक्सप्रेस केवल पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ी नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम और माता जानकी की पावन स्मृतियों से जुड़े दो देशों के करोड़ों लोगों की भावनाओं का सेतु है। रामलला के दिव्य दर्शन, मीडिया मित्रों का आत्मीय साथ और इस ऐतिहासिक पहल का साक्षी बनने का सौभाग्य मेरे पत्रकारिता जीवन की अमूल्य स्मृतियों में सदैव सुरक्षित रहेगा। सचमुच, यह पहल भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों को आधुनिक विकास की गति देने के साथ मित्रता, विश्वास और सहयोग की नई इबारत लिखने की क्षमता रखती है। समाज जागरण

बहल में 2 से 10 दिसंबर तक लगेगा ध्यान-योग-साधना एवं चिकित्सा शिविर, योगाचार्य हरपाल जी शास्त्री देंगे मार्गदर्शन

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

बहल, 24 नवंबर। आर्य समाज विकास ट्रस्ट, बहल द्वारा संचालित आर्य समाज एवं ग्राम पंचायत बहल व ग्रामवासियों के जन सहयोग से श्री कैलाश चौधरी (बहल) सूरत प्रवासी के सौजन्य से समाज सेवी स्व. बसंत कुमार चौधरी की 44वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 02 दिसंबर से 10 दिसंबर तक ध्यान-योग-साधना एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। ये जानकारी शिविर संयोजक डा.एन पी गौड ने दी शिविर में अंतर्राष्ट्रीय योग विभूति, योग रत्न योगाचार्य पूज्य हरपाल जी शास्त्री (सूरत प्रवासी) के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में योग साधना व चिकित्सा की जाएगी। शिविर का स्थान आर्य समाज, नजदीक 132 केवी बिजली घर, पिलानी रोड़, बहल रहेगा।

शिविर का कार्यक्रम -

प्रातःकालीन सत्र - प्रतिदिन प्रातः 06:00 से 08:00 बजे तक, 09 से 10 बजे तक हवन यज्ञ व उपदेश। सायंकालीन सत्र - प्रतिदिन सायं 04:30 से 06:30 बजे तक, रात्रि 7:30 से 8:30 बजे तक विशेष व्यक्तिगत परामर्श एवं उपचार इस शिविर में डिप्रेशन, माइग्रेन, टेंशन, साइनस, हृदय रोग, एंजाइना पेन, एसिडिटी, अस्थमा, दमा, एलर्जी, मोटापा, मधुमेह, गैस, कब्ज, पेट दर्द, अर्थराइटिस, स्पोंडिलाइटिस, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, कमजोरी, स्नायु दुर्बलता एवं स्त्री रोगों का इलाज किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि आज तनावपूर्ण जीवन में अनेक बीमारियां पैदा हो रही हैं, ऐसे में प्राचीन योग साधना चिकित्सा पद्धति संजीवनी बनकर उभरी है। हजारों लोग योगाचार्य हरपाल शास्त्री के मार्गदर्शन में इन रोगों से छुटकारा पा चुके हैं। शिविर में भाग लेने के लिए पहले फार्म भरकर पंजीकरण कराएं, बीपी व शुगर जांच की सुविधा शिविर स्थल पर निःशुल्क उपलब्ध होगी। शिविर में नित्य आना आवश्यक है। पुरुष शिविरार्थी ट्रैक सूट / कुर्ता- पजामा, महिला शिविरार्थी सलवार-कुर्ता / सूट / ट्रैक सूट में आएं। शिविरार्थी अपने साथ बिछाने हेतु दरी या चादर अवश्य लाएं।

श्री बालाजी धाम डोभ में कार्तिक पूर्णिमा पर विशाल भंडारा, संकीर्तन, भक्त मेला एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भव्य आयोजन

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी, 24 नवंबर । कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री बालाजी धाम, गांव डोभ में विशाल भंडारा, संकीर्तन, भक्त मेला एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकाल वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ एवं श्री हनुमान चालीसा के पाठ से हुआ। श्री बालाजी धाम के संस्थापक एवं प्रधान श्री पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि धाम में प्रत्येक माह पूर्णिमा के अवसर पर दोपहर 12:00 बजे से 3:30 बजे तक श्री बालाजी महाराज के दरबार में संकीर्तन, विशाल भंडारा, भक्त मेला एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का नियमित आयोजन किया जाता है, जिसमें दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। प्रदीप बंसल सापला मुख्य यजमान सिरकत की और श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक प्रियंका जांगड़ा जींद ,सुरेंद्र अंश कंसाला,गुलशन खुराना रोहतक ,रेखा चोपड़ा रोहतक ने अपनी मधुर एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। श्री बालाजी महाराज के भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। वहीं रिंकू महादेव द्वारा प्रस्तुत आकर्षक एवं मनमोहक झाँकियों ने सभी का मन मोह लिया। निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर में श्रद्धालुओं के नेत्र, दंत, कान-नाक-गला (ईएनटी) संबंधी रोगों की जाँच की गई। इसके अतिरिक्त कोरियन मशीनों द्वारा एक्यूप्रेशर सेवा, विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श, विभिन्न प्रकार की दवाइयाँ एवं चश्मे भी निःशुल्क वितरित किए गए। इस अवसर पर विनोद गुप्ता,नवीन तनेजा पैदल यात्रा वाले, धर्मपाल रोहिला, राधे श्याम पंडित,रमेश गुप्ता ,, रवि चिटकारा, सोनू निमड़ी,अमित कौशिक, कविता निमड़ी, ममता सहित श्री बालाजी धाम मंडल के सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

परिवार पहचान पत्र सत्यापन एवं स्वामित्व योजना को लेकर ग्राम सभा 25 को बहल में

दैनिक समाज जागरण, [[महेन्द्र जावला बहल]]

बहल, 24 नवंबर । परिवार पहचान पत्र सत्यापन व स्वामित्व योजना को लेकर कल बहल में ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। ये जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत बहल के सरपंच श्री साधु राम पनिहार ने बताया कि 25 नवंबर वार बुधवार को प्रातः 11:00 बजे ग्राम पंचायत घर, बहल में ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभा में परिवार पहचान पत्र (PPP) के सत्यापन हेतु जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही स्वामित्व योजना (लाल डोरा) के तहत मकानों से संबंधित जानकारी भी ग्रामवासियों को दी जाएगी। सरपंच श्री साधु राम पनिहार ने समस्त ग्रामवासियों से अनुरोध किया है कि सभी ग्रामवासी अपना परिवार पहचान पत्र साथ लेकर निर्धारित समय पर ग्राम पंचायत घर, बहल में पहुंचकर ग्राम सभा में भाग लें, ताकि सत्यापन का कार्य समय पर पूर्ण हो सके।



श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया गुरुपर्व, गुरबाणी कीर्तन से गूंजे गुरुद्वारा साहिब

समाज जागरण



कालांवाली (सुरेश जोरासिया) बाबा जीवन सिंह गुरुद्वारा साहिब, जत्थेदार दर्शन सिंह, दुख निवारण साहिब, दुखनिवारण साहिब गांव दादू, में सिख धर्म के पावन पर्व पर गुरुपर्व को बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। गुरुद्वारों को भव्य ढंग से सजाया गया और पूरा वातावरण गुरूओ की महिमा से भक्तिमय हो उठा। गुरुपर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारों में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष माथा टेककर संगत ने गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। रागी जत्थों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक गुरबाणी कीर्तन और शब्द गायन ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। अरदास के दौरान सर्वजन के कल्याण, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर गुरु का अटूट लंगर भी बरताया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सेवा भाव से भाग लिया। संगत ने लंगर ग्रहण कर गुरु घर की खुशियां प्राप्त कीं। गुरुपर्व पर समाज को सेवा, सिमरन, त्याग, प्रेम और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। पूरे क्षेत्र में दिनभर धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना रहा।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला प्रधान बनीं शकुंतला प्रधान, देव नगर में हुआ भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह

पार्टी नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा से खरी उतरूंगी : शकुंतला प्रधान

जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों की महिला कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना रहेगा प्राथमिक लक्ष्य

दैनिक समाज जागरण
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक नियुक्ति करते हुए शकुंतला प्रधान को भाजपा महिला मोर्चा भिवानी की जिला प्रधान नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकताओं और महिला मोर्चा की पदाधिकारियों में खुशी का माहौल है। नवनियुक्त जिला प्रधान शकुंतला प्रधान के सम्मान में मंगलवार को स्थानीय देव नगर स्थित उनके आवास पर स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान महिला कार्यकताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शकुंतला प्रधान ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर पूरी तरह खरी उतरेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पार्टी प्रभारी स्मृति ईरानी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रिचा पाहवा, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक तथा विधायक घनश्याम सर्राफ सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया। शकुंतला प्रधान ने कहा कि वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और लगन के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएंगी। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों की महिला मोर्चा कार्यकताओं को साथ लेकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए काम किया जाएगा। पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचाने के साथ महिलाओं को संगठन से जोड़ना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की महिला हितैषी योजनाओं और नीतियों की जानकारी अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचाई जाएगी, ताकि महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने परिवार, समाज और देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने सभी महिला कार्य कताओं से संगठनात्मक गति विधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सम्मान समारोह में भाजपा मंडल अध्यक्ष नविता तंवर, महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष चंदा गुप्ता, अधिवक्ता राजबाला श्योराण, सज्जन कौर, डॉ. मधु कौशिक, सुनीता, दर्शना तंवर, सीमा शेखावत, वीना तंवर, पूजा खरक, गीता, सुमन, नीलम, ज्योति,ओमपति मंढोली, प्रकाश ठेकेदार, राजेश डॉक्टर, पूर्व सरपंच विजय धारेडू सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भिवानी पुलिस का अपराधियों पर बड़ा प्रहार, 10 महीने में 441 उद्घोषित आरोपी और बेल जंपर गिरफ्तार

एक लाख 30 हजार रुपये के इनामी 21 आरोपी गिरफ्तार, पांच आपराधिक गिरोहों का पदार्फाश कर 40 सदस्य दबोचे

11 उद्घोषित आरोपी, 200 बेल जंपर और एनआई एक्ट के 230 उद्घोषित आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

भिवानी। भिवानी जिला पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत जनवरी से अक्टूबर 2026 तक बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने 11 उद्घोषित आरोपियों, 200 बेल जंपरों और परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) के 230 उद्घोषित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा विभिन्न मामलों में फरार चल रहे कुल एक लाख 30 हजार रुपये के इनामी 21 आरोपियों को भी पुलिस ने काबू किया है। हत्या के मामले में फरार 25 हजार रुपये के इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी को सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने गिरफ्तार किया। उद्घोषित आरोपियों और बेल जंपरों पर कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान जिला पुलिस ने विभिन्न मामलों में 11 उद्घोषित आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं, जमानत मिलने के बाद अदालत की शर्तों का उल्लंघन कर फरार चल रहे 200 बेल जंपरों को भी काबू किया गया। इसके अतिरिक्त एनआई एक्ट के तहत 230 उद्घोषित आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई। एक लाख 30 हजार के इनामी 21 आरोपी



गिरफ्तार जिला पुलिस और अपराध शाखा की विभिन्न टीमों ने अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे कुल एक लाख 30 हजार रुपये के इनामी 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें हत्या के मामले में फरार 25 हजार रुपये का इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी भी शामिल है, जिसे सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने काबू किया। पांच आपराधिक गिरोहों का पदार्फाश, 23 वारदातें सुलझाईं पुलिस ने चोरी और अन्य आपरा धिक वारदातों को अंजाम देने वाले पांच गिरोहों का पदार्फाश करते हुए उनके 40 सदस्यों को गिरफ्तार किया। पूछताछ और जांच के दौरान इन गिरोहों से जुड़ी कुल 23 आपराधिक वारदातों का खुलासा हुआ। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 6 लाख 95 हजार रुपये की चोरीशुदा संपत्ति भी बरामद की। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई रहेगी जारी : एसपी पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा ने कहा कि जिला पुलिस आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों और गिरोह बनाकर वारदात करने वालों के खिलाफ लगातार प्रभावी कानूनी कार्रवाई कर रही है। जिले में अपराध और अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। भविष्य में भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आमजन और व्यापारियों से अपील की कि किसी भी आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति से डरने की आवश्यकता नहीं है। किसी अपराध या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। जिला पुलिस आमजन की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

बंद मकान का ताला तोड़कर सामान चोरी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

तोशाम पुलिस ने कैरू मोड़ से दबोचे दोनों आरोपी, चोरी की पानी की टोंटियां और बर्तन बरामद

मामले में पहले भी एक आरोपी हो चुका है गिरफ्तार, दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

तोशाम। बंद मकान का ताला तोड़कर सामान और बर्तन चोरी करने के मामले में तोशाम थाना पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई पानी की टोंटियां और बर्तन बरामद किए हैं।

इस मामले में इससे पहले एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। पुराने मकान का ताला तोड़कर की थी चोरी पुलिस के अनुसार, तोशाम निवासी पवन ने थाना तोशाम में शिकायत दर्ज करवाई थी कि अज्ञात व्यक्ति उसके पुराने मकान का ताला तोड़कर वहां से



सामान और बर्तन आदि चोरी करके ले गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

कैरू मोड़ से दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक भिवानी मयंक मिश्रा के निर्देश पर चोरी की वारदातों में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई करते हुए 23 नवंबर 2026 को एएसआई नरेंद्र कुमार की टीम ने कैरू मोड़, तोशाम से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करण पुत्र राजू निवासी पटौदी और मोनू पुत्र सुरेंद्र निवासी तोशाम के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मकान से चोरी की गई पानी की टोंटियां और बर्तन बरामद किए हैं।

पहले एक अन्य आरोपी भी हो चुका है गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, इस मामले में इससे पहले सुनील नामक एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। दोनों नए आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जिला कारागार भेजने के आदेश दिए गए।

कार खरीदने वालों को लगेगा झटका, टाटा मोटर्स और ऑडी ने बढ़ाई कीमतें; दिसंबर और जनवरी से होंगी लागू

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) और ऑडी इंडिया ने मंगलवार को अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया। कंपनियों ने इसके पीछे उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल और अन्य इनपुट की बढ़ती लागत को वजह बताया है। इससे पहले मारुति सुजूकी ने भी मंगलवार को शेयर बाजार को जानकारी दी थी कि वह अपने कुछ चुनिंदा मॉडल की कीमतें बढ़ाने जा रही है। कंपनी ने औसत आधार पर कीमतों में करीब 0.31 फीसदी की बढ़ोतरी की है, जो 22 नवंबर से लागू हो गई है। टीएमपीवी अपने पेट्रोल-डीजल और इलेक्ट्रिक वाहनों की पूरी रेंज की कीमतों में औसतन 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी। नई कीमतें 1 दिसंबर 2026 से लागू होंगी। हालांकि, कीमतों में बढ़ोतरी सभी कारों पर एक समान नहीं होगी। अलग-अलग मॉडल और उनके वेरिएंट के हिसाब से कीमतें बढ़ाई जाएंगी। कंपनी ने कहा कि उत्पादन लागत में लगातार हो रही बढ़ोतरी के असर को कुछ हद तक कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है। कंपनी अब तक लागत बढ़ने का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही थी लेकिन अब इसका कुछ बोझ ग्राहकों पर भी डाला जाएगा। जर्मनी की लक्जरी कार निमार्ता कंपनी ऑडी ने भी अपनी सभी कारों की कीमतों में 2 फीसदी तक बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। नई कीमतें 1 जनवरी 2027 से लागू होंगी। ऑडी इंडिया के ब्रांड निदेशक बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि कारोबार को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी जरूरी हो गई थी। कंपनी के मुताबिक, उसने कीमतों में बढ़ोतरी को सीमित रखने की कोशिश की है। साथ ही, ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने पर भी उसका ध्यान बना रहेगा। मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड ने 22 नवंबर को शेयर बाजार को बताया था कि वह अपने कुछ चुनिंदा कार मॉडल की कीमतें बढ़ा रही है। यह बढ़ोतरी उसी दिन से लागू हो गई। कंपनी ने कीमतों में औसतन करीब 0.31 फीसदी की बढ़ोतरी की है। यह औसत बढ़ोतरी कारों की बिक्री की मात्रा के आधार पर निकाली गई है। कंपनी ने लगातार बढ़ रही लागत को इस फैसले की वजह बताया है। कारों की कीमतों में बढ़ोतरी के ये फैसले ऐसे समय में आए हैं, जब वाहन कंपनियां उत्पादन से जुड़ी बढ़ती लागत का सामना कर रही हैं। कंपनियों के सामने एक तरफ कच्चे माल और अन्य इनपुट की बढ़ती कीमतों का दबाव है

बीजपुर में चोरों का आतंक, एक के बाद एक वारदात, पुलिस की गश्त पर उठे गंभीर सवाल

समाज जागरण/ सन्तोष कुमार



बीजपुर/ सोनभद्र। बीजपुर क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। चोर लगातार वारदातों को अंजाम देकर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। ताजा मामला बेड़िया हनुमान मंदिर के पास का है, जहां रात में खड़े ट्रैक्टर में लगी बैटरी चोर निकालकर ले गए। लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्रवासियों में चिंता और नाराजगी बढ़ रही है। जानकारी के मुताबिक नीलम देवी, रामबली जायसवाल और अर्जुन जायसवाल सेवकाडाड़ से लौटने के बाद रात करीब 12:30 बजे ट्रैक्टर खड़ा किए थे। इसके बाद रात एक से दो बजे के बीच चोर ट्रैक्टर में लगी बैटरी निकालकर चोरी कर ले गए। घटना के बाद बेड़िया मंदिर के बगल में स्थित अजय गुप्ता दुकान पर सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई, लेकिन कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका। गौरतलब है कि हाल ही में रामसजीवन जायसवाल के घर भी लाखों रुपये की चोरी हुई थी। बताया गया कि उस घटना में करीब आठ लाख रुपये की संपत्ति चोरी हुई थी। एक के बाद एक चोरी की वारदातें सामने आने के बावजूद घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। आखिर बीजपुर क्षेत्र में रात्रि गश्त की व्यवस्था कितनी प्रभावी है? लगातार चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस की सक्रियता जमीन पर क्यों नहीं दिखाई दे रही है? क्या चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस कोई ठोस रणनीति बनाएगी, या क्षेत्र के लोग इसी तरह चोरों के भय में जीने को मजबूर रहेंगे? क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाएं अब केवल अपराध का मामला नहीं, बल्कि स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था के प्रति लोगों के भरोसे की भी परीक्षा बनती जा रही हैं।

बभनी में जय बड़ादेव सेवा समिति ट्रस्ट के कार्यालय का भव्य उद्घाटन, समाजसेवियों को मिले नियुक्ति पत्र

समाज जागरण



सोनभद्र। बभनी मेन रोड स्थित बैरियर पर मंगलवार को जय बड़ादेव सेवा समिति ट्रस्ट (आदिवासी सेवा समिति), जनपद सोनभद्र के नवनिर्मित ब्लॉक कार्यालय का उद्घाटन समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यालय का उद्घाटन ट्रस्ट के संस्थापक जय मंगल उरेती ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्षेत्र के समाजसेवियों, ग्रामवासियों और गणमान्य लोगों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। समारोह के दौरान समिति की ओर से समाजहित में कार्य करने वाले समाजसेवियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए। संस्थापक जय मंगल उरेती ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कार्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समाज में एकता को मजबूत करना, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज के लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं का संरक्षण करने के साथ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करना समिति की प्राथमिकता है। समाज के विकास और उत्थान के लिए सभी लोगों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से आदिवासी समाज को मजबूत बनाने के लिए समिति निरंतर प्रयास करेगी। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक एकता बनाए रखने के लिए सभी से सहयोग एवं समर्पण की अपील की। उपस्थित लोगों ने कार्यालय की स्थापना को समाज के संगठन, जागरूकता और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया तथा समाज के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर सत्यनारायण पनिका, नीरज सिंह मरकाम, हीरालाल खेरवार, सुखाई सिंह पोया, रामाशंकर ओलको, रामसुन्दर मराबी, प्रदीप कुमार मरकाम, दया पोर्ते, विकास मरकाम, सुरेंद्र मरकाम, बाबई मरकाम, शेर सिंह आयाम, शेर सिंह मरकाम, रामकरण नेताम, दीपक पोर्ते, शिवकुमार आयाम, प्रभुनारायण खरवार, सरिता आयाम, मुन्ना लाला भुइयां, राजेश श्यामले, नन्द कुमार खरवार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बभनी, राम कुमार और बाबूलाल आश्रम सहित बड़ी संख्या में माताएं-बहनें, युवा एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यालय उद्घाटन के साथ ही समिति ने क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों और जनसेवा कार्यों को गति देने की दिशा में नई पहल शुरू की।

एस.आर. प्लैटिनम इंग्लिश स्कूल में धूमधाम से मनाई गई देव दीपावली

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। एस.आर. प्लैटिनम इंग्लिश स्कूल, हरहुआ में देव दीपावली का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



विद्यालय परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को यादगार बना दिया।

विद्यालय के निदेशक कौशलेन्द्र नारायण सिंह ने सभी को देव दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। साथ ही, विद्यार्थियों में संस्कार, एकता और सामाजिक मूल्यों का विकास करते हैं।

देव दीपावली पर दीपो से रोशन हुआ रामेश्वर वरुणा घाट

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। पंचक्रोशी मार्ग पर स्थित रामेश्वर वरुणा घाट पर मंगलवार को देव दीपावली मनाई गई। लोगों ने हजारों दीपों से घाट को रोशन किया। विद्युत झालरों की सतरंगी छटा बिखर रही थी। संस्थाओं ने भी दीपदान किया।



वहीं, श्रद्धालुओं ने कार्तिक पूर्णिमा पर वरुणा में स्नान कर पूजन अर्चन किया।महंत पंडित अन्नू तिवारी ने मंदिर में सविधि पूजन किया। रामेश्वर घाट की आभा को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी रही। नव युवा समिति के युवाओं ने दीप जलाए और वरुणा की आरती की। रामेश्वर वरुणा घाट पर क्षेत्र के युवाओं ने भी दीपदान किया। इस दौरान सांस्कृतिक संध्या में विविध आयोजन हुए। राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती, मां काली, हनुमान जी व महिषासुर मर्दिनी की झांकी सजाई गई और नृत्य नाटिका की मोहक प्रस्तुति हुई। इस दौरान सुरक्षा को देखते हुए जंसा पुलिस तैनात रही।

सामाजिक समरसता के प्रतीक गुरु नानक जी

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। स्थानीय राजेश्वरी बालिका इंटर कॉलेज एवं एस. आर. प्लैटिनम स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में प्रकाश पुंज गुरु नानक जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर प्रबंधक कौशलेंद्र नारायण सिंह ने पुष्प अर्पित कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी ।

इस अवसर पर प्रबंधक ने कहा कि गुरु नानक सिख धर्म के संस्थापक, प्रथम गुरु, समाज सुधारक, आध्यात्मिक और नैतिक मार्गदर्शक, कवि एवं उत्कृष्ट राष्ट्र नायक थे । आपने समाज में समरसता, सकारात्मक एवं मानवीय मूल्यों की सदैव वकालत की है । आपके विचार राष्ट्र की प्राण प्रतिष्ठा का केंद्र बिंदु है ।



विद्यालय के प्रधानाचार्य शेर बहादुर विश्वकर्मा ने कहा वे कि अज्ञानता से ज्ञान की तरफ बढ़ना ही प्रकाश पर्व है। एस. आर. प्लैटिनम की तरफ से देवांश राय ने कहा कि गुरु नानक जी सामाजिक भेद भाव को दूर कर जनमानस में समरसता का भाव प्रकट किया हैं ।

उक्त कार्यक्रम में विद्यालय की व्यवस्थापिका डॉ0 सीमा राय ने आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि गुरु नानक सच्चे आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक के रूप में आज भी प्रासंगिक है।

इस अवसर पर डॉ0 सर्वदेव सिंह एवं समस्त स्टाफ गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अशोक सिंह ने किया।

जनचौपाल में विधायक ने सुनीं क्षेत्रवासियों की समस्याएं, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। विधानसभा क्षेत्र अजगरा के आयर मंडल अंतर्गत बूथ संख्या 188, शिवरामपुर में संगठन के निदेर्शानुसार आयोजित जनचौपाल कार्यक्रम में विधायक त्रिभुवन राम ने सम्मिलित होकर क्षेत्रवासियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना उसके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जनचौपाल के दौरान विधायक त्रिभुवन राम ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी तथा पात्र लाभार्थियों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने एवं युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नव मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ने हेतु फॉर्म-6 भरवाया गया। इस अवसर पर भाजपा वाराणसी के



जिला उपाध्यक्ष रामप्रकाश सिंह 'बीरू' आयर मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल, मंडल महामंत्री राहुल रघुवंशी, शक्तिकेंद्र संयोजक आकाश सिंह, सम्मानित बूथ अध्यक्षगण अमित पटेल, राजेश भारद्वाज, विंध्यवासिनी चौबे, अभिषेक सिंह, रामप्रसाद चौहान, श्यामबहादुर भारद्वाज, अजय पटेल, उमेश सिंह, ग्राम प्रधान विपिन प्रसाद, बीएलओ सहित अन्य सम्मानित पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनना, सरकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाना और उनका समाधान सुनिश्चित करना हमारी प्रतिबद्धता है को दुहराया।

आरसेटी के प्रशिक्षण से साकार हो रहे आत्मनिर्भरता के सपने, पांच लाभार्थियों ने स्थापित किए अपने स्वरोजगार

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। ग्रामीण बेरोजगार युवक-युवतियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में यूनियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI), वाराणसी की पहल सार्थक परिणाम दे रही है। संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना व्यवसाय स्थापित करने वाले पांच लाभार्थियों को बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्वरोजगार के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे इन लाभार्थियों में माया देवी ने अगरबत्ती निर्माण, खुशबू ने ब्यूटी पार्लर, बीरेन्द्र ने बकरी पालन तथा प्रीतम गुप्ता एवं सुशील ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित किया है।



इन सभी ने प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त कौशल एवं मार्गदर्शन को आजीविका के साधन में परिवर्तित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

इस अवसर पर यूनियन बैंक के डीजी सेंट्रल, डीजीएम वाराणसी, डीजी वाराणसी एवं अग्रणी जिला प्रबंधक (LDM), वाराणसी की गरिमामयी उपस्थिति रही। वरिष्ठ अधिकारियों ने लाभार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कौशल विकास एवं स्वरोजगार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में RSETI वाराणसी के निदेशक अम्बरीश कुमार मौर्य, फैकल्टी परवेश कुमार मौर्य एवं कार्यालय सहायक जय किशन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हरहुआ क्षेत्र में देव दीपावली पर्व पर हुआ दीपदान

लोकगीत कलाकारों ने भजन ,गजल, लोकगीत के गायन में झूमने का लगाया तड़का।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ ब्लाक क्षेत्र मेंदेव दीपावली पर्व पर मंगलवार को ग्रामीण क्षेत्र के नदी, मंदिरों, तालाबों और अमृत सरोवरों के किनारे दीपदान कर खुशियां मनाते हुए सनातन संस्कृति की रक्षा का सन्देश दिया।

वरूणा नदी के किनारे अनौरा, औसानपुर, चक्का, कोइराजपुर में तथा अमृत सरोवरों ,तालाबों के किनारे औरा, मुर्दहा, हरहुआ, अटेसुआसहित अन्य प्रधानों ने ग्रामीणों को साथ लेकर दीपदान किया।

भाजपा नेता कपिल नारायण पांडेय ,भाजपा हरहुआ मण्डल के अध्यक्ष आशुतोष मिश्रा'अजय' उपाध्यक्ष अरुणेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र गुप्ता व गंगा समग्र के चंद्रप्रकाश दुबे, मधुवन यादव ,दीपक चौहान ,राजनारायण पटेल ,भगत यादव ,आशीष राजभर ने



दीपदान करते हुए कहा कि दीपदान महोत्सव सनातन संस्कृति की रक्षा,आध्यात्मिक ,जागृति का संचार, नारी सशक्तिकरण, अमरजवान, देशभक्ति, बलिदान, पर्यावरण व जल संरक्षण की रक्षा, पारस्परिक प्रेम व समरसता,विरासत की परंपरा को गतिमान, वरूणा, अस्सी व गंगा की महिमा का गान व समृद्धि भारत, खुशहाल युवा,रचनात्मक दिशा का संचार जैसे सन्देश जनमानस को सात आयामों के साथ दिया। साथ ही संकल्प लिया कि देश की नदियों,जल स्त्रोत के स्थल ,गंगा समेत सभी को स्वच्छ रखने और प्राकृतिक सम्पदाओं की रक्षा ,जल संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण को रोकने का कार्य करेंगे।

क्षेत्र के अमृत सरोवर और देवालयों औरा, मुर्दहा, हरहुआ , बेदी, कुरौली ,राजापुर समेत अन्य तालाबों में दीपदान किया गया। प्रधान प्रतिनिधि औरा,संजय कुमार,मुर्दहा प्रधान रविन्द्र यादव ने मौनी बाबा मंदिर को झालरों, दूधिया लाइट से सजाकर दीपदान ग्रामीणों संग किया। ग्रीन आतिशबाजी कर लोगों ने खुशियों का इजहार किया वहीं जगह-जगह कलाकारों ने गीतों की बहार से लोगों को झूमने के लिए विवश कर दिया।

महाभारत कालीन मान्यताओं को समेटे अहिनवार धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

(डीसीपी)दक्षिणी के निर्देशन में पुलिस रही मुस्तैद, एसीपी राजेश कुमार सिंह ने मेला स्थल और स्नान घाटों का किया निरीक्षण

समाज जागरण

मोहनलालगंज। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर निगोहां क्षेत्र स्थित प्राचीन धार्मिक स्थल अहिनवार धाम में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भोर होते ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा। लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने धाम स्थित सप्त सरोवर में आस्था की डुबकी लगाई और प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पूरा धाम हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान रहा। मंदिर परिसर के आसपास लगे विशाल मेले में भी दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के चलते मेला शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।



महाभारत काल से जुड़ी हैं अहिनवार धाम की मान्यताएं

अहिनवार धाम केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि अपनी प्राचीन लोकपरंपराओं और ऐतिहासिक मान्यताओं के लिए भी क्षेत्र में विशेष पहचान रखता है। स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार इस पवित्र स्थल का संबंध महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान इस क्षेत्र में प्रवास किया था और यहां स्थित सप्त सरोवर में स्नान करने के बाद प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ की आराधना की थी। हालांकि इस मान्यता की स्वतंत्र ऐतिहासिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है, लेकिन पीढ़ियों से चली आ रही धार्मिक परंपरा ने इस स्थल को विशेष महत्व प्रदान किया है।धाम में स्थित सप्त सरोवर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि इस सरोवर में स्नान करने से त्वचा संबंधी बीमारियों से राहत मिलती है। इसी विश्वास के चलते कार्तिक पूर्णिमा पर यहां दूर-दराज के गांवों और जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालु सरोवर में स्नान कर प्राचीन शिवालय में जलाभिषेक करते हैं और भगवान भोलेनाथ से मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं।

छोटी दीपावली पर मिट्टी के बर्तन में रखा जाता है कच्चा दूध, एक साल बाद बनती है खीर

अहिनवार धाम की धार्मिक पहचान को और भी खास बनाती है यहां निभाई जाने वाली एक अनूठी परंपरा। स्थानीय मान्यता और परंपरा के अनुसार छोटी दीपावली के दिन मिट्टी के बर्तन में कच्चा दूध रखा जाता है। इसके बाद पूरे एक वर्ष तक इस परंपरा का निर्वहन किया जाता है। एक साल बाद निर्धारित अवसर पर मिट्टी के बर्तन में रखे दूध को निकालकर उससे विशेष खीर तैयार की जाती है। भगवान को भोग लगाने के बाद इस खीर को श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। इस अनूठी परंपरा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। धाम आने वाले भक्त इस प्रसाद को श्रद्धापूर्वक ग्रहण करते हैं। पीढ़ियों से चली आ रही यह परंपरा अहिनवार धाम की धार्मिक विरासत और स्थानीय लोकआस्था का अनूठा उदाहरण मानी जाती है।हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा को अत्यंत पुण्यदायी तिथि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध कर देवताओं को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। इसीलिए इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन पवित्र नदियों और सरोवरों में स्नान, दीपदान, दान-पुण्य तथा भगवान विष्णु और शिव की पूजा का विशेष महत्व है। इसी धार्मिक आस्था के चलते अहिनवार धाम में प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर विशाल मेले का आयोजन होता है।

मां कलेश्वरी के दरबार में भी उमड़े श्रद्धालु

वहीं मोहनलालगंज क्षेत्र के हुलासखेड़ा गांव स्थित प्राचीन आदिशक्ति मां कलेश्वरी देवी मंदिर में भी कार्तिक पूर्णिमा पर परंपरागत विशाल मेले का आयोजन हुआ। प्राचीन धार्मिक परंपरा के अनुसार सुबह से ही श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और प्रसाद चढ़ाकर माथा टेका। महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने मां कलेश्वरी से परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। स्थानीय लोगों में मान्यता है कि मां के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई मुराद अवश्य पूरी होती है।

कार्तिक पूर्णिमा मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज ने पुलिस टीम के साथ निगोहां थाना क्षेत्र स्थित अहिनवार धाम पहुंचकर मेला स्थल, मंदिर परिसर और स्नान घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की आवाजाही और भीड़ नियंत्रण का जायजा लेते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।वहीं एसीपी राजेश सिंह और निगोहां थाना प्रभारी रविंद्र कुमार पुलिस बल के साथ पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था संभालते नजर आए। पुलिसकर्मियों ने मंदिर परिसर, स्नान घाटों और प्रमुख रास्तों पर निगरानी बनाए रखी। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस टीम लगातार सक्रिय रही।इस प्रकार प्राचीन धार्मिक मान्यताओं, अनूठी लोकपरंपराओं और अटूट श्रद्धा के संगम के रूप में प्रसिद्ध अहिनवार धाम में कार्तिक पूर्णिमा का पर्व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। पुलिस प्रशासन की सतर्कता और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के चलते श्रद्धालुओं ने बिना किसी बाधा के स्नान, दर्शन और पूजा-अर्चना की।

कानपुर में लुटेरी दुल्हन गिरोह के 4 फरार सदस्यों की तलाश में छापे जारी, सुराग अब तक नहीं

लुटेरी दुल्हन समेत गोद लेने वाले मां-बाप, सगी मां, मौसी और मौसा पहले ही किया जा चुके गिरफ्तार

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। लुटेरी दुल्हन गिरोह मामले में पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है। इस मामले में अब तक लुटेरी दुल्हन समेत आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इसमें लुटेरी दुल्हन प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा और अर्रा केडीए कालोनी में रहने वाली सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी शामिल हैं। जबकि मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा अभी भी फरार हैं। उनकी तलाश में लगातार छापे मारे जा रहे हैं।

अवगत कराते चलें कि यह गिराह में भोले भाले युवकों को फंसा शादी करवाता था और फिर दुल्हन बनने वाली युवती के माध्यम से लाखों की नगदी जेवरात आदि लेकर रफू चक्कर हो जाती थी। पकड़ी गई लुटेरी दुल्हन अब तक तीन युवकों को शिकार बन चुकी है । इसके पहले कि वह चौथे युवक को भी अपना शिकार बनाने में सफल होती पुलिस ने उसे दबोच लिया था।

मिली जानकारी के मुताबिक तीसरी शादी कर 16 लाख के जेवरात और कैश लेकर फरार होने वाली लुटेरी दुल्हन प्रगति विश्वकर्मा चौथे युवक को शिकार बनाने की तैयारी में थी, जिसके साथ वह लिवइन रिलेशनशिप में रह रही थी।

वह पुलिस के हत्थे तब चढ़ी ज्ब मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस उसकी लोकेशन तलाशते हुए उसके ठिकाने पर पहुंची थी, जहां वह एक युवक के साथ मिली थी। पूछताछ में युवक ने बताया कि प्रगति करीब चार महीने से उसके साथ लिवइन में रह रही थी। दोनों जल्द ही शादी करने की प्लानिंग में थे। मतलब यह युवक उसका चौथा शिकार होने वाला था।

इसबीच गिरफ्त में आने के बाद पुलिस ने प्रगति के मोबाइल की जांच की तो उसके मोबाइल से तीनों पतियों की फोटो मिली, जिनको उसने अपना शिकार बनाया था। जिसके बाद बर्रा पुलिस ने जूही लाल कालोनी निवासी लुटेरी दुल्हन प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा और अर्रा केडीए कालोनी में रहने वाली सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी को गिरफ्तार कर लिया।

इनमें से अशोक और सीमा रिश्ते में प्रगति के मौसा-मौसी भी हैं। फिलहाल अब पुलिस फरार उसकी एक अन्य मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा समेत चार लोगों की की तलाश में दबिश दे रही हैं।

पुलिस के अनुसार ब्लाक विश्व बैंक निवासी आटो सर्वेयर विशाल विश्वकर्मा की शादी 18 मई 2025 को जूही लाल कालोनी निवासी प्रगति से गोविंद नगर के करन बैंक्वेट हाल में हुई थी। विशाल का आरोप है कि शादी के एक महीने बाद ही 18 जून 2026 को प्रगति करीब 15 लाख रुपये के जेवर और एक लाख रुपये लेकर मायके चली गई थी।

काफी तलाश और छानबीन के बाद उसे पता चला कि प्रगति पहले भी दो शादियां कर चुकी है और इसकी जानकारी उससे छिपाई गई। प्रगति की पहली शादी 20 मार्च 2017 को जूही के बारादेवी निवासी सोनू विश्वकर्मा से हुई थी। इसके बाद 23 जून 2017 को उसने इटावा निवासी सुमित बाथम से दूसरी शादी कर ली थी। फिलहाल पुलिस घटना में पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापे मार रही है।

रोशनदान तोड़कर मंदिरों में दाखिल हुए चोर

समाज जागरण

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए चोरों ने कोतवाली की चौकी से सटे प्राचीन कालेबीर मंदिर परिसर को निशाना बनाया। सोमवार रात बेखौफ चोरों ने मंदिर परिसर में स्थित तीन मंदिरों के सीमेंट से बने रोशनदान तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दानपात्रों में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई गई नकदी चोरी कर फरार हो गए। मंगलवार सुबह मंदिर पहुंचे पुजारी को घटना की जानकारी हुई तो मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया। चौकी के समीप हुई इस वारदात से क्षेत्रीय लोगों में पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी है।जानकारी के मुताबिक, सोमवार रात चोरों ने सबसे पहले प्राचीन कालेबीर मंदिर को निशाना बनाया। चोरों ने मंदिर के सीमेंट से बने रोशनदान को तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे दानपात्र को खंगाल डाला। इसके बाद चोरों ने मंदिर परिसर में स्थित संतोषी माता मंदिर और उसके अंदर बने बालाजी मंदिर को भी नहीं बख्शा। इन दोनों मंदिरों के रोशनदान



तोड़कर चोर अंदर दाखिल हुए और दानपात्रों में रखी नकदी समेटकर मौके से फरार हो गए। एक ही रात में तीन मंदिरों में चोरी की वारदात को अंजाम देकर चोरों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए।

मंगलवार सुबह जब पुजारी संतोष मंदिर पहुंचे तो उन्हें रोशनदान टूटे हुए और दानपात्रों से नकदी गायब मिली। मंदिर के अंदर का नजारा देखकर वह हैरान रह गए। इसके बाद उन्होंने मंदिर प्रबंधन को घटना की जानकारी दी। चोरी की सूचना मिलते ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भीड़ जुटने लगी।मंदिर प्रबंधक देवेंद्र पाण्डेय ने बताया कि प्राचीन कालेबीर मंदिर में इससे पहले भी चोरी की घटना हो चुकी है, लेकिन उस मामले का आज तक खुलासा नहीं हो सका। अब एक बार फिर चोरों ने मंदिर को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि कोतवाली की चौकी से सटे मंदिर परिसर में इस तरह की घटना होना पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।वहीं, मंगलवार सुबह मंदिर पहुंचे कोषाध्यक्ष विजय कुमार द्विवेदी ने पूरे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने तीनों मंदिरों के टूटे रोशनदान और क्षतिग्रस्त दानपात्रों को देखा। उन्होंने पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब पुलिस चौकी के आसपास ही धार्मिक स्थल सुरक्षित नहीं हैं तो कस्बे के अन्य इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है।

मंदिर में चोरी की खबर फैलते ही क्षेत्रीय श्रद्धालुओं में आक्रोश व्याप्त हो गया। लोगों ने धार्मिक स्थल को निशाना बनाए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की। श्रद्धालुओं ने पुलिस प्रशासन से मंदिर परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने, रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की घटना का जल्द खुलासा करने की मांग की। साथ ही आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई।इस संबंध में मोहनलालगंज इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह ने बताया कि मंदिर में चोरी के मामले में तहरीर मिली है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया जाएगा। साथ ही अज्ञात चोरों की तलाश की जाएगी और घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

योगी सरकार ने देव दीपावली पर परंपरा और तकनीक का संगम दिखाया

- दीपों से सजे घाटों ने काशी को पहनाया रोशनी का कंठहार
- 2100 मेक इन इंडिया ड्रोन से आसमान में उभरीं शिव, गंगा और काशी की आकृतियां
- ड्रोन शो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें भी उभरीं
- चेत सिंह घाट पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी ने मोहा मन

समाज जागरण

वाराणसी, 24 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देव दीपावली पर काशी ने अपनी सदियों पुरानी आध्यात्मिक परंपरा और आधुनिक तकनीक के मेल से दुनिया को संस्कृति और नवाचार का संदेश दिया। गंगा के घाटों पर दीपों की अविरल श्रृंखला ने काशी को रोशनी का कंठहार पहना दिया, वहीं आसमान में ड्रोन शो, ऐतिहासिक इमारतों पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग और गंगा पार ग्रीन आतिशबाजी ने आयोजन की भव्यता को नया आयाम दिया। पहली बार आयोजित



ड्रोन शो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें भी प्रदर्शित की गईं।

एक ओर गंगा तट पर लाखों दीप सनातन परंपरा और आस्था का संदेश दे रहे थे, तो दूसरी ओर आधुनिक तकनीक के जरिए काशी की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नए रूप में प्रस्तुत किया गया। दीपों की रोशनी, संगीत और तकनीक के इस संगम ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए देव दीपावली को यादगार बना दिया।

2100 मेक इन इंडिया ड्रोन से आसमान में उभरी काशी की विरासत

देव दीपावली पर गंगा पार का रेतीला क्षेत्र पहली बार 2100 मेक इन इंडिया ड्रोन से आयोजित भव्य प्रदर्शन का साक्षी बना। करीब 10 मिनट चले इस शो में थ्री-डी एनिमेशन तकनीक के माध्यम से ड्रोन ने आसमान में 15 अलग-अलग आकृतियां बनाईं। रोशनी के बिंदुओं को आपस में जोड़कर विभिन्न आकृतियां और संरचनाएं तैयार की गईं। हिंदी में वॉयस ओवर के जरिए दर्शकों को इन दृश्यों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी बताया गया। आसमान में भगवान शिव, महेश्वर सूत्र, संगीतमय शिव तांडव और मां गंगा के अवतरण के दृश्य साकार हुए। इसके साथ ही श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, मां विशालाक्षी और काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव की आकृतियां भी उभरीं। संगीत और रोशनी के तालमेल ने काशी की आध्यात्मिक विरासत को आधुनिक तकनीक के जरिए जीवंत कर दिया।

अपराध समीक्षा बैठक में लंबित मामलों के निराकरण पर जोर, अवैध शराब की बिक्री का मुद्दा भी चर्चा में।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने अपराधों की थानावार समीक्षा कर समय-सीमा में कार्रवाई के दिए निर्देश-

बिजुरी में कथित पैकारी और मनमानी दरों पर शराब बिक्री को लेकर उठ रहे सवाल-

समाज जागरण अनूपपुर।
जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब की अध्यक्षता में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न अपराधों की थानावार समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की कवायद के बीच बिजुरी थाना क्षेत्र में कथित अवैध शराब पैकारी तथा शराब दुकानों पर मनमानी कीमतों में बिक्री का मुद्दा भी स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। बैठक के दौरान लंबित अपराधों, महिला संबंधी अपराधों, पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों, लंबित मर्ग एवं चालानों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने चिन्हित अपराधों और महिला संबंधी मामलों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ लेते हुए उनका शीघ्र निराकरण करने पर जोर



दिया। साथ ही एससी-एसटी राहत प्रकरणों एवं लंबित चालानों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा पॉक्सो एक्ट के मामलों और स्थायी वारंटों की अधिकाधिक तामीली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। थाना प्रभारियों को सीएम हेल्पलाइन एवं समाधान ऑनलाइन की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने, चरित्र सत्यापन और पासपोर्ट सत्यापन निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। निगरानी बदमाशों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने, एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा रात्रि गश्त के पॉइंट बढ़ाकर पुलिस की सक्रियता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने अनसुलझे हत्या एवं बलात्कार के मामलों का शीघ्र निराकरण करने, धारा 173 (8) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की विवेचना पूर्ण करने तथा स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटों की अधिकाधिक तामीली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साइबर अपराधों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश- साइबर अपराधों की समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि मोबाइल गुम होने अथवा साइबर अपराध संबंधी शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जाए। इसके साथ ही ई-जीरो एफआईआर एवं ई-एफआईआर के माध्यम से नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर राहत मिल सके। पुलिस कार्यप्रणाली की नियमित निगरानी के लिए समस्त अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों को प्रतिदिन थाना प्रभारियों के कार्यों की समीक्षा करने तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को प्रत्येक दो दिवस में थाना प्रभारियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, एसडीओपी पुष्पराजगढ़ दीपक मरावी, डीएसपी एन.एस. ठाकुर, रक्षित निरीक्षक ज्योति दुबे, समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

बिजुरी में कथित अवैध शराब पैकारी और मनमानी बिक्री पर सवाल- जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस महकमे की समीक्षा बैठक के बीच बिजुरी थाना क्षेत्र में कथित रूप से संचालित अवैध शराब पैकारी तथा शराब दुकानों पर निर्धारित दरों से अधिक कीमत में बिक्री का मामला भी अहम बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर शराब ठेकेदार के कथित कर्मचारियों एवं गुर्गों के माध्यम से शराब की पैकारी कराई जा रही है। वहीं, शराब दुकानों में मूल्य सूची प्रदर्शित किए बिना मनमानी कीमतों पर शराब बेचे जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इन शिकायतों की पुष्टि होती है, तो यह आबकारी नियमों के उल्लंघन के साथ-साथ क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और निगरानी व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय है। ऐसे में अपराध समीक्षा बैठक के दौरान अवैध शराब की बिक्री और पैकारी जैसे मुद्दों पर किसी विशिष्ट कार्रवाई का उल्लेख नहीं होने से लोगों के बीच सवाल उठ रहे हैं।

हालांकि, पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस नोट में बिजुरी क्षेत्र की कथित अवैध शराब पैकारी अथवा मनमानी कीमतों पर बिक्री के संबंध में किसी विशेष कार्रवाई का उल्लेख नहीं किया गया है। इसलिए इन शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है।

क्षेत्रवासियों की अपेक्षा है कि पुलिस एवं आबकारी विभाग संयुक्त रूप से शराब दुकानों की बिक्री व्यवस्था, मूल्य सूची और कथित पैकारी पर प्रभावी निगरानी रखें। यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगे और आम नागरिकों का कानून-व्यवस्था पर विश्वास मजबूत हो।

अमरकंटक से सात दिवसीय मैकल परिक्रमा का शुभारंभ

गूंजें मां नर्मदा के जयकारे

समाज जागरण विजय तिवारी
अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा की भक्ति, सेवा और समर्पण के भाव को लेकर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली सात दिवसीय मैकल परिक्रमा का आयोजन इस वर्ष भी भव्य रूप से किया जा रहा है। पृथ्वी की परिक्रमा के स्वरूप में आयोजित होने वाली इस धार्मिक यात्रा का शुभारंभ 24 नवंबर 2026, मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर हुआ। श्रद्धालु, संत-महात्मा एवं धर्मप्रेमीजन शामिल होकर मां नर्मदा की आराधना और संकीर्तन किया।यात्रा का शुभारंभ अमरकंटक स्थित मां नर्मदा मंदिर के गणेश धुना से हुआ। सात दिनों तक चलने वाली इस परिक्रमा में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों से होकर श्रद्धालु गुजरेंगे। यात्रा के दौरान जगह-जगह बालभोग, संकीर्तन, भजन-कीर्तन, प्रसादी एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था रहेगी।

सात दिनों का निर्धारित यात्रा कार्यक्रम
आयोजन समिति द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 24 नवंबर को गणेश धुना, मां नर्मदा मंदिर अमरकंटक से



यात्रा प्रारंभ होकर जामुन (करंजिया) पहुंचेगी, जहां बालभोग, संकीर्तन एवं प्रसादी का आयोजन किया गया। 25 नवंबर को यात्रा पकरी सोंधा खनन (करंजिया) पहुंचेगी। 26 नवंबर को जलेश्वर धाम अमरकंटक में बालभोग, विश्राम एवं प्रसादी का कार्यक्रम निर्धारित है। 27 नवंबर को यात्रा छत्तीसगढ़ के पकरिया गैरला पहुंचेगी, जहां श्रद्धालुओं के लिए बालभोग, संकीर्तन एवं प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। 28 नवंबर को माई मंडवा डांडगांव (छत्तीसगढ़) में धार्मिक आयोजन होंगे। वहीं 29 नवंबर को यात्रा आमानडोंग (छत्तीसगढ़) पहुंचेगी, जहां भजन-कीर्तन, संकीर्तन एवं प्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 30 नवंबर, सोमवार को सात दिवसीय मैकल परिक्रमा का समापन अमरकंटक स्थित गणेश धुना में होगा। समापन अवसर पर भव्य भजन संध्या, कन्या भोजन, नगर भ्रमण एवं प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

संतों के संरक्षण में हो रहा धार्मिक आयोजन
इस सात दिवसीय मैकल परिक्रमा के यात्रा संरक्षक मां नर्मदा सीताराम महाराज (1008), परमहंस संत, अमरकंटक धाम, जिला अनूपपुर हैं। वहीं यात्रा संयोजक श्री श्री संत भगवानदास जी महाराज, गणेश धुना अमरकंटक हैं।

खड़े ट्रकों के पीछे दम तोड़ रही जिंदगियां, आखिर कब जागेगा अनूपपुर का यातायात विभाग ?

छूलहा सड़क हादसे में तीन मौतों के बाद यातायात व्यवस्था पर गंभीर सवाल, यातायात प्रभारी की कार्यप्रणाली और पुलिस अधीक्षक की जवाबदेही भी कठघरे में

सड़क किनारे बेतरतीब खड़े भारी वाहन बन रहे मौत का कारण, क्या यातायात विभाग की प्राथमिकता व्यवस्था सुधारना है या केवल वसूली तक सीमित रह गई है कार्रवाई?

समाज जागरण
अनूपपुर। जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत छूलहा गांव के पास सोमवार सुबह तेज रफ्तार जीप का सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसना केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि जिले की बदहाल यातायात व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली घटना है। इस दर्दनाक हादसे में दो सगे भाइयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। मृतकों में सेना का जवान विनीत विश्वकर्मा भी शामिल है, जो दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर लौट रहा था। जिस घर में खुशियों की तैयारी होनी थी, वहां अब मातम पसरा है।

इस हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर अनूपपुर में यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाला विभाग कब अपनी जिम्मेदारी समझेगा? क्या जिले में सड़क किनारे नियम विरुद्ध खड़े भारी वाहनों पर कार्रवाई करने के लिए किसी और बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है? तीन मौतों के बाद भी क्या यातायात विभाग की नींद खुलेगी? जिले की प्रमुख सड़कों, नगर के प्रवेश मार्गों और व्यस्त मार्गों पर भारी वाहन तथा अन्य वाहन अक्सर सड़क किनारे खड़े दिखाई देते हैं। कई स्थानों पर इनके कारण आवागमन बाधित होता है और रात के समय दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यदि खड़े वाहनों पर पर्याप्त रिफ्लेक्टर, पार्किंग



लाइट और चेतावनी संकेत नहीं हैं तो स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। छूलहा हादसे में कोतवाली थाना प्रभारी के अनुसार ट्रक का रिफ्लेक्टर बंद था। यदि यह तथ्य जांच में प्रमाणित होता है तो यह भी जांच का विषय है कि सड़क पर खड़े भारी वाहन की सुरक्षा संबंधी व्यवस्था की जांच किस अधिकारी की जिम्मेदारी थी और ऐसी लापरवाही पर पहले क्या कार्रवाई की गई? यातायात व्यवस्था या वसूली व्यवस्था, जवाब कौन देगा? जिले में यातायात विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नागरिकों के बीच असंतोष और सवाल लगातार सामने आते रहे हैं। आरोप हैं कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने, अवैध पार्किंग रोकने, भारी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय विभागीय अमले की सक्रियता कई बार वाहन चालकों की जांच और चालानी कार्रवाई तक सिमट जाती है। यह भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं कि यातायात विभाग के कुछ कर्मचारियों की प्राथमिकता यातायात नियंत्रण के बजाय कथित अवैध वसूली और एंट्री व्यवस्था पर अधिक केंद्रित है। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। यदि इनमें सच्चाई है तो यह केवल विभागीय अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। सवाल यह भी है कि यातायात प्रभारी ने अब तक सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के विरुद्ध कितने प्रभावी अभियान चलाए? कितने वाहन हटवाए गए? कितने वाहन मालिकों पर कार्रवाई हुई? और कितने स्थानों को दुर्घटना संभावित क्षेत्र मानकर सुरक्षित किया गया? पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर की जवाबदेही तय होनी चाहिए जिले की कानून व्यवस्था और यातायात सुरक्षा की निगरानी करना पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को स्पष्ट करना चाहिए कि यातायात प्रभारी के कार्यों की नियमित समीक्षा किस आधार पर की जा रही है? क्या विभागीय कर्मचारियों को उनके मूल दायित्वों के अनुरूप तैनात किया गया है या यातायात नियंत्रण के महत्वपूर्ण कार्यों से उन्हें अलग रखा गया है? जिला कलेक्टर को भी सड़क सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था के समन्वय के लिए संबंधित विभागों की जवाबदेही तय करनी चाहिए। यदि यातायात प्रभारी अपने दायित्वों के निर्वहन में लगातार लापरवाही कर रहे हैं तो क्या उनके विरुद्ध विभागीय जांच और जवाबदेही तय करने की कार्रवाई होगी? पुलिस अधीक्षक क्या केवल अधीनस्थ अधिकारियों से जवाब मांगेंगे या स्वयं भी यातायात व्यवस्था की जमीनी समीक्षा करेंगे?

अब केवल जांच नहीं, ठोस कार्रवाई की जरूरत छूलहा की दुर्घटना के बाद प्रशासन को कुछ बुनियादी कदम तत्काल उठाने चाहिए,प्रमुख सड़कों और दुर्घटना संभावित स्थानों पर खड़े भारी वाहनों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।रात के समय सड़क किनारे खड़े वाहनों में रिफ्लेक्टर, पार्किंग लाइट और चेतावनी संकेत अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किए जाएं।ट्रक एवं अन्य भारी वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल चिह्नित किए जाएं।यातायात विभाग के कर्मचारियों की तैनाती और कार्यप्रणाली की समीक्षा कराई जाए। कथित अवैध वसूली एवं एंट्री के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। यातायात प्रभारी के कार्यों की जवाबदेही तय करते हुए नियमित निरीक्षण और सार्वजनिक कार्रवाई रिपोर्ट जारी की जाए। क्या तीन मौतों के बाद बदलेगी व्यवस्था? छूलहा हादसे में तीन परिवारों ने अपने अपनों को खो दिया। एक जवान अपने घर और परिवार के बीच पहुंचने से पहले ही मौत का शिकार हो गया। यह दुर्घटना केवल मृतकों के परिवारों का दर्द नहीं, बल्कि पूरे जिले के लिए चेतावनी है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस हादसे के बाद जिला प्रशासन और पुलिस विभाग अपनी जिम्मेदारी समझते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करेंगे? क्या पुलिस अधीक्षक यातायात प्रभारी की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर जवाबदेही तय करेंगे? क्या कलेक्टर सड़क किनारे अवैध पार्किंग और भारी वाहनों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए ठोस निर्देश जारी करेंगे? या फिर कुछ दिनों तक जांच और कार्रवाई की औपचारिकता पूरी होने के बाद सब कुछ पहले की तरह चलता रहेगा और लोग इसी तरह सड़क किनारे खड़े ट्रकों के पीछे अपनी जान गंवाते रहेंगे? अब अनूपपुर की जनता को आश्वासन नहीं, सुरक्षित सड़कें चाहिए तीन जिंदगियों की कीमत पर भी यदि प्रशासन की नींद नहीं खुलती तो यातायात व्यवस्था की जवाबदेही तय करने का सवाल और गंभीर हो जाएगा।

सरकार की बढ़ती उधारी के बीच बॉन्ड की मांग में कमी, आरबीआई ने डीलरों से बाजार में नकदी बढ़ाने को कहा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर रोहित जैन ने आज कहा कि प्राथमिक डीलरों को सरकारी बॉन्ड के द्वितीयक बाजार में नकदी बढ़ाने के लिए अधिक प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी बॉन्ड की नीलामी में डीलरों को मौजूदा बाजार स्थितियों के अनुसार जिम्मेदारी से बोलियां लगानी चाहिए। जैन ने बताया कि पिछले 12 महीनों में शीर्ष 5 सरकारी प्रतिभूतियों का कुल कारोबार में 72 फीसदी हिस्सा रहा। इनमें 10 साल की बेंचमार्क बॉन्ड सबसे आगे रही। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों की बढ़ती उधारी के कारण ब्याज दरों में मामूली बढ़ोतरी भी सरकार का खर्च बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण सरकारी उधारी की लागत और स्थिरता प्रभावित हो रही है। लंबी अवधि के बॉन्ड खरीदने की संस्थागत क्षमता सीमित है और सरकारी प्रतिभूतियों की मांग भी घट रही है। मार्च 2026 के अंत तक सरकारी प्रतिभूतियों में वाणिज्यिक बैंकों की हिस्सेदारी 35 फीसदी थी। बीमा कंपनियां और पेंशन फंड भी लंबे समय से इनके प्रमुख खरीदार रहे हैं। हालांकि लंबी अवधि के बॉन्ड में इनकी और बैंकों की मांग घटी है। बीमा कंपनियां और पेंशन फंड अब शेयरों में निवेश बढ़ा रहे हैं। जैन ने कहा, ह्यपरिसंपत्ति प्रबंधक और अन्य निवेशक भी बॉन्ड की अवधि, नकदी और बाजार मूल्य के जोखिम को लेकर सतर्क हैं। ब्याज दरों में अनिश्चितता के कारण सरकार के लिए आकर्षक दरों पर लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करना मुश्किल हो सकता है।

मुंबई में प्राइमरी डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सरकारी प्रतिभूति बाजार



मजबूत करने के लिए बेहतर कर्ज प्रबंधन, पारदर्शी नीलामी कैलेंडर और लंबी अवधि के संस्थागत निवेशकों की भागीदारी जरूरी है।

जैन ने कहा कि कुछ मौकों पर प्राथमिक डीलरों ने नीलामी में गारंटी देने के लिए ऐसी कीमतों पर बोलियां लगाईं जो बाजार के अनुरूप नहीं थीं। उन्होंने डीलरों से जिम्मेदारी के साथ बोलियां लगाने और नीलामी सफल बनाने को कहा। द्वितीयक बाजार में केंद्र सरकार की निश्चित अवधि वाली प्रतिभूतियों के कारोबार में प्राथमिक डीलरों की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। ट्रेजरी बिल में यह 45 फीसदी और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में 50 फीसदी है। प्राथमिक डीलर मुख्य नीलामी से पहले सरकारी बॉन्ड के एक हिस्से को खरीदने की गारंटी देते हैं। इससे निवेशकों की मांग कमजोर होने पर भी सरकार की उधारी योजना पूरी हो पाती है। केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों की प्राथमिक नीलामी में डीलरों की भागीदारी वित्त वर्ष 2025 के 65 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 2026 में 54 फीसदी रह गई। वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में यह बढ़कर 58 फीसदी हुई। राज्य सरकार की प्रतिभूतियों की नीलामी में उनकी भागीदारी 45 फीसदी से घटकर 41 फीसदी रही।

देश में 21 प्राथमिक डीलर हैं जिनमें 7 स्वतंत्र और 14 बैंक के स्वामित्व वाले हैं। जैन ने बताया कि वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में 5 साल तक और 15 साल से अधिक की परिपक्वता वाली प्रतिभूतियों का कारोबार में हिस्सा करीब 7-7 फीसदी रहा। राज्य सरकार की प्रतिभूतियों का हिस्सा केवल 5 फीसदी था। उन्होंने कहा कि बेंचमार्क प्रतिभूतियों की नीलामी की संख्या घटाने और प्रत्येक नीलामी में राशि बढ़ाने से नकदी की स्थिति सुधरी है। फिर भी दूसरे देशों के मुकाबले कारोबार कम है। प्राथमिक डीलरों को नियमित कारोबार नहीं होने वाली प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री की कीमतें बताकर बाजार में नकदी बढ़ानी चाहिए। जैन ने छोटे निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया।

रिजर्व फॉरेस्ट से लगी जमीन पर खुलेगी खदान छीना भालू का आशियाना रेलवे ट्रैक पर मिली मौत, बजरंग पावर बना कारण

समाज जागरण शहडोल
कोयले की खदानों के लिए जंगलों में बढ़ती गतिविधियां और वन्यजीवों के अस्तित्व का सवाल अब घुनघुटी क्षेत्र में आमने-सामने दिखाई देने लगा है। एक तरफ कोयला खदान आवंटन और पेड़ों की कटाई को लेकर विरोध के स्वर उठ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आरक्षित वन क्रमांक 307 में ट्रेन की ठोकर से एक भालू की मौत ने पूरे मामले को नई बहस में ला दिया है। अब इस घटना को लेकर ग्रामीण आंदोलनकारी ज्योति सिंह ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर बजरंग पावर कंपनी की खनन गतिविधियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि खदान के कारण भालू का प्राकृतिक रहवास उजड़ गया था और इसी वजह से वह भटकते हुए रेलवे लाइन तक पहुंचा।

जहां था भालू का आशियाना, वहीं पहुंच गई खदान

ज्योति सिंह ने अपने वीडियो में आरोप लगाया कि जिस क्षेत्र में कोल माइंस संचालित की जा रही है, वहां पहले भालू का प्राकृतिक रहवास था। भालू प्रतिदिन इसी इलाके में रहता था और पास स्थित तालाब में पानी पीने आता था। उनका आरोप है कि बजरंग पावर कंपनी की खनन गतिविधियों के चलते तालाब और उसके आसपास का क्षेत्र प्रभावित हुआ, जिससे भालू का आशियाना उजड़ गया।

ज्योति सिंह के मुताबिक, अपना पुराना रहवास छिनने के बाद भालू भटकने को मजबूर था। वह अपने पुराने ठिकाने की ओर लौटने के प्रयास में रेलवे लाइन की तरफ पहुंच गया। इसी दौरान रात करीब 8:30 बजे आने वाली ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। हालांकि, भालू के रेलवे लाइन तक पहुंचने के वास्तविक घटनाक्रम और खनन गतिविधियों से इसके संबंध की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

एक भालू की मौत नहीं, 16 सूअरों का भी उठाया मुद्दा

ज्योति सिंह ने अपने वीडियो में गिठौरी क्षेत्र की एक अन्य घटना का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि एकादशी के दिन रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से 16 जंगली सूअरों की मौत हुई थी। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं को उन्होंने वन्यजीवों के लिए बढ़ते खतरे से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं।

उनका कहना है कि जंगल में वन्यजीवों के रहने और पानी पीने के प्राकृतिक ठिकाने प्रभावित होंगे तो वे आखिर जाएंगे कहां? खनन गतिविधियों के विस्तार के बीच वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन और उनके प्राकृतिक रहवास को बचाने की जिम्मेदारी किसकी होगी?

वन विभाग की जांच, किस ट्रेन से हुई टक्कर

इधर घुनघुटी वन परिक्षेत्र के आरक्षित वन क्रमांक 307 में भालू की मौत के मामले में वन विभाग का अमला जांच में जुटा है। पाली एसडीओ दिगेंद्र पटेल सिंह ने बताया कि भालू की मौत ट्रेन की ठोकर से हुई है। विभाग यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि किस ट्रेन की चपेट में आने से भालू की जान गई।

कोयले का विकास या जंगलों का विनाश

घुनघुटी क्षेत्र में कोयला खदान आवंटन को लेकर पहले से ही जंगल और पेड़ों की कटाई का मुद्दा गर्म है।

अब भालू की मौत और आंदोलन कारी द्वारा लगाए गए आरोपों ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। हालांकि बजरंग पावर कंपनी पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र जांच और आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है, लेकिन सवाल महत्वपूर्ण है कि खनन गतिविधियों के बीच वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और सुरक्षित रास्तों को बचाने के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं।

विकास की योजनाओं में कोयला और बिजली की जरूरतों का अपना महत्व है, लेकिन क्या इसकी कीमत जंगलों में रहने वाले बेजुबान जीवों को चुकानी पड़ेगी।घुनघुटी के जंगल में रेलवे ट्रैक पर हुई भालू की मौत अब इसी बड़े सवाल को सामने खड़ा कर रही है।

शेख हसीना ने किया 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने का ऐलान, ढाका सरकार बोली: हथकड़ियों में होगी वापसी

भारत में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की 16 दिसंबर को स्वदेश लौटने की योजना है, जिस दिन यह देश 1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान पर अपनी विजय का उत्सव मनाता है। हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मिल अली ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्वदेश लौटने की तारीख की घोषणा करते हुए उनके प्रवक्ता ने बताया कि हसीना (79) ने बांग्लादेश सरकार से उनके लिए राष्ट्रीय विमानन कंपनी के विमान से दिल्ली से उनकी वापसी की व्यवस्था करने का आग्रह किया है।

इस बयान से ढाका में तीखी प्रतिक्रिया आई है और सरकार ने कहा है कि हसीना को ह्यहथकड़ियों मेंह्न वापस लाया जाएगा और उनके साथ वैसा ही बर्ताव किया जाएगा जैसा किसी दोषी भगोड़े के साथ किया जाता है। हसीना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने 9 और 19 नवंबर को उनके वकील द्वारा भेजे गए पत्रों से नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग से आवश्यक यात्रा दस्तावेजों का अनुरोध किया है। अली ने बयान में



कहा, हसीना ने संकेत दिया है कि उनकी वापसी 16 दिसंबर को बांग्लादेश के विजय दिवस पर होगी जो 1971 में मुक्ति संग्राम के समाप्त होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। शेख हसीना ने इस बात पर जोर दिया है कि वह बांग्लादेश की राष्ट्रीय विमानन कंपनी बिमान एयरलाइन से लौटेंगी। उन्होंने कहा, चूंकि शेख हसीना 5 अगस्त, 2024 को बांग्लादेश के विमान से भारत गई थीं, इसलिए उन्होंने सरकार से दिल्ली से ढाका तक उनकी वापसी के लिए विमान की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। अली ने कहा कि सरकार की उनकी वापसी सुगम बनाने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ह्यसंविधान के विपरीत उन्हें ऐसी परिस्थितियों में निर्वासित करने के बाद अब सरकार की जिम्मेदारी है कि 16 दिसंबर को विजय दिवस पर उनकी वापसी संभव बनाए।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती , सहभोज में शामिल हुए जायसवाल समाज के लोग

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जायसवाल समाज की ओर से भगवान श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ मनाई गई। विनोद जायसवाल के आवास पर इस अवसर पर समाज के लोगों ने भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने एकजुटता का संदेश देते हुए उनके आदर्शों और विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। जयंती समारोह के समापन के बाद सामूहिक सहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के लोगों ने एक साथ बैठकर भोजन किया।



कार्यक्रम के दौरान भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के जीवन और उनके आदर्शों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ ही नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और महापुरुषों के बारे में जानने का अवसर प्रदान करते हैं। समाज की एकता, आपसी सहयोग और भाईचारे को मजबूत बनाने में इस तरह के आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जयंती समारोह के बाद आयोजित सहभोज में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने आपसी मेलजोल और सौहार्द के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में संजीव गुप्ता, बैजनाथ जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल, नीरज जायसवाल, सुरेंद्र जायसवाल, संजय जायसवाल, सुमित कुमार, आयुष जायसवाल, सुरेश जायसवाल, प्रकाश जायसवाल, धर्मेंद्र जायसवाल, सोनू जायसवाल, विवेक जायसवाल, राजेश कुमार,प्रवेश जायसवाल, अभिषेक जायसवाल, संतोष जायसवाल, अरविन्द जायसवाल, अच्युत जायसवाल, चंदन जायसवाल, अनिरुद्ध जायसवाल, राजेंद्र जायसवाल, राजन जायसवाल, विनोद जायसवाल, नीरज कुमार जायसवाल, वैभव जायसवाल, बवुंदर जायसवाल, सुनील जायसवाल, मनीष जायसवाल सहित समाज के अन्य लोग शामिल रहे। समाज के लोगों ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन कर सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द और भाईचारे के संदेश के साथ हुआ।

पुलिस एवं अग्निशमन विभाग की पहल, रॉबर्ट्सगंज कस्बे के होटल एवं रेस्टोरेंटों में चलाया गया सघन अग्नि सुरक्षा अभियान।

समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) सोनभद्र ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 24.11.2026 को अग्नि शमन अधिकारी द्वारा कस्बा रॉबर्ट्सगंज में संचालित होटल एवं रेस्टोरेंटों में अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत सघन अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य होटल एवं रेस्टोरेंटों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों की कार्य शीलता सुनिश्चित करना तथा किसी भी आकस्मिक अग्नि दुर्घटना की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी बचाव कार्य हेतु संबंधित स्टाफ को प्रशिक्षित करना रहा। अभियान के दौरान होटल एवं रेस्टोरेंटों में स्थापित अग्निशमन उपकरणों का निरीक्षण करते हुए उनकी क्रियाशीलता का परीक्षण किया गया। अग्निशमन उपकरणों के सही तरीके से उपयोग एवं संचालन के संबंध में संबंधित प्रतिष्ठानों के स्टाफ को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही आग लगने की स्थिति में प्रारंभिक स्तर पर आग पर नियंत्रण पाने तथा अग्निशमन उपकरणों का प्रभावी उपयोग करने के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। अग्निशमन अधिकारी द्वारा प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को आग लगने के संभावित कारणों एवं उससे बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। विशेष रूप से धुएं से भरे भवन अथवा कमरे में फंस जाने की स्थिति में सुरक्षित बाहर निकलने, घबराहट से बचने, नीचे झुककर अथवा रेंगते हुए सुरक्षित स्थान तक पहुंचने तथा स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीके बताए गए।



इसके अतिरिक्त होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों तथा संबंधित स्टाफ को अग्नि सुरक्षा के आवश्यक मानकों का पालन करने, अग्निशमन उपकरणों को सदैव क्रियाशील एवं सुलभ स्थिति में रखने तथा आपात कालीन परिस्थितियों में सतर्कता एवं तत्परता से कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

चोरी के शक में युवक को खंभे से बांधकर चेहरे पर पोती कालिख-चूना, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्रवाई; चार आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के करारी गांव में चोरी के शक में एक युवक को खंभे से बांधकर उसके चेहरे पर कालिख और चूना पोतने का मामला अब नया मोड़ ले चुका है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया है।

दरअसल, 22 नवंबर 2026 को शाम करीब छह बजे करारी गांव में चोरी के शक को लेकर एक युवक के साथ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने की घटना हुई थी। इस



दौरान ग्रामीणों ने युवक को पकड़कर खंभे से बांध दिया था और उसके चेहरे पर कालिख व चूना पोत दिया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें युवक के चेहरे पर कालिख और चूना लगा दिखाई दे रहा है। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ भी जुटी नजर आ रही है। जानकारी के अनुसार, करारी गांव निवासी गोलू दुबे पुत्र रमाशंकर दुबे पर गांव के ही राजू यादव के घर में घुसकर चोरी करने का आरोप लगाया गया था। ग्रामीणों का दावा था कि युवक चोरी का सामान लेकर जा रहा था, तभी उसे पकड़ लिया गया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया था कि युवक पूर्व में कई चोरी की घटनाओं में पकड़ा जा चुका है। हालांकि चोरी के इन आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही होगी। इस मामले में पीड़ित की तहरीर पर 23 नवंबर को रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

विवेचना के दौरान प्रकाश में आए चार आरोपियों को पुलिस ने 24 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में ओम प्रकाश पुत्र राजनारायण, राजनारायण पुत्र रामउजेर, रामसनेही पुत्र स्वर्गीय सहदेव उर्फ बंटू और कुबेर पुत्र धर्मदेव शामिल हैं। चारों आरोपी करारी गांव के निवासी हैं। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रणजीत सिंह, चौकी प्रभारी नई बाजार, हेड कांस्टेबल अरविंद यादव और हेड कांस्टेबल अजय कुमार यादव शामिल रहे। इस पूरे घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

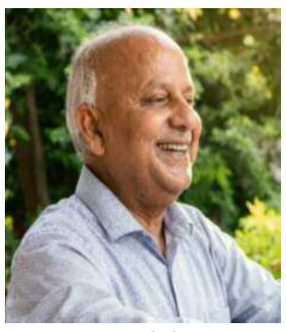
चोरी का शक होने पर युवक को पकड़ना और पुलिस के हवाले करना एक अलग बात है, लेकिन उसे खंभे से बांधकर चेहरे पर कालिख और चूना पोतकर सार्वजनिक रूप से अपमानित करना कानून व्यवस्था और मानवता दोनों पर सवाल खड़े करता है। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई के बाद मामला चर्चा में है। अब आगे की कानूनी प्रक्रिया पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

माध्यमिक शिक्षकों को मिलेगा कवच प्रशिक्षण, दो चरणों में होंगे 200 शिक्षक शामिल

-तीन दिवसीय प्रशिक्षण डायट राबर्ट्सगंज में 27 नवंबर से होगा शुरू

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा और संरक्षा को लेकर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए जिले में कवच मॉड्यूल पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), राबर्ट्सगंज में आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। इसमें राजकीय और अशासकीय सहायता प्राप्त



माध्यमिक विद्यालयों के कुल 200 नामित शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, प्रथम चरण का प्रशिक्षण 27, 28 और 30 नवंबर को होगा। वहीं, द्वितीय चरण का प्रशिक्षण एक से तीन दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक चरण में 100 शिक्षक दो बैचों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण का समय सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक निर्धारित किया गया है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तर प्रदेश के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम के लिए सभी संबंधित प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को नामित शिक्षकों की निर्धारित तिथियों पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण की सत्र योजना और अन्य व्यवस्थाओं के संचालन की जिम्मेदारी प्रशिक्षण प्रभारी एवं नोडल प्रवक्ता सौरभ सिंह को सौंपी गई है।

वरासत कराने के नाम पर आदिवासी परिवारों की जमीन धोखे से रजिस्ट्री कराने का आरोप, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

समाज जागरण

सोनभद्र। विकास खंड बभनी की ग्राम पंचायत बभनी के सड़कटोला में कई आदिवासी परिवारों की जमीन वरासत कराने के नाम पर धोखे से अपने नाम रजिस्ट्री कराने का आरोप दो लोगों पर लगा है। अधिकारियों से शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को प्रदर्शन कर जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के हरदेव और बंश बहादुर ने वरासत कराने का झांसा देकर कई आदिवासी परिवारों को दुद्धी तहसील ले जाकर वर्ष 2023 और 2024 में उनकी जमीन अपने लोगों के नाम रजिस्ट्री करा ली। आरोप के मुताबिक पहलू पुत्र देवनाथ की 13 बिस्वा, राजो पत्नी रामरतन की चार बीघा, रामरती पत्नी रीझन की 12 बिस्वा और उर्मिला पत्नी अजय कुमार की दो बीघा जमीन रजिस्ट्री कराई गई। वहीं लालती पत्नी रामदुलारे की जमीन भी अलग तरीके से अपने नाम कराने



का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जमीनों पर अब तक कब्जा नहीं हो पाया था। कुछ दिन पहले जब जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया गया, तब उन्हें रजिस्ट्री की जानकारी हुई। ग्रामीणों के अनुसार सभी जमीनें सड़क किनारे स्थित हैं, जिनकी कीमत करोड़ों रुपये में है। पीड़ितों ने बताया कि मामले की शिकायत तहसील समाधान दिवस में भी की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे परेशान ग्रामीणों ने रामनारायण और रमेश कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी से मामले की जांच कराने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पहलू, राजो, रामरती, ललीता देवी, उर्मिला, मोहन सिंह, टहलू गोंड़, अक्षय कुमार, रामलखन, उमेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस संबंध में हरदेव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सभी लोगों ने अपनी स्वेच्छा से जमीन दी है और उन पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। वहीं बंश बहादुर का मोबाइल फोन स्विच ऑफ होने के कारण उनका पक्ष नहीं मिल सका।

समाजसेवी कमलेश खांबे का हुआ नागरिक अभिनन्दन

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। शहीद स्थल करारी सोनभद्र व सोन संगीत फाउंडेशन की ओर से मंगलवार गुरू पूर्णिमा नानक देव की जयंती पर दौरान काव्य संध्या लेखनी पुस्तिका साहित्य कृति नकद धनराशि अंगवस्त्र माल्यार्पण से नागरिक अभिनन्दन समारोह पूर्वक किया गया। शहीद स्थल करारी प्रमुख प्रदुम्न त्रिपाठी एड ने संचालन किया तो वहीं डाक्टर बाबू राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल सोनभद्र प्रमुख अशोक तिवारी ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर शाइर विवेक चतुवेर्दी विशेष अस्थाना ने नज्म गजल से मन मोह लिया तो वहीं सोन संगीत फाउंडेशन



प्रमुख सुशील मिश्रा ने लोकगीत गाकर व पृथ्वीराज चौहान फाउंडेशन सोनभद्र प्रमुख धर्मेश चौहान ने देश गीत दयानंद साहित्य संस्थान के दयानंद दयालू ने लोकभाषा की रचना सुनील चौचक, साहित्य शोध संस्थान शाहगंज ने हास्य रचना से अव्वल अल्ला नूर उपाया कुदरत ते सब बंदे। एक नूर ते सब जग उपज्या कौन भले कौन मंदे, सबका मालिक एक गुरू नानक देव को नमन किया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी देवानंद पांडेय राकेश दूबे एड गोपाल बंगाली ऋषभ त्रिपाठी ठाकुर कुशवाहा आदि रहे।

आठ बच्चों की मां की दर्दनाक मौत, पीछे छूट गई मासूमों की बिलखती दुनिया

समाज जागरण

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर गांव में मंगलवार सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला का शव घर में मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के शरीर पर चोटों के निशान मिलने से मामला और गंभीर हो गया है। मायके पक्ष ने महिला के पति पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल की जांच कराई। वहीं, आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। जानकारी के अनुसार, शाहपुर गांव निवासी 40 वर्षीय देवंती देवी की मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घर में महिला का शव मिलने की सूचना पर गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही दुद्धी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। जांच के दौरान महिला के शरीर पर चोटों के निशान पाए गए। मृतका के मायके पक्ष ने उसके पति रामकरण उर्फ पिंटू चेरो पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों के मुताबिक, देवंती देवी की शादी कई वर्ष पहले हुई थी और उसके आठ बच्चे हैं। आरोप है कि पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। इसको लेकर पहले भी कई बार दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौता कराने का प्रयास किया गया था, लेकिन इसके बावजूद



विवाद खत्म नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर पर बच्चे मौजूद नहीं थे और वे अपने ननिहाल गए हुए थे। मृतका के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में सीओ पिपरी हर्ष पांडेय ने बताया कि महिला की मौत की सूचना मिलते ही दुद्धी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। फोरेंसिक टीम से घटनास्थल की जांच कराई गई, जिसमें महिला के शरीर पर चोटों के निशान मिले हैं। परिजनों की तहरीर के आधार पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद गांव में मातम और आक्रोश का माहौल है।

किसानों की मेहनत पर संकट - 15 ग्राम सभाओं के किसानों की पुकार—डीएम साहब, आखिर कब पूरी होगी हमारी धान बिक्री की प्रक्रिया ?

चकबंदी लेखपाल की कथित लापरवाही से किसानों की धान बिक्री पर लगा ब्रेक !नहीं हो रहा ऑनलाइन सत्यापन

एक सप्ताह से सत्यापन के लिए चकबंदी कार्यालय का परिक्रमा कर रहे अन्नदाता,बेमौसम बारिश की मार के बीच अब सत्यापन की बाधा ने बढ़ाई किसानों की मुश्किलें

समाज जागरण/ तहसील संवाददाता अवधेश कुमार गुप्ता



सोनभद्र। सरकार एक ओर किसानों की उपज का उचित मूल्य दिलाने और धान खरीद व्यवस्था को सुचारु बनाने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर चकबंदी प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन खतौनी सत्यापन में कथित लापरवाही किसानों के लिए बड़ी मुसीबत बनती जा रही है। सलखन न्याय पंचायत की 15 ग्राम सभाओं के किसानों की धान बिक्री पर सत्यापन में देरी के चलते संकट खड़ा हो गया है। हालात यह हैं कि किसान पिछले एक सप्ताह से चकबंदी कार्यालय का चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।सदर विकास खंड के सलखन न्याय पंचायत अंतर्गत मारकुंडी सहकारी समिति से जुड़े किसानों का कहना है कि धान बिक्री के लिए आवश्यक ऑनलाइन खतौनी, आईडी और पासवर्ड से संबंधित प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद चकबंदी लेखपाल द्वारा सत्यापन में अनावश्यक देरी की जा रही है। किसानों का आरोप है कि बार-बार कार्यालय पहुंचने के बाद भी उन्हें राहत नहीं मिल रही है। सत्यापन लंबित रहने के कारण उनकी धान बिक्री की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है।

धान तैयार, लेकिन बिक्री की राह में कागजी अड़ंगा!*

किसानों के सामने दोहरी मार की स्थिति पैदा हो गई है। एक तरफ खेतों और खलिहानों में धान की उपज बिक्री के इंतजार में रखी है, वहीं दूसरी ओर बेमौसम बारिश ने पहले ही किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। ऐसे में यदि समय रहते ऑनलाइन खतौनी का सत्यापन नहीं हुआ तो किसानों को अपनी उपज बेचने में और देरी का सामना करना पड़ सकता है। इससे आर्थिक नुकसान की आशंका भी गहराने लगी है।

एक सप्ताह से दौड़ रहे किसान, आखिर कब होगा समाधान?

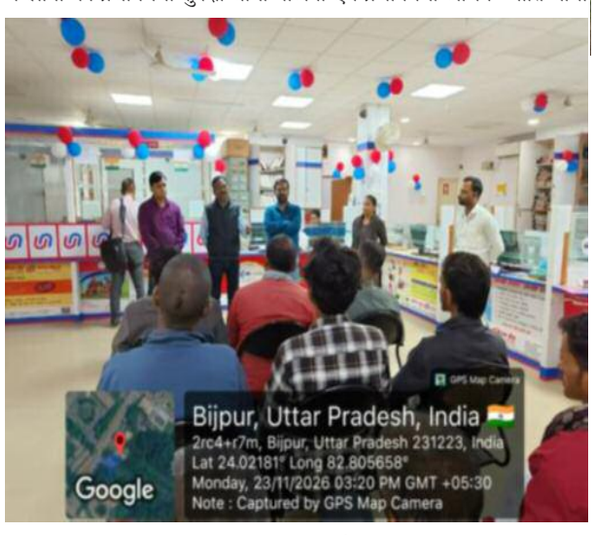
किसानों का कहना है कि सरकारी खरीद केंद्रों पर धान बेचने के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद केवल सत्यापन की प्रक्रिया लंबित होने से वे परेशान हैं। किसानों ने सवाल उठाया है कि जब शासन की ओर से धान खरीद की स्वीकृति मिल चुकी है, तो फिर सत्यापन में देरी के कारण अन्नदाताओं को क्यों परेशान होना पड़ रहा है? जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता का खामियाजा आखिर किसान कब तक भुगतेंगे? इस संबंध में सहकारी समिति अध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय, द्वेवेश देव, आलोक कुमार, रंगनाथ मिश्रा, मिथलेश, राहुल सिंह सहित क्षेत्र के अन्य प्रबुद्ध किसानों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।किसानों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ऑनलाइन खतौनी सत्यापन में हो रही देरी को तत्काल दूर कराया जाए तथा यदि किसी स्तर पर जानबूझकर लापरवाही बरती जा रही है तो संबंधित जिम्मेदार के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए।

अब देखना यह है कि किसानों की इस गंभीर समस्या पर जिला प्रशासन कब संज्ञान लेता है और सलखन न्याय पंचायत की 15 ग्राम सभाओं के किसानों को धान बिक्री में आ रही बाधा से कब तक निजात मिलती है।

यूनियन बैंक रिहंदनगर में जनधन खाते सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर लोगों को किया जागरूक

समाज जागरण/ सन्तोष कुमार

बीजपुर/ सोनभद्र। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिहंदनगर शाखा में बैंकिंग सुविधाओं एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान बैंक अधिकारियों ने प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खाते खोलने, एटीएम कार्ड की सुविधा, छोटे खातों तथा बैंकिंग सेवाओं के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में लोगों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा



योजना के तहत मिलने वाले बीमा लाभों और उनकी उपयोगिता के बारे में बताया गया। साथ ही बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य और आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी भी साझा की गई। बैंक अधिकारियों ने बताया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य आम लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना, आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना तथा बचत की आदत को बढ़ावा देना है। लोगों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों और आवेदन प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक असीम राय, ड्यूटी मैनेजर लकेश कुमार रवि तथा क्रेडिट अधिकारी राज कुमार सिंह मौजूद रहे। बैंक की ओर से लोगों को बैंकिंग सुविधाओं एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

हजारों दीपों से जगमगाया चोपन सोन नदी का तट, भव्य सोन आरती और आतिशबाजी ने मोहा मन

समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे

चोपन/ सोनभद्र। देव दीपावली के पावन अवसर पर चोपन स्थित सोन नदी के विभिन्न घाटों पर भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री एवं ओबरा विधायक संजीव कुमार गोंड तथा विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा और आदर्श नगर पंचायत चोपन के अध्यक्ष उस्मान अली की गरिमामयी उपस्थिति रही। देव दीपावली के अवसर पर सोनेश्वर घाट, शीतला घाट, छठ घाट और बजरंग घाट सहित सोन नदी के सभी प्रमुख घाट हजारों दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। दीपों से सजे नदी के तट और जल में पड़ती उनकी मनमोहक छटा ने ऐसा अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया, मानो आसमान के तारे धरती पर उतर आए हों। इस अलौकिक नजारे को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उमड़ पड़े।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संजीव कुमार गोंड ने दीप प्रज्वलित कर तथा मां सोन की विधिवत आरती कर किया। इस अवसर पर काशी (वाराणसी) से आए विद्वान आचार्यों एवं कलाकारों



के दल द्वारा भव्य सोन आरती संपन्न कराई गई। शंखनाद, घंटा-घड़ियाल और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुई आरती से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने मां सोन की आरती में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की। वहीं, दीपोत्सव की भव्यता को और आकर्षक बनाने के लिए रंग-बिरंगी आतिशबाजी की गई। आसमान में बिखरती रंगीन रोशनी और दीपों से जगमगाते घाटों का नजारा देखते ही बन रहा था। आरती के उपरांत सोनेश्वर घाट स्थित प्राचीन महादेव मंदिर परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने अपनी मनमोहक एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों से देर रात तक समां बांधे रखा।विशाल जनसमूह की उपस्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद रहा। सुरक्षा एवं व्यवस्था के पुख्ता इंतजामों के बीच पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में देव दीपावली आयोजन समिति के सदस्यों एवं स्थानीय युवाओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में समिति के अध्यक्ष संजीव त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सहयोगियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। देव दीपावली के इस भव्य आयोजन ने चोपन की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत की। इस मौके पूर्व सांसद नरेंद्र कुशवाहा, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजा मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली, अधिसासी अधिकारी अखिलेश सिंह, दयाशंकर सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रवीण सिंह, पूर्व चेयरमैन विजय अग्रहरी, प्रदीप अग्रवाल, राजेश साहनी, महेंद्र केशरी, गणेश तिवारी, सावित्री देवी, राजेश अग्रहरी, हिमांशु गुप्त, निर्मोल सिंह, बंटी सिंह, सुभाष साहनी, शुशील साहनी अंकित पाण्डेय,आदि मौजूद रहे संचालन विकास चौबे ने किया।

पराली जलाने पर किसानों को दी गई चेतावनी, पांच साल तक बंद हो सकता है डीबीटी पंजीकरण

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



जिला कृषि पदाधिकारी प्रभात कुमार ने जानकारी देते हुए जिले के सभी किसानों से अपील की है कि धान की फसल कटाई के बाद खेतों में बचे फसल अवशेष (पराली) को किसी भी परिस्थिति में नहीं जलाएं। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है तथा मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। इसके साथ ही पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और वायु गुणवत्ता में गिरावट आती है।

उन्होंने किसानों को पराली प्रबंधन के लिए कृषि विभाग द्वारा अनुशंसित आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ बेलर, रोटरी मल्चर एवं अन्य फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों का उपयोग करने की सलाह दी। इन यंत्रों का वितरण कृषि विभाग द्वारा अनुदानित दर पर किया जाता है। इनके माध्यम से फसल अवशेषों को खेतों में ही प्रबंधित कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने और अगली फसल की बुआई समय पर करने में मदद मिलती है।

जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि फसल अवशेषों का उपयोग जैविक खाद बनाने, पशु चारे तथा खेतों में मल्चिंग के रूप में भी किया जा सकता है। इससे किसानों को अतिरिक्त लाभ मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि फसल कटाई के बाद जानबूझकर खेतों में पराली जलाने वाले किसानों का डीबीटी पंजीकरण पांच वर्षों तक अवरुद्ध किया जा सकता है। ऐसे किसान कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकते हैं। साथ ही पराली जलाने वाले किसानों के विरुद्ध सीआरपीसी की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

संविदा कर्मी की राजनीतिक गतिविधियों और कार्यालय से अनुपस्थिति पर उठे सवाल, जांच की मांग

सीमांचल सेवा फाउंडेशन ने निबंधन विभाग के सचिव को भेजी शिकायत, नियुक्ति से लेकर मानदेय भुगतान तक के अभिलेखों की जांच कराने का किया आग्रह

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

जिला निबंधन कार्यालय कटिहार में पदस्थापित एक संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर की कथित राजनीतिक सक्रियता, कार्यालय में उपस्थिति और सरकारी मानदेय भुगतान को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इस संबंध में सीमांचल सेवा फाउंडेशन के संस्थापक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सह राष्ट्रीय आरटीआई कार्यकर्ता हसीबुर रहमान ने 16 नवंबर 2026 को बिहार सरकार के मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव को लिखित शिकायत भेजकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

शिकायत में संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर हरि प्रसाद सिंह उर्फ राजा की कथित राजनीतिक एवं सार्वजनिक गतिविधियों के साथ-साथ उनके कार्यालयीन दायित्वों के निर्वहन और उपस्थिति की जांच कराने का अनुरोध किया गया है। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि संविदा सेवा की शर्तों के तहत संबंधित कर्मी को किन राजनीतिक एवं सार्वजनिक गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, संबंधित कर्मी फेसबुक पर 'Raja Singh' नाम से प्रोफाइल संचालित करते हैं और स्वयं को वार्ड पार्षद प्रतिनिधि एवं समाजसेवी के रूप में प्रस्तुत करते हैं। शिकायत में वार्ड संख्या-30 के अंतर्गत छठ घाट निरीक्षण, नगर परिषद कर्मियों को निर्देश देने तथा दीपावली, काली पूजा और स्वतंत्रता दिवस जैसे अवसरों पर सार्वजनिक गतिविधियों से जुड़ी तस्वीरों और पोस्ट का उल्लेख किया गया है।



शिकायत में यह भी बताया गया है कि संबंधित कर्मी की माता दीपाली सिंह वर्ष 2022 में किशनगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या-30 से पार्षद निर्वाचित हुई थीं। इसी आधार पर शिकायतकर्ता ने सरकारी सेवा में रहते हुए संबंधित कर्मी की राजनीतिक एवं सार्वजनिक गतिविधियों की वैधता और सेवा शर्तों के अनुपालन की जांच कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित कर्मी पूर्व में जिला निबंधन कार्यालय किशनगंज में कार्यरत थे और वर्तमान में कटिहार में पदस्थापित हैं। ऐसे में उनके स्थानांतरण की तिथि से अब तक की वास्तविक कार्यालयीन उपस्थिति और कार्य निष्पादन की जांच जरूरी है।

इसके लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति, उपस्थिति पंजी, अवकाश आवेदन, स्वीकृति आदेश, कार्यालयीन लॉगिन रिकॉर्ड, कार्य निष्पादन रिपोर्ट तथा वेतन और मानदेय भुगतान से संबंधित अभिलेखों की जांच की मांग की गई है। शिकायत में कहा गया है कि यदि बिना स्वीकृत अवकाश के अनुपस्थित रहने और उस अवधि का मानदेय लेने की पुष्टि होती है तो नियमानुसार राशि की वसूली की जाए।

शिकायत में बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के नियम 3 एवं 6 तथा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के प्रावधानों के आलोक में जांच कराने का आग्रह किया गया है। हालांकि, संबंधित कर्मी संविदा पर कार्यरत बताए गए हैं। ऐसे में शिकायतकर्ता ने उनकी नियुक्ति, नियोजन आदेश, संविदा और सेवा शर्तों की जांच कर यह स्पष्ट करने की मांग की है कि उन पर कौन-कौन से नियम लागू होते हैं।

सीमांचल सेवा फाउंडेशन ने कुल 11 बिंदुओं पर अभिलेखीय जांच कराने की मांग की है। इसमें नियुक्ति की वैधता, स्थानांतरण एवं योगदान प्रतिवेदन, कार्यालयीन उपस्थिति, कार्य निष्पादन, अवकाश, मानदेय भुगतान, सोशल मीडिया गतिविधियां और सरकारी संसाधनों के संभावित दुरुपयोग जैसे बिंदु शामिल हैं।

शिकायतकर्ता ने संबंधित कार्यालयीन और डिजिटल अभिलेखों को सुरक्षित रखने तथा जांच में प्रथमदृष्टया अनियमितता सामने आने पर सक्षम प्राधिकारी से नियमानुसार कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया है। आरोप प्रमाणित होने की स्थिति में संविदा समाप्ति, सरकारी राशि की वसूली और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई है। इस मामले में जिला निबंधन कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि राजा सिंह से फोन पर संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को जो शिकायत करनी थी, वह विभाग को कर चुके हैं। अखबार या अन्य किसी माध्यम पर वे इस मामले में कुछ नहीं बता सकते। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से जो भी जानकारी मांगी जाएगी, वह उपलब्ध कराएंगे।

फिलहाल मामला जांच का विषय है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित विभाग की जांच और अभिलेखों के सत्यापन के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

24 नवंबर 2005 को बिहार की तकदीर बदलने की शुरूआत हुई थी : मंत्री शैलेश कुमार

सम्राट अशोक भवन में जदयू ने मनाया सुशासन दिवस, सरकार की 20 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।



किशनगंज शहर के खगड़ा स्थित सम्राट अशोक भवन में मंगलवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की ओर से सुशासन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिले के प्रभारी मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल, विधायक गोपाल अग्रवाल, जदयू जिलाध्यक्ष फैसल अहमद सहित अन्य नेताओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री शैलेश कुमार ने कहा कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक वर्ष 24 नवंबर को पर्व-त्योहार की तरह सुशासन दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2005 को बिहार में केवल सत्ता परिवर्तन नहीं हुआ था, बल्कि राज्य की तकदीर बदलने की शुरूआत हुई थी। इसी दिन नीतीश कुमार के नेतृत्व में पहली बार एनडीए की सरकार बनी थी। उन्होंने भागलपुर दंगा का जिक्र करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा और पिछले 20 वर्षों में राज्य सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य सरकार की 20 वर्षों की उपलब्धियों को आम लोगों तक पहुंचाना और उन्हें बिहार में हुए बदलावों से अवगत कराना है।

वहीं, जदयू जिलाध्यक्ष फैसल अहमद ने कहा कि सुशासन दिवस के माध्यम से आम नागरिकों को पिछले 20 वर्षों में सरकार की ओर से किए गए कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी जा रही है। पार्टी का उद्देश्य विकास और सुशासन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर जदयू नेता डॉ. राशिद मजहरी, बुलंद अख्तर हाशमी, बबलू साहा, रियाज अहमद सहित पार्टी के कई नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

झाड़ियों और गंदगी से घिरा सामुदायिक शौचालय, ग्रामीणों ने चालू कराने की मांग की

स्वच्छता अभियान पर करोड़ों खर्च, लेकिन चिल्हनियां पंचायत के वार्ड 15 में सरकारी शौचालय की सुध लेने वाला कोई नहीं

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



टेढ़ागाछ (किशनगंज)। टेढ़ागाछ प्रखंड की चिल्हनियां पंचायत के वार्ड संख्या 15 में निर्मित सामुदायिक शौचालय बदहाली का शिकार है। देखरेख और नियमित साफ-सफाई के अभाव में शौचालय परिसर झाड़ियों से घिर गया है। आसपास गंदगी फैली हुई है, जिससे इसकी उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विडंबना है कि एक ओर सरकार स्वच्छता अभियान के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी राशि से निर्मित सामुदायिक शौचालय की सुध लेने वाला कोई नहीं है। नियमित रखरखाव नहीं होने के कारण ग्रामीणों को इस सरकारी सुविधा का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। परिसर की बदहाल स्थिति स्वच्छता व्यवस्था के दावों पर भी सवाल खड़े कर रही है।

स्थानीय ग्रामीण किशन लाल मांझी, सुरेश मंडल, जनार्दन यादव, अजय ऋषिदेव, अशोक यादव, उमेश ऋषिदेव, अमरेश मांझी सहित अन्य लोगों ने प्रखंड प्रशासन से शौचालय परिसर की अविलंब साफ-सफाई कराने, उगी झाड़ियों को हटाने और आवश्यक मरम्मत कराकर इसे नियमित रूप से चालू कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी राशि से निर्मित इस सार्वजनिक सुविधा का लाभ आम लोगों को मिलना चाहिए। यदि समय रहते इसकी मरम्मत और रखरखाव की व्यवस्था नहीं की गई तो यह सरकारी योजना का एक और बेकार पड़ा निर्माण बनकर रह जाएगा।

"मक्के की बहार, किसानों पर उपहारों की बौछार; रीगल बनी देश की नंबर वन स्टार्च प्रोडक्शन कंपनी"

समाज जागरण संवाददाता

गलगलिया (किशनगंज)। कोसी-सीमांचल के मक्का किसानों के सहयोग और अथक मेहनत से रीगल रिसोर्सेस कंपनी ने देश की नंबर वन स्टार्च प्रोडक्शन कंपनी बनने का गौरव हासिल किया है। उक्त बातें कंपनी के



मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल किशोरपुरिया ने किसान मैत्री पुरस्कार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने बताया कि सितंबर 2018 में 180 टन प्रतिदिन स्टार्च उत्पादन से शुरू हुई कंपनी आज 1650 टन प्रतिदिन उत्पादन कर रही है। जल्द ही इसे बढ़ाकर 2100 टन करने का लक्ष्य है। कंपनी स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार देने के साथ क्षेत्र के मक्का किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

कार्यक्रम में कंपनी की ओर से उत्कृष्ट मक्का किसानों को सम्मानित करते हुए छह किसानों को एक्सयूवी कार, दो को वैगनआर कार, दो को बाइक सहित मोबाइल, टीवी, इन्वर्टर, ओवन और डिनर सेट जैसे आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर कंपनी के परचेज जीएम विवेक लील्हा, ठाकुरगंज के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष देवकी नंदन अग्रवाल सहित कंपनी के कई अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जांच के बाद भी मनरेगा योजनाओं में कथित अनियमितता पर कार्रवाई नहीं, सरपंच ने उठाए सवाल

जिला पदाधिकारी के निर्देश पर गठित जिला स्तरीय टीम ने किया था स्थलीय निरीक्षण, जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का इंतजार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



टेढ़ागाछ (किशनगंज)। टेढ़ागाछ प्रखंड की चिल्हनियां पंचायत में मनरेगा योजना के तहत संचालित विकास कार्यों में कथित अनियमितता का मामला जांच के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से चर्चा में है। इस मामले को लेकर पंचायत के सरपंच कैलाश बोसाक ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

सरपंच कैलाश बोसाक ने पंचायत में मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में कथित गड़बड़ी को लेकर जिला पदाधिकारी को लिखित आवेदन दिया था। उन्होंने योजनाओं की निष्पक्ष जांच कराने और अनियमितता में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी के निर्देश पर जिला स्तरीय जांच टीम का गठन किया गया था।

गठित टीम ने चिल्हनियां पंचायत पहुंचकर विभिन्न मनरेगा योजनाओं एवं संबंधित कार्यस्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया था। इस दौरान योजनाओं के क्रियान्वयन और कार्यों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की जांच-पड़ताल भी की गई थी। इसके बावजूद अब तक किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आने से शिकायतकर्ता सरपंच ने नाराजगी जताई है।

सरपंच का कहना है कि जब जिला प्रशासन के निर्देश पर जिला स्तरीय टीम ने जांच की है, तो जांच के निष्कर्षों को सार्वजनिक करते हुए नियमानुसार आगे की कार्रवाई भी की जानी चाहिए। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जांच रिपोर्ट के आधार पर मामले में उचित कदम उठाने की मांग की है।

अब सवाल यह है कि जांच के बाद प्रशासन की ओर से क्या कार्रवाई की गई और यदि अनियमितता पाई गई है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई कब होगी? ग्रामीणों ने मनरेगा योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन से शीघ्र पहल करने की मांग की है।

26 नवंबर को किशनगंज में हवाई हमले और ब्लैकआउट की होगी मॉक ड्रिल, तैयारियों की समीक्षा

इंटर बॉयज हाई स्कूल में सुबह 11 बजे होगा हवाई हमले का अभ्यास, शाम 6 बजे गांधी चौक और समाहरणालय परिसर में होगा ब्लैकआउट मॉक ड्रिल

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

नागरिक सुरक्षा के तहत आगामी 26 नवंबर को किशनगंज में हवाई हमला एवं ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी-सह-उप नियंत्रक, नागरिक सुरक्षा अनिकेत कुमार की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मॉक ड्रिल को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 26 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे इंटर बॉयज हाई स्कूल, किशनगंज में हवाई हमले से बचाव को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित होगी। इस दौरान हवाई हमले जैसी आपातकालीन स्थिति में बच्चों एवं अन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, घायलों का रेस्क्यू करने, प्राथमिक उपचार देने तथा गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया जाएगा।

वहीं, इसी दिन शाम 6 बजे गांधी चौक एवं समाहरणालय परिसर में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल होगी। इसके तहत आपातकालीन स्थिति में निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था नियंत्रित करने तथा ब्लैकआउट के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों का अभ्यास कराया जाएगा। साथ ही लोगों को आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्कता बरतने के प्रति जागरूक किया जाएगा।

समीक्षा बैठक में एसडीओ अनिकेत कुमार ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय रहते तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल के दौरान बचाव एवं राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग को



चिकित्सकीय टीम, एंबुलेंस, प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं, अग्निशमन विभाग को अग्निशमन वाहन एवं जरूरी उपकरणों के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया गया।

पुलिस एवं यातायात विभाग को विधि-व्यवस्था, मार्ग नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा सायरन, स्ट्रेचर, बचाव उपकरण, संचार व्यवस्था एवं विद्युत व्यवस्था की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। एसडीआरएफ एवं नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों को निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुरूप बचाव एवं राहत कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया। विद्यालय प्रशासन को बच्चों की सुरक्षा और सुरक्षित निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

प्रशासन के अनुसार, इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य हवाई हमले जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, जनसुरक्षा, बचाव एवं राहत कार्यों की तैयारियों को परखना तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। इसके माध्यम से आम नागरिकों एवं संबंधित कर्मियों को आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। बैठक में सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला अग्निशमन पदाधिकारी, विद्युत आपूर्ति विभाग के कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, एसडीआरएफ टीम कमांडर, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, थानाध्यक्ष, रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव, इंटर बॉयज हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक एवं सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अस्वस्थ भोजपुर जिला संयोजक का हाल जानने पहुंचे मेहतर सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष

समाज जागरण पारसनाथ दुबे डेहरी, रोहतास।



मेहतर सेवा संघ, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष मोहन राम ने भोजपुर जिला संयोजक राम केवल राम के अस्वस्थ होने की जानकारी मिलने पर उनके निवास स्थान चानी गांव पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होंने राम केवल राम के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष वीर वसंत लाल, टिंकू राउत, मुन्ना राउत सहित संघ के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने राम केवल राम के जल्द स्वस्थ होकर पुनः सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय होने की कामना की।

नो-एंट्री में घुसे भारी वाहनों पर कार्रवाई, 17 हजार रुपये जुमार्ना

समाज जागरण पारसनाथ दुबे डेहरी

रोहतास। नो-एंट्री के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पकड़े गए वाहनों पर कुल 17 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और नो-एंट्री के निर्धारित समय में प्रतिबंधित मार्गों पर भारी वाहन नहीं ले जाने की सख्त हिदायत दी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

एसपी ने की जन शिकायतों की सुनवाई, 12 फरियादियों की समस्याएं सुनीं

संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने का दिया निर्देश

समाज जागरण पारसनाथ दुबे

डेहरी (रोहतास)। रोहतास के पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को अपने कार्यालय में जन शिकायत निवारण सुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान कुल 12 फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं।



पुलिस अधीक्षक ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उनके त्वरित निष्पादन एवं आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा, ताकि फरियादियों को जल्द राहत मिल सके।

डेहरी नगर के 55 वर्षीय ध्रुव कुमार राय से जुड़ा मामला सामने आया।

समाज जागरण संवाददाता। पारस नाथ दुबे। डेहरी। रोहतास।

दिनांक 23/11/26 को समय 20:50 बजे से जुड़े एक मामले में ध्रुव कुमार राय, उम्र-55 वर्ष, पिता- स्व. परमानंद राय, निवासी- डिलियाँ, वार्ड नं. 20, थाना- डेहरी नगर, जिला- रोहतास का नाम दर्ज है। फोटो में नीचे का हिस्सा कटा हुआ है, इसलिए पूरी जानकारी स्पष्ट नहीं हो रही है।आप बताइए, ये गुमशुदगी, दुर्घटना या थाना में दर्ज शिकायत का मामला है? तो मैं उसी हिसाब से पूरी खबर छोटी करके बना देता हूँ।

नबीनगर में भी महसूस हुए भूकंप के झटके, सुबह-सुबह डोली धरती, लोगों में दहशत

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)



नबीनगर (बिहार) मंगलवार सुबह करीब 7:02 बजे नबीनगर में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। अचानक धरती डोलने से लोग घबरा गए और कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। सुबह का समय होने के कारण ज्यादातर लोग घरों के अंदर थे। अचानक पंखा, खिड़की और बर्तन हिलने लगे तो लोगों को भूकंप का एहसास हुआ।जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र नेपाल के कोशी प्रांत में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 से 5.4 मापी गई। इसी कारण बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मेघालय सहित नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के कई हिस्सों में झटके महसूस किए गए।नबीनगर में अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। झटके हल्के थे, इसलिए लोग कुछ देर बाद लोग अपने-अपने काम में लग गए। फिर भी सुबह-सुबह आए इस झटके से लोगों में काफी देर तक दहशत बनी रही। लोगों का कहना है कि कई सालों बाद नबीनगर में इस तरह भूकंप का झटका महसूस हुआ है।

DM-SP ने किया VVPAT वेयरहाउस का संयुक्त निरीक्षण।

समाज जागरण संवाददाता। पारसनाथ दुबे। डेहरी। रोहतास।

दिनांक 24.11.26 को जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, रोहतास ने VVPAT वेयरहाउस का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में रखी EVM एवं VVPAT मशीनों के सुरक्षित भंडारण, सुरक्षा व्यवस्था तथा परिसर की निगरानी का जायजा लिया गया। निर्वाचन आयोग के निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

आदित्यपुर में आपसी विवाद में चाकूबाजी, दो लोग गंभीर रूप से घायल

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 24 नवंबर 2026: आदित्यपुर के आरआईटी थाना क्षेत्र अंतर्गत रोड नंबर चार में आधी रात 11: 30 में आपसी विवाद को लेकर चाकूबाजी की घटना सामने आई है। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रोड नंबर चार स्थित एक रूई दुकान के पास दो व्यक्तियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। देखते ही देखते विवाद मारपीट और चाकूबाजी में बदल गया। बताया जाता है कि पहले एक व्यक्ति ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया,



जिसके बाद दूसरे व्यक्ति ने भी उस पर चाकू से वार कर दिया।
घटना के बाद दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने आरआईटी थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले गई। फिलहाल दोनों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। घटना के कारणों को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

पटना के बिहटा में सीएनजी भरवाने के बहाने यात्रियों को उतारा

लाखों के गहने और नकदी लेकर भागा ऑटो चालक

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ सफर के दौरान सीएनजी भरवाने की बात कहकर ऑटो चालक ने यात्रियों को नीचे उतारा और मौका मिलते ही लाखों रुपये के जेवरात व नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गया। बिहटा थाना क्षेत्र में हुई इस घटना से पीड़ित परिवार के लोग बेहद परेशान हैं। पीड़ित ने बिहटा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सामान बरामद करने की मांग की है।



जानकारी के अनुसार, सारण जिले के नौडवां निवासी रेलवे कर्मचारी राज कुमार प्रसाद अपने परिवार के साथ छपरा से तीन बैग लेकर भोजपुर जिले के कोईलवर पहुंचे थे। वहां से बिहटा आने के लिए उन्होंने एक ऑटो किराये पर लिया था। आरोप है कि बिहटा थाना क्षेत्र में पहुंचने से पहले चालक ने ऑटो में सीएनजी भरवाने का बहाना बनाया और सभी यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। जैसे ही परिवार के सदस्य ऑटो से नीचे उतरे, चालक मौका पाकर बैग समेत ऑटो लेकर तेजी से फरार हो गया। पीड़ित राज कुमार प्रसाद के अनुसार, ऑटो चालक जिस बैग को लेकर भागा है, उसमें सोने का हार सेट, बाला सेट, चेन, चार अंगूठियां, ईयर रिंग, मंगलसूत्र समेत अन्य कीमती आभूषण और नकदी रखी हुई थी। अचानक हुई इस घटना के बाद परिवार के लोग सन्न रह गए। चालक के फरार होने के बाद परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन ऑटो और चालक का कोई सुराग नहीं मिल सका। काफी तलाश के बाद भी जब कोई जानकारी नहीं मिली, तो पीड़ित ने बिहटा थाना पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए छानबीन में जुट गई है और आसपास के मार्गों व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार ऑटो चालक की पहचान और गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

पटना में सोन नदी घाट पर दाह संस्कार के दौरान पहुंची पुलिस

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिला के पालीगंज प्रखंड के महाबलीपुर ओपी क्षेत्र अंतर्गत उदयपुर गांव में पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। सोमवार की रात हुई घटना के बाद मंगलवार को परिजन शव का दाह-संस्कार करने सोन नदी घाट पहुंचे थे। इसी दौरान सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया। इस घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।



मृतक की पहचान उदयपुर गांव निवासी राम इकबाल चौधरी के 45 वर्षीय पुत्र उमेश चौधरी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, उमेश की शादी करीब 20 वर्ष पहले हुई थी। बताया जाता है कि पिछले कई वर्षों से पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर नहीं थे और दोनों के बीच अक्सर विवाद व कहासुनी होती रहती थी। सोमवार की रात भी किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद उमेश ने घर के एक कमरे में कथित तौर पर फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने महाबलीपुर ओपी प्रभारी दीपक कुमार और पालीगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार को सूचना दी। इसी बीच परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए सोन नदी घाट ले गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दाह-संस्कार की प्रक्रिया से पहले ही घाट से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया। वहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि मृतक की पत्नी शराब के कारोबार में संलिप्त थी, जिसका उमेश विरोध करता था। हालांकि, इस आरोप को लेकर पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया गया कि मृतक उमेश चौधरी अपने पीछे चार बेटे और एक बेटी छोड़ गए हैं। फिलहाल पुलिस पारिवारिक कलह समेत सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पटना के दानापुर में बेखौफ चोरों का कहर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर थाना क्षेत्र के रिहायशी इलाके गोला रोड स्थित रंजन पथ लेन नंबर 9 में बीते रात बेखौफ चोरों ने एक बंद घर का ताला तोड़कर करीब आठ लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर लिया। पीड़ित गृहस्वामी सूर्य नारायण ठाकुर ने इस संबंध में स्थानीय थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। इलाके में लगातार हो रही चोरी, चेन छिनतई और मोबाइल छीनने की घटनाओं से लोगों में दहशत है तथा पुलिस की रात्रि गश्ती और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना के संबंध में सूर्य नारायण ठाकुर ने बताया कि सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह अपने घर में ताला लगाकर पूरे परिवार के साथ समस्तीपुर जिले में एक रिश्तेदार के यहां पूजा समारोह में शामिल होने गए थे। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे जब वह अपने पुत्र के साथ घर लौटे, तो मुख्य दरवाजे और अंदर के कमरों के ताले टूटे हुए मिले। घर के भीतर तीन कमरों में रखी गोदरेज और अलमारियों का सामान बिखरा पड़ा था और चोरों ने इत्मीनान से उन्हें खंगाल डाला था। गृहस्वामी के अनुसार, चोर घर से सोने की चेन, मंगलसूत्र, झुमका, टॉप, चांदी के जेवरात समेत करीब आठ लाख रुपये मूल्य के कीमती सामान और अन्य वस्तुएं चोरी कर ले गए हैं। सूर्य नारायण ठाकुर ने आरोप लगाया कि घटना की सूचना देने और लिखित शिकायत करने के बावजूद पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंची, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी भी देखी गई।

सरायकेला पुलिस की बेहतरीन कामयाबी, लूट और हथियार मामले में तीन किशोर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ



सरायकेला खरसावां (झारखंड) 24 नवंबर 2026: सरायकेला थाना पुलिस ने लूट और शस्त्र अधिनियम मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन गोदामों को गिरफ्तार किया है. कार्यालय प्रभारी विनय कुमार के अनुसार कार्यवाही यह सरायकेला थाना कांड संख्या-123/26, दिनांक 24.11.2026, धारा-309(4) बी.एन.एस. एवं 25(1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत डॉक्यूमेंट्री के आलोक में दर्ज किया गया। पुलिस की कोचिंग में आये तीन युवा सरायकेला-खरसावां जिले के हल्दीपोखर के रहनेवाले हैं।
गिरफ्तार किये गये सभी उच्च श्रेणी के सरायकेला थाना क्षेत्र के हल्दीबनी गांव के निवासी नामित जा रहे हैं। इनकी पहचान 22 साल के सुमित महतो (पिता अजय महतो), 19 साल के राम कालिन्दी (पिता बलेन्द्र कालिन्दी) और 19 साल के बिरजू कालिन्दी (पिता कोका कालिन्दी) के रूप में हुई है। तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद सरायकेला थाना पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और पूछताछ की, जहां से उन्हें संवैधानिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी तरह के आपराधिक अपराध को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। इस गैंग से जुड़े अन्य संपर्कों और मामले के विभिन्न विवरणों को लेकर आगे की गहन जांच-पड़ताल कर रही है।

पटना के दुल्हिनबाजार में रात में आया कॉल और सुबह मिली युवक की लहूलुहान लाश

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश



पटना/ जिले के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के सिंघाड़ा गांव में एक 20 वर्षीय युवक की धारदार हथियार से गोदकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक युवक की पहचान सिंघाड़ा गांव निवासी मुमताज मंसूरी के 20 वर्षीय पुत्र शहजाद मंसूरी के रूप में हुई है। घर से करीब 200 मीटर दूर गांव की गली में युवक का खून से लथपथ शव मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और परिवार में कोहराम मच गया।
मृतक युवक के चाचा शमशेर आलम ने बताया कि शहजाद रात में घर पर ही था। देर रात उसके मोबाइल पर किसी का कॉल आया, जिसके बाद वह बिना किसी को कुछ बताए अचानक घर से बाहर निकल गया। सुबह ग्रामीणों और परिजनों को जानकारी मिली कि घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर गांव की गली में शहजाद का शव खून से लथपथ पड़ा है। परिजन जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि किसी धारदार हथियार से उसके चेहरे और सिर पर कई बार वार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई है। चाचा ने आशंका जताई है कि शहजाद को घर से बुलाकर उसके दोस्तों ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है।
घटना की सूचना मिलते ही दुल्हिन बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को बुलाया, जिसने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। उसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।
थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि ग्रामीणों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची थी। शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि युवक की हत्या किसी चाकू या धारदार हथियार से गोदकर की गई है, हालांकि वारदात में इस्तेमाल हथियार अभी तक बरामद नहीं हो सका है। पुलिस को यह जानकारी भी मिली है कि मृतक अक्सर अपने दोस्तों के साथ रात के समय भी इधर-उधर जाते रहता था। फिलहाल इस हत्याकांड के पीछे के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर जांच कर रही है। परिजनों के बयान और मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि देर रात शहजाद को किसने फोन किया था और इस हत्या के पीछे कौन लोग शामिल हैं। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पटना के फतुहा पुलिस मुठभेड़ कांड में जब्त वाहनों की दोबारा तलाशी 102 जिंदा कारतूस और देसी पिस्टल बरामद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फतुहा पुलिस मुठभेड़ कांड में जब्त दोनों वाहनों की दोबारा तलाशी के दौरान 102 जिंदा कारतूस और एक देसी पिस्टल बरामद की गई है। बिहार एसटीएफ (STF) की विशेष टीम ने न्यायालय के आदेश पर 23 नवंबर को न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में फतुहा थाना परिसर में यह तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई से अवैध हथियार और कारतूस की तस्करी से जुड़े मामले में पुलिस को अहम सफलता मिली है। दरअसल, 11 मार्च 2026 को फतुहा थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के बाद तीन आरोपितों–शत्रुघ्न कुमार (पटना), सुजीत कुमार और सुंदरम कुमार (दोनों सारण)–को गिरफ्तार किया गया था। उस समय गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से दो वाहनों के माध्यम से कुल 1170 कारतूस बरामद किए गए थे। घटना के बाद बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने गिरफ्तार आरोपितों के मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण किया और मामले के बैकवर्ड लिंकेज की गहन जांच शुरू की। जांच के क्रम में यह सुराग मिला कि कारतूस की आपूर्ति उत्तर प्रदेश से की जा रही थी और जब्त किए गए दोनों वाहनों में अतिरिक्त कारतूस छिपाकर रखे जाने की आशंका है। इसी जानकारी के आधार पर एसटीएफ ने न्यायालय से अनुमति ली और न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में फतुहा थाना परिसर में दोनों जब्त वाहनों की दोबारा तलाशी कराई।
तलाशी के दौरान वाहनों से 315 बोर के 102 जिंदा कारतूस और 32 बोर की एक देसी पिस्टल बरामद की गई। एसटीएफ के अनुसार, पहले बरामद 1170 कारतूसों के बाद अब 102 और जिंदा कारतूस व पिस्टल मिलने से इस तस्करी नेटवर्क की कड़ियां और स्पष्ट हो रही हैं। फिलहाल बरामद हथियार और कारतूस को लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

पटना के दानापुर में कबाड़ी दुकान की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश



पटना/ जिले के रूपसपुर थाना पुलिस ने कबाड़ी दुकान की आड़ में चल रहे अवैध अंग्रेजी शराब के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए 90.75 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है और मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान कबाड़ी दुकानदार सरीफुल इस्लाम के रूप में हुई है। वह मूल रूप से असम के बारपेटा जिले अंतर्गत कोलगछिया के वनगोगी गांव का निवासी है, जबकि वर्तमान में रूपसपुर थाना क्षेत्र के महुआबाग झंडी स्थित कबाड़ी दुकान के पास रह रहा था।
इस मामले में एएसपी अजीत कुमार ने बताया कि रूपसपुर पुलिस को बीते रात गुप्त सूचना मिली थी कि महुआबाग झंडी इलाके में एक कबाड़ी दुकान के भीतर अवैध रूप से अंग्रेजी शराब की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही सिटी एसपी पश्चिमी के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया गया और संबंधित कबाड़ी दुकान पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान दुकान से 90.75 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसके बाद पुलिस ने दुकानदार सरीफुल इस्लाम को मौके से गिरफ्तार कर लिया। एएसपी के अनुसार, गिरफ्तार तस्कर सरीफुल इस्लाम से शराब के स्रोत और तस्करी के संभावित नेटवर्क को लेकर पूछताछ की गई। आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध धंधे में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा शराब की यह खेप कहां से लाई गई थी।

पटना के पालीगंज में तेज रफ्तार का कहर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज क्षेत्र के अकुरी गांव के पास मंगलवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां एक हाईवा ट्रक ने साइकिल सवार व्यक्ति को कुचल दिया। इस हादसे में साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अकुरी गांव निवासी स्व. बंगाली साव के 50 वर्षीय पुत्र विनोद साव के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।
जानकारी के अनुसार, विनोद साव मंगलवार को अकुरी गांव स्थित अपने घर से साइकिल पर सवार होकर पालीगंज बाजार जाने के लिए निकले थे। जैसे ही वह एनएच-139 पर पहुंचे, तभी रानीतालाब की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही विनोद सड़क पर गिर पड़े और चालक उन्हें कुचलते हुए महाबलीपुर की ओर फरार हो गया। मौके पर ही विनोद साव ने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही महाबलीपुर ओपी प्रभारी दीपक कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी, जिससे मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने सड़क का चौड़ीकरण करने और डिवाइडर बनाने की मांग को लेकर नाराजगी जताई। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। प्रशासन की ओर से मृतक के परिजनों को 20 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई, जिसके बाद सड़क जाम समाप्त हुआ और यातायात बहाल हो सका। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। फिलहाल पुलिस फरार ट्रक और चालक की तलाश में जुटी है तथा मामले की जांच कर रही है।

स्व. अनिल कुमार वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर 29 नवंबर को निःशुल्क चिकित्सा शिविर

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ



सरायकेला खरसावां (झारखंड) 24 नवंबर 2026: आदित्यपुर कॉलोनी के रोड नंबर 4 स्वर्गीय अनिल कुमार वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी पावन स्मृति में आगामी 29 नवंबर 2026 (रविवार) को निःशुल्क मेडिकल एवं डेंटल कैंप का आयोजन किया जा रहा है।
यह स्वास्थ्य शिविर आदित्यपुर टू कॉलोनी स्थित रोड नंबर-4 के कुणाल रिलीफ सेंटर में आयोजित होगा। शिविर का समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है।
आयोजकों के अनुसार (डॉ केतन वर्मा और डॉ कुणाल वर्मा)इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को स्वास्थ्य एवं दंत चिकित्सा संबंधी जांच की सुविधा उपलब्ध कराना तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। आयोजकों ने क्षेत्र के नागरिकों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस निःशुल्क सेवा शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

पंजीकरण एवं संपर्क:
इच्छुक लोग पंजीकरण के लिए कुणाल रिलीफ सेंटर पहुंचकर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।
यह आयोजन स्वर्गीय अनिल कुमार वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ समाजसेवा और जनस्वास्थ्य के प्रति समर्पण का एक सार्थक प्रयास है।

पंकज गोप हत्याकांड को लेकर भाजपा ने पुलिस को दिया 15 दिनों का अल्टीमेटम, आंदोलन की चेतावनी

तिरुलडीह थाना पहुंचा भाजपा प्रतिनिधिमंडल, दोषियों की गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

समाज जागरण, संवाददाता



चांडिल: सरायकेला-खरसावां जिले के तिरुलडीह थाना क्षेत्र के छोटालापांग गांव निवासी 20 वर्षीय पंकज गोप हत्याकांड का अब तक खुलासा नहीं होने पर भाजपा ने पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई है। मंगलवार को भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने तिरुलडीह थाना पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और हत्याकांड की शीघ्र जांच पूरी कर वास्तविक दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की।
इस दौरान भाजपा नेताओं ने पुलिस प्रशासन को 15 दिनों के भीतर हत्याकांड का खुलासा करने का अल्टीमेटम दिया। भाजपा नेताओं का कहना था कि घटना के करीब दो सप्ताह बीत जाने के बावजूद हत्याकांड की गुत्थी नहीं सुलझना चिंताजनक है। पुलिस को मामले की गंभीरता से जांच करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।
भाजपा ईचागढ़ विधानसभा संयोजक पप्पू वर्मा ने कहा कि पंकज गोप के परिजनों को न्याय दिलाना भाजपा की प्राथमिकता है। पुलिस निर्धारित 15 दिनों के भीतर मामले का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार करे। उन्होंने जांच को पूरी तरह निष्पक्ष रखने पर भी जोर दिया, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मामले में नहीं फंसाया जाए।
पप्पू वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर पुलिस उचित कार्रवाई नहीं करती है, तो भाजपा आगे की रणनीति तैयार कर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की लड़ाई किसी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि पंकज गोप को न्याय दिलाने और वास्तविक हत्यारों को सजा दिलाने के लिए है।
भाजपा नेता खगेन महतो ने कहा कि पंकज गोप की हत्या एक गंभीर और संवेदनशील मामला है। घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली रहना कई सवाल खड़े करता है। पुलिस प्रशासन को इस मामले को प्राथमिकता देते हुए हर पहलू पर गंभीरता से जांच करनी चाहिए और हत्याकांड में शामिल वास्तविक अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए। पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक भाजपा चुप नहीं बैठेगी। यदि 15 दिनों के भीतर पुलिस ठोस कार्रवाई नहीं करती है, तो पार्टी ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन करेगी।
मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सारथी महतो, सांसद प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज महतो, कुकडू मंडल अध्यक्ष सुमन मुखर्जी, भाजपा नेता खुदी सिंह सरदार, मदन सिंह सरदार, बलराम महतो, मकर महतो, लालू गोप, संतोष प्रामाणिक सहित पीड़ित परिवार के सदस्य एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पटना-बख्तियारपुर फोरलेन किनारे झाड़ी से अज्ञात युवक का शव बरामद मारपीट कर हत्या की आशंका

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश



पटना/ पटना-बख्तियारपुर फोरलेन पर पुनपुन नदी पुल से पहले डीपीएस स्कूल के सामने मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे के बाद सड़क किनारे झाड़ी से एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह-सुबह फोरलेन किनारे शव पड़े होने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। शव की स्थिति देखकर स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि युवक की कहीं और हत्या करने के बाद पहचान छिपाने के उद्देश्य से शव को यहां लाकर फेंका गया है। घटना की जानकारी मिलते ही फतुहा थानाध्यक्ष श्रीमंत कुमार सुमन पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। पुलिस ने सबसे पहले घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। युवक के शव को देखने से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हो रहा था कि उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई है। उसके चेहरे पर खून के निशान थे तथा शरीर के कई हिस्सों पर जख्म के निशान भी पाए गए, जिससे हत्या की आशंका गहरा गई है। पुलिस ने घटनास्थल पर आवश्यक जांच-पड़ताल करने के बाद शव को अपने कब्जे में ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (FSL) टीम को भी मौके पर बुलाया गया, ताकि वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र किए जा सकें। थानाध्यक्ष श्रीमंत कुमार सुमन ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर एफएसएल टीम को बुलाया है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना भेज दिया गया है। व्यस्त पटना-बख्तियारपुर फोरलेन के किनारे झाड़ी से शव मिलने की इस घटना के बाद आसपास के लोगों में भय का माहौल है और तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक की हत्या इसी इलाके में की गई या किसी अन्य स्थान पर वारदात को अंजाम देने के बाद शव को यहां फेंका गया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस शव की शिनाख्त कराने में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पटना में रॉन्ग साइड उतरने के दौरान वंदे भारत की चपेट में आया 12 वर्षीय छात्र, मौके पर ही मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश



पटना/ खुसरूपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, 15527 अप कमला गंगा एक्सप्रेस ट्रेन जब खुसरूपुर स्टेशन पर रुकी, तो एक बालक ट्रेन से रॉन्ग साइड नीचे उतर गया। मां उसे पकड़ने के लिए दौड़ी, लेकिन इससे पहले ही वह ट्रेन की चपेट में आ गया। इसी दौरान अप लाइन से गुजर रही वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद स्टेशन पर मौजूद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी और शोक का माहौल व्याप्त हो गया। मृतक की पहचान अथमलगोला थाना क्षेत्र के चंदा गांव निवासी सिकंदर यादव के 12 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि धीरज अपनी मां के साथ गंगा स्नान करने के लिए बैकटपुर गंगा घाट जा रहा था। सफर के दौरान ट्रेन के रुकने पर वह गलत दिशा में उतर गया और यह हादसा हो गया।
परिजनों के मुताबिक, धीरज चौथी कक्षा का छात्र था और तीन भाइयों में मझला था। उसके पिता सिकंदर यादव दिल्ली में मुंशी का काम करते हैं। हादसे की सूचना जैसे ही चंदा गांव पहुंची, पूरे परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में भी इस घटना को लेकर शोक की लहर दौड़ गई है। हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी (GRP) पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ रेल अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। स्टेशन परिसर में हुई इस घटना को लेकर यात्रियों ने सुरक्षा और सावधानी को लेकर चिंता जताई, जबकि पुलिस आगे की औपचारिकताओं को पूरा करने में जुटी रही।